हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 05.09.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 45 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

रिनपास ने पूरा किया 100 साल का सफर, मुख्यमंत्री ने समारोह को किया संबोधित

रिनपास में जल्द दिखेंगे नये बदलाव सारी कमियां करेंगे दूर : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलाइड साइंस (रिनपास) में जल्द कई बदलाव देखने को मिलेंगे। रिनपास में आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। यहां जो भी कमियां होगी, उसकी विस्तृत समीक्षा कर उसे दूर किया जाएगा। यहां मानसिक मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले, उनका अत्याधुनिक तरीके से इलाज की समुचित व्यवस्था हो, इस दिशा में राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

सोरेन गुरुवार को रिनपास के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा, समर्पण और विश्वास के गौरवशाली सौ वर्ष पूरे होने पर रिनपास से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह लोग मानसिक अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं। वैसे में उन्हें बेहतर काउंसलिंग और इलाज की

सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। हालांकि , कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसे रिनपास जैसे संस्थान में आने की नौबत आए, लेकिन मानसिक परेशानी, मजबूरी और परिस्थिति कई लोगों को यहां तक आने को मजबूर करती है। ऐसे में यहां आने वाले मनोरोगी पूरी तरह स्वस्थ होकर जाएं, इसके लिए यहां इलाज की बेहतर से बेहतर व्यवस्था व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की दिशा में हमें आगे बढ़ना होगा। रिनपास में मरीजों की मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए जो भी डिजिटल चिकित्सा तकनीक की जरूरत होगी, उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि कई परिजन अपने मरीज को यहां छोड़ कर चले जाते हैं और फिर उन्हें कभी लेने भी नहीं आते हैं। वहीं, कई बार घरों में ही मनोरोगी को अलग-अलग तरीके से कैद कर रखा जाता है, जो हमारे परिवार और समाज के लिए अच्छा नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक मरीजों की मनःस्थिति कैसी होती होगी, उसकी कल्पना हम नहीं कर सकते हैं। ऐसे में मानसिक समस्या से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इसके लिए गंभीरता से पहल करने की जरूरत है।

रिनपास की स्थापना जिन्होंने की होगी, वे काफी दूरदर्शी होंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1925 में जब मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना हुई थी, उस वक़्त इसकी क्या जरूरत रही होगी, यह हम तो नहीं बता सकते हैं, लेकिन आज जिस तरह ऐसे संस्थान की अहमियत बढ़ चुकी है, वह बताने के लिए काफी है कि जिन्होंने भी आज से सौ वर्ष पहले रिनपास की नींव रखी होगी, वे कितने दूरदर्शी रहे होंगे। यह संस्थान पिछले 100 वर्षों से लोगों की सेवा में समर्पित है । यह सेवा भाव अनवरत जारी रहे, इसे और भी बेहतर बनाएंगे। रिनपास के अवकाश प्राप्त निदेशक डॉ पीके चक्रवर्ती, डॉ एनएन अग्रवाल, डॉ अशोक कुमार प्रसाद, डॉ अशोक कुमार नाग एवं डॉ केके सिंह, रिटायर्ड मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ प्रवीण कुमार, सेवानिवृत फैकल्टी मेंबर डॉ एएन वर्मा तथा डॉ केसी सेंगर अहम सेवा तथा योगदान के लिए सम्मानित किए गए।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक सुरेश कुमार बैठा, झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, एनआईएमएचएएनएस बेंगलुरु की निदेशक डॉ प्रतिमा मूर्ति, चीफ पोस्ट मास्टर जेनरल, झारखंड परिमंडल विधान चंद्र रॉय, रिनपास के निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में दो दरों वाली जीएसटी व्यवस्था को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बुधवार (3 सितंबर) को 5% और 18% की दो दरों वाली जीएसटी व्यवस्था को मंजूरी दी, जो 22 सितंबर से लागू होगी। इससे लगभग 48,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये दो नए स्लैब मौजूदा जीएसटी दरों 5%, 12%, 18% और 28% की जगह लेंगे। इस संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दरों को युक्तिसंगत बनाने को एक 'संरचनात्मक सुधार' बताते हुए कहा कि यह आम आदमी को ध्यान में रखकर किया गया है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में 'अगली पीढ़ी' के सुधारों का आह्वान किया था। हालांकि, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का फैसला अमेरिका द्वारा भारतीय

वस्तुओं पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए जाने के बाद आया है, लेकिन वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा है कि इन सुधारों का अमेरिकी टैरिफ से कोई लेना-देना नहीं है। मालूम हो कि बुधवार को दस घंटे से ज्यादा चली परिषद की बैठक के बाद सीतारमण ने कहा कि हर राज्य के वित्त मंत्री आम भारतीय के हित में एकमत हैं। इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से भाषण देते हुए अगली पीढ़ी के सुधारों की नींव रखी। उनकी इच्छा थी कि हम लोगों को जल्द से जल्द, दिवाली तक इसका लाभ दें।'

पहले के चार स्लैब की जगह अब केवल दो स्लैब

उन्होंने आगे कहा, हमने स्लैब कम कर दिए हैं - अब केवल दो स्लैब होंगे। ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगाए गए हर कर की गहन जांच की गई है और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है। श्रम-प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। आज के फैसलों से किसानों और समग्र रूप से कृषि को भी लाभ होगा। स्वास्थ्य को भी लाभ होगा। अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों को प्रमुखता दी गई है।

राजग के बिहार बंद का दिखा व्यापक असर

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के खिलाफ अपशब्दों के विरोध में राजग के बिहार बंद का व्यापक असर दिखा। पटना, सीवान, कटिहार, बांका, अररिया और दरभंगा में राजग कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम, दुकानें बंद कराईं और राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के खिलाफ नारेबाजी की। पटना में भाजपा और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कार्यकर्ताओं ने शहर भर के प्रमुख चौराहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और संजीव चौरसिया ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा इतनी बेशर्मी क्यों? आप प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते हैं और आपके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकलता है? अगर हमारा कार्यकर्ता होता तो हम कार्रवाई करते हुए माफी मांगते। भाजपा नेता ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव की उस टिप्पणी का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होने कहा था कि उनकी मां (राबड़ी देवी) के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल हुआ था। रविशंकर प्रसाद ने कहा ₹आपकी मां पूर्व मुख्यमंत्री हैं। यह राजनीतिक है। क्या हम भी गिनाएं कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोगों ने 100 से अधिक बार प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

एक नजर

कारोबारी से दिनदहाड़े 30 लाख रुपये की लूट

पूर्वी सिंहभूम : शहर में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप लूटने के बाद गुरुवार को बिष्टुपुर में दिनदहाड़े एक और सनसनीखेज घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है। गुरुद्वारा के पास बाइक और इनोवा सवार अपराधियों ने कारोबारी साकेत अग्रवाल से 30 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। सूचना पाकर सिटी एसपी कुमार शिवाशीष और डीएसपी मनोज ठाकुर सहित अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचे। उन्होंने पीड़ित से जानकारी के साथ घटनास्थल का मुआयना की। जानकारी के अनुसार, कारोबारी साकेत अग्रवाल बैंक में रुपये जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उन्हें बिष्टुपुर गुरूद्वारा के पास रोक लिया और हथियार के बल पर हमला कर बैग छीन लिया।

टीएसपीसी और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, दो जवान शहीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में बुधवार रात 10 लाख के इनामी प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) कमांडर शशिकांत के दस्ते के साथ पुलिस की भीषण मुठभेड़ हुई। जिसमें जिला पुलिस बल के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम बलिदान हो गए, जबकि एक जवान रोहित कुमार जख्मी हैं। गुरुवार तड़के सुबह 2 बजे घायल जवान को एमआरएमसीएच लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पलामू की पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन लगातार हालात पर नजर रखी हुई हैं। रात 2 बजे ही वे अस्पताल पहुंचीं हैं और घायल जवान के इलाज की हर बारीकी की जानकारी ली। मुठभेड़ स्थल पर पुलिस सर्च अभियान चला रही है। एसपी के अनुसार बुधवार शाम सूचना मिली कि 10 लाख के इनामी टीएसपीसी के शशिकांत का दस्ता मनातू थाना के केदल गांव में मौजूद हैं और किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर एएसपी अभियान राकेश कुमार और हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में ऑपरेशन लॉन्च किया गया।

सर्च अभियान चलाते हुए पुलिस बढ़ रही थी। इसी क्रम में रात साढ़े 12 बजे पुलिस को देखते ही उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में पुलिस के दो जवान बलिदान हो गए और एक जवान घायल हो गए। कुछ नक्सलियों के घायल और मारे जाने की सूचना है। लेकिन अभी उनके शव नहीं मिल पाये हैं। इलाके की घेराबंदी करके सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

सिंगापुर प्रमुख वाणिज्यिक सहयोगी और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का अहम स्तंभ : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के बीच गुरुवार को द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने बहुआयामी साझेदारी को और सशक्त बनाने के अवसरों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर को भारत का प्रमुख वाणिज्यिक सहयोगी और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का अहम स्तंभ बताया।

प्रधानमंत्री मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग के बीच दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता में आर्किटेक्कर, हरित शिपिंग, कौशल विकास, जल प्रबंधन, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया

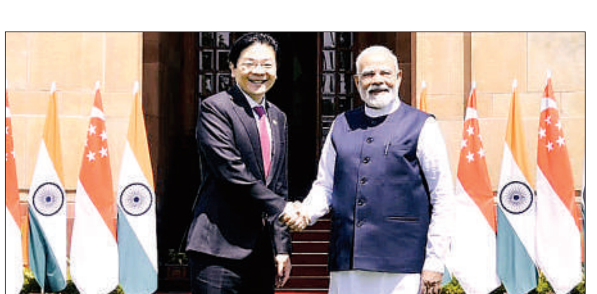

गया। एआई, क्वांटम और डिजिटल टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष विज्ञान तथा सेमीकंडक्टर उद्योग में सहयोग के नए अध्याय जोड़ने का निर्णय भी हुआ। बातचीत के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त रुप से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। पिछले साल सिंगापुर यात्रा के दौरान उन्होंने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक भागीदारी का दर्जा दिया था और इस वर्ष संवाद और सहयोग में गति और गहराई आई है। सिंगापुर को भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आसियान के साथ सहयोग और इंडो पेसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए संयुक्त विजन को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और सिंगापुर का सहयोग आज की वार्ता के बाद पारंपरिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। हमने अपनी भागीदारी के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोड में तैयार किया है। बदलते समय के अनुरूप आर्किटेक्कर, उन्नत विनिर्माण, हरित शिपिंग, कौशल, नागरिक परमाणु और जल प्रबंधन सहित विविध क्षेत्र वार्ता के केंद्र बिंदु रहे।

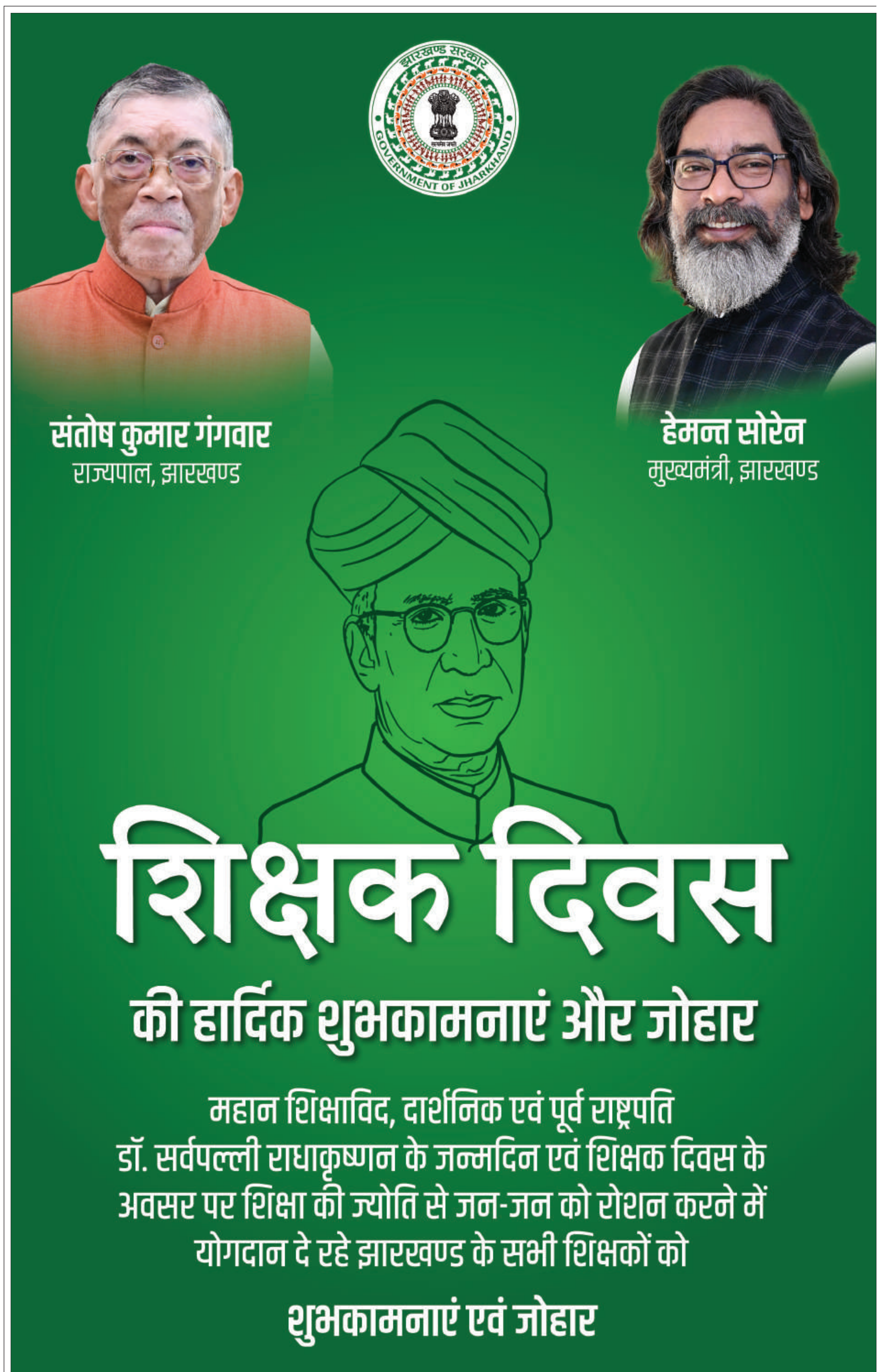

पलांडू में धूमधाम से संपन्न हुआ करमा पूजा डाली विसर्जन के साथ गूंजा ढोल-नगाड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड कर्म की पूजा काफी हर्षोउल्लास संपन्न हो गया। प्रखंड के सभी 23 पंचायतों के 84 गांव में प्रकृति पर्व करम पूजा काफी धूमधाम से मनाया गया। पूजा के दूसरे दिन लोगों ने निकट के नदी तालाब में करम की डाली का विसर्जन किया और अपने परिवार की सुख व समृद्धि की कामना करम देवता से की। प्रखंड के ग्राम पलांडू में धूमधाम करम डाली का विसर्जन किया गया। पूजा पाठ कर रात भर झुमते गाते रहे। गुरुवार सुबह से करीब 1 बजे दोपहर तक लोग ढोल नगाड़े की थाप पर थिरकते रहे वहीं बीच बीच में डीजे की धून में भी लोग थिरकते नजर आए। तत्पश्चात पुनः सभी

पुजारियों एवं देव भक्तों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर जावा डाला सहित करम डाली को उखाड़ कर गांव में भ्रमण करते हुए नाचते गाते नदी में विसर्जन कर दिया गया। करम पूजा में पलांडू पूजा समिति के लोगों का सराहनीय योगदान रहा जिसमें मुख्य रूप से अध्यक्ष सतीश करमाली, सचिव सुनील राज, कोषाध्यक्ष रामू कुमार, , संरक्षक शुक्ला तुरी, संचालक प्रदीप महतो, सक्रिय सदस्य सह संचालक नारायण प्रसाद, लिटिल एंजेल स्कूल के प्रधानाध्यापक अजय कुमार महतो, विमल करमाली, छटू गंझू, विजय महतो, ईश्वर महतो, राम गंझू, विमल गंझू, गोड़इत सह आजसू नेता नागेश्वर तुरी, रंजन महतो, सुरेन्द्र दास, गणेश दास आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सलगा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ करमा पूजा

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के सभी 16 पंचायतोंमें में से 80 गांव में प्रकृति पर्व करम पूजा काफी धूमधाम से मनाया गया। पूजा के दूसरे दिन लोगों ने निकट के नदी तालाब में करम की डाली का विसर्जन किया और अपने परिवार की सुख व समृद्धि की कामना करम देवता से की। प्रखंड के ग्राम सलगा में धूमधाम करम डाली का विसर्जन किया गया। पूजा पाठ कर रात भर झुमते गाते रहे। गुरुवार सुबह से करीब 1 बजे दोपहर तक लोग ढोल नगाड़े की थाप पर थिरकते रहे वहीं बीच बीच में डीजे की धून में भी लोग थिरकते नजर आए। तत्पश्चात पुन: सभी पुजारियों एवं देव भक्तों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर जावा डाला सहित करम डाली को उखाड़ कर गांव में भ्रमण करते हुए नाचते गाते नदी में विसर्जन कर दिया गया। करम पूजा में सलगा पूजा समिति के लोगों का सराहनीय योगदान रहा जिसमें मुख्य रूप से आदि का सराहनीय योगदान रहा। विश्वकर्मा पूजा का अध्यक्ष रानी कुमारी सचिन पायल कुमारी कोषाध्यक्ष रीषा कुमारी और सदस्य सैकड़ो बहन लोग शामिल थे।

कुआं में गिरने से व्यक्ति की मौत, पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के बेला पंचायत केवखरहवुआ गांव के रविदास मुहल्ला में करमा पूजा की धूम अचानक मातम में बदल गई। महिलाएं जब अखरा में करमा की डाली की पूजा कर झूमर गीतों पर थिरक रही थीं, तभी एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आ गई। करमा गीतों पर झूमर खेलने के बीच, गांव के दामाद मोहन रविदास (35 वर्ष), पिता वजीर रविदास, ग्राम ब्रजादास केंदुआ भी नशे की हालत में नृत्य करने लगे। इसी दौरान वे कुएं के रेलिंग पर जाकर बैठने की कोशिश करने लगा, लेकिन संतुलन बिगड़ने पर अचानक कुएं में जा गिरे। गांववालों ने रस्सी डालकर और शोर मचाकर उन्हें बाहर निकालने की हरसंभव कोशिश की, पर सफल नहीं हो पाए। बाद में अधिक संख्या में लोग जुटे और बड़ी मेहनत के बाद मोहन को कुएं से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत चौपारण सामुदायिक अस्पताल ले

जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। गांव के संदीप कुमार ने बताया कि मृतक मोहन रविदास की पत्नी का भी निधन दो साल पहले हो चुका था। उनके तीन संतान-एक बेटी और दो बेटा हैं। विशेष बात यह कि उनकी बेटी भी करमा पर्व को वही धूमधाम से कर रही थी। मोहन राजमिस्त्री था और फिलहाल ससुराल में ही आजाकर रह रहे थे। घटना की खबर सुनकर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने पीड़ित परिवार से मिलकर ढ़ाढ़स बंधाया। वहीं झामुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष बिरेन्द्र राणा ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना पूरे इलाके के लिए बेहद पीड़ादायक है।

बरही पुलिस-प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च, दिया शांति और सौहार्द्र का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : ईद-ए-मिलादुन्नबी के अवसर पर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बरही पुलिस-प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीओ जेहन टुडू ने किया। इस मौके पर बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, बीडीओ जयपाल महतो, सीओ चंद्रशेखर कुणाल, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस जवान शामिल रहे। फ्लैग मार्च बरही चौक होते हुए धनबाद रोड सहित चारों मार्गों में निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस- प्रशासन ने लोगों से आपसी भाईचारे और सौहार्द्र के साथ त्योहार मनाएं और शांति बनाए रखने की अपील की। एसडीओ जेहन टुड्डू एवं एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने बताया कि फ्लैग मार्च का

उद्देश्य अपराध पर अंकुश लगाना और आम जनता में सुरक्षा का संदेश पहुंचाना है। बरही पुलिस ने विश्वास दिलाया है कि ईद-ए-मिलादुन्नबी का त्योहार पूरी शांति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। फ्लैग मार्च में काफी संख्या में पुलिस बल शामिल थे।

ईद-मिलाद-उन-नबी आज, प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

चौपारण : जश्न-ए-ईद-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस बलों ने बृहस्पतिवार को फ्लैग मार्च निकाला। यह फ्लैग मार्च चौपारण थाना परिसर से शुरू होकर महाराजगंज, चयकला सहित कई गांवों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील की और शांति एवं सौहार्द का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन हर स्तर पर चौकस है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने कहा कि जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर ड्रोन कैमरा की सहायता से निगरानी रखी जायेगी।

बिश्रामपुर में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, आधा दर्जन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र के बिश्रामपुर गांव में जमीन विवाद एवं विवादित जमीन पर बनाए जा रहे मकान को रोके जाने पर जमकर मारपीट हुई। जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद 6 लोगों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। मामले को लेकर बिश्रामपुर निवासी संजय कुमार पिता प्रसाद महतो ने बड़कागांव थाना में आवेदन दिया। और बताया की मारपीट में मेरे अलावा रीना देवी, कपासी देवी, विनोद कुमार, शिबू कुमार, लीलावती कुमारी, सूरज महतो घायल हो गए। घायलों में

कपासी देवी निखिल कुमार रीना देवी शिवकुमार महतो संजय कुमार एवं लीलावती देवी को हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। आवेदन में मारपीट करने का आरोप प्रभु महतो के अलावा रंजीत कुमार, बालेश्वर महतो, रोमांशु कुमार, अमित कुमार, उषा देवी सभी ग्राम विश्रामपुर, बैजनाथ प्रसाद, नरेश महतो को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। वहीं दूसरे पक्ष से भी तीन-चार लोग की घायल होने की बात बताई जा रही है। वे लोग भी प्रथम पक्ष के विरोध में थाना में आवेदन दिया गया हैं।

सहायक आयुक्त ने बड़कागांव के कई पर्यटक स्थलों का किया भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बृहस्पतिवार को पर्यटक स्थलों की विकास को लेकर सहायक आयुक्त आनंद शर्मा ने बड़कागांव के कई पर्यटक स्थलों का भ्रमण किया, जिनमें बुढ़वा महादेव, इस्को गुफा, बरसो पानी और मेगालिथ पॉइंट इत्यादि शामिल है। मौके पर सहायक आयुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल को इन पर्यटक स्थलों को किस प्रकार विकास किया जा सकता है, उसे आधार पर खाका तैयार करके मांगा गया है। मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, पंचायत सचिव स्वाति कुमारी, बीपीओ हीरो महतो और अरुण पासवान के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

हजारीबाग प्रेस क्लब के नव-निर्मित भवन का भव्य उद्घाटन, पत्रकारिता को मिला नया आयाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग प्रेस क्लब के नव-निर्मित भवन का आज भव्य उद्घाटन होगा। यह दिन हजारीबाग एवं आसपास के क्षेत्र के पत्रकारों के लिए किसी त्यौहार से कम नहीं है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सुबह 9:00 बजे पूजा अर्चना के साथ होगी। 11 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। दोपहर 12:30 बजे उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल फीता काटकर करेंगे। उनके साथ मंच पर हजारीबाग सदर विधायक, बरकट्ठा विधायक, बड़कागांव विधायक एवं बरही विधायक, मांडू विधायक के साथ जिले के पदाधिकारी, जीप चेयरमैन और हजारीबाग के

समाजसेवी व राजनीतिक दल के नेता उपस्थित रहेंगे। यह अवसर पत्रकारों और जनप्रतिनिधियों के बीच एक ऐतिहासिक संगम का साक्षी बनेगा। शहर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं प्रबुद्धजन इस अवसर पर शामिल होंगे। हजारीबाग जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों से 150 से अधिक पत्रकार इस समारोह में शामिल होकर इसे यादगार बनाने वाले हैं। पूरे भवन परिसर को आकर्षक साज-सज्जा से सजाया गया है। कृत्रिम फूलों और गेंदे की मालाओं से सजावट कर परिसर को उत्सव स्थल में बदल दिया गया है। हर कोई इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह एवं सचिव विस्मय अलंकार ने संयुक्त रूप से कहा कि हजारीबाग प्रेस क्लब पत्रकारों की आवाज और उनके अधिकारों का प्रतीक रहा है। नए भवन का उद्घाटन पत्रकारिता जगत में एक नया अध्याय जोड़ने जैसा है। यह भवन केवल एक संरचना नहीं बल्कि पत्रकारों के लिए संवाद, रचनात्मकता और सहयोग का केंद्र बनेगा। हजारीबाग प्रेस क्लब हमेशा से पत्रकारों के हित में कार्य करता रहा है।

एक नजर

शौच करने के दौरान तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत

बड़कागांव : करमा पूजा के विसर्जन के दिन बृहस्पतिवार को बड़कागांव कांडतरी निवासी नेतल राम (60), पिता स्व0 धोतल भुइयां का शौच करने के दौरान बुढ़वा महादेव परिसर अंतर्गत रानी तालाब में डूब जाने से मौत हो गई। डूबने की खबर कांडतरी में आग की तरह फैल गई। मामले की जानकारी मिलते ही उपप्रमुख वचनदेव कुमार ग्रामीणों के साथ तालाब पहुंचे एवं स्वयं तालाब में डूब कर नेतल राम की खोज करने लगे, इस दौरान नेतल राम को मृत अवस्था में पाया और शव को तालाब से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता को दी। थाना प्रभारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। बता दें कि नेतल राम अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और बहुएं समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। बड़कागांव उप प्रमुख वचन देव कुमार ने नेतल की मौत को लेकर प्रशासन से आपदा राहत कोष से मुआवजा की मांग की है। बच्चन देव ने बताया कि सरकार के द्वारा आपदा राहत तहत मृतक के परिजन को 4 लाख रुपया देने का प्रावधान है।

बरही में करंट लगने से चार वर्षीय सोनाली की मौत

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत मलकोको पंचायत के बेलादोहर निवासी विनोद भुइयां की 4 वर्षीय बेटी सोनाली की करंट लगने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनाली अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी क्रम में नंगे तार के चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर हो गई। परिजनों एवं स्थानीय लोगों के मदद से सोनाली को बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर अस्पताल पहुंची बरही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर अस्पताल पहुंचे, जहां पहुंचकर उन्होंने मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाकर शोक व्यक्त किया। इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो – रो कर बुरा हाल है।

हरली गांव में महिला की संदिग्ध मौत, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बड़कागांव : बड़का गांव थाना अंतर्गत हरली हरली गांव में 21 वर्षीय विवाहित महिला नेहा कुमारी की मौत हो गई। मायका के बगल के गांव बादम में था। घटना की जानकारी मिलते ही नेहा के मायके से लोग आए और स्थिति से अवगत हुए। घटना गुरुवार की अहले सुबह 5:00 की बताई जा रही है। घटना को लेकर मायके वाले लोगों ने हत्या कर देने के कयास लगा रहे हैं वहीं ससुराल पक्ष के लोगों ने इनकार किया है। बताया जाता है कि नेहा करमा पूजा करने के पश्चात 3:00 बजे तक झूमर खेली और सोने के लिए अपने घर चली गई। 5:00 बजे नेहा की मौत हो जाने की बात सामने आई । नेहा के एक लड़की एवं एक पुत्र है। करमा के दिन ही नेहा ने 7 माह के बेटे की मुंह झूठी कराई थी । घटना को लेकर बड़कागांव पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दी है। समाचार छापे जाने तक मामले को लेकर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि अभी तक किसी ने कोई आवेदन दिया नहीं है । शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के पश्चात हीं कुछ कहा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

तीन पेंशनरों के आकस्मिक निधन पर बरही में शोक सभा, दी गई श्रद्धांजलि

बरही : झारखंड राज्य पेंशनर समाज अनुमंडल शाखा बरही की ओर से पेंशनर समाज से जुड़े तीन पेंशनरों के निधन पर एक साथ शोक सभा का आयोजन प्रखंड परिसर स्थित बरही पूर्वी पंचायत भवन किया गया। जिसमें समाज के दिवंगत वरिष्ठ सदस्य एवं संरक्षक उपेंद्र प्रसाद, कार्यालय सचिव देवधारी प्रजापति एवं बद्री पांडे के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि तीनों पेंशनरों की आकस्मिक निधन से पेंशनर समाज को भारी क्षति हुई है। जिसकी भरपाई होना असंभव है सभी सदस्यों ने दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर भगवान से प्रार्थना की गई, की भगवान इन सभी की आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं अपने चरणों में स्थान दें। साथ ही साथ इनके परिवार को इस दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष राजेंद्र रुखरियार एवं संचालन सचिव तोखन प्रजापति ने किया। मौके पर राजेंद्र रुखरियार, तोखन प्रजापति, नारायण रविदास, रत्नेश्वर प्रसाद केसरी, बालेश्वर प्रसाद, राधानाथ भगत, भगवान प्रसाद, सुरेश रजक, जागेश्वर प्रसाद, सुधीर कुमार चौधरी, छत्रधारी ठाकुर, तपेश्वरी कुमारी, सुंदरी देवी, बजरंग शर्मा, अर्जुन प्रसाद, कार्तिक राना, श्रीकांत पांडे, एसके शर्मा, श्याम सुंदर प्रसाद, मुरली मनोहर प्रसाद, अब्दुल सत्तार अंसारी आदि लोग मौजूद थे।

फरिस्ता मानव सेवा संस्था के रक्तदान शिविर में 51 लोगों ने किया रक्तदान

बरही : फरिस्ता मानव सेवा संस्था की ।ओर से मदरसा अजीजिया जियाउल उलूम रसोइया धमना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजित रक्तदान शिविर में संस्था के युवा अध्यक्ष मो तौकीर रजा , पंचायत समिति सदस्य सह राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष मो तैयब अंसारी सहित 51 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था के युवा प्रदेश अध्यक्ष मो तौकीर रजा ने बताया कि हजरत मोहम्मद साहब की आमद और शिक्षक दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर लगाया गया है। विभिन्न बीमारियों, आपरेशन, थैलेसीमिया और सड़क दुघर्टना के शिकार लोगों की जान बचाने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। रक्तदान शिविर में मुखिया गोबिंद साहू, मो तैयब अंसारी, दीपक गुप्ता, हेड मोदरिश मो अख्तर, मो मकसूद, मो सरफराज आलम, फिरदौस खान, मो इम्तियाज, मो तबरेज, मो सेराज, हाफिज सरफराज अहमद, मो इलियास, गुलाम सरवर, सुनील कुमार राणा, महताब आलम, मो वाहिद, मो शमशेर, अब्दुल सत्तार, मो मोइन ने रक्तदान शिविर में सहयोग किया।

उप मुखिया एवं समाजसेवी ने डापोक पंचायत में उप-स्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मांग की

बरही : प्रखंड मुख्यालय से लगभग 30–35 किलोमीटर दूर स्थित डापोक पंचायत आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। घनी आबादी वाला यह पंचायत अब तक किसी भी सरकारी अस्पताल या उप–स्वास्थ्य केंद्र से नहीं जुड़ पाया है। आपातकालीन स्थिति में ग्रामीणों के लिए मरीजों को समय पर बरही पहुँचाना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। पंचायत के उप मुखिया बलराज यादव एवं युवा समाजसेवी उपेंद्र पांडेय ने बताया कि डापोक पंचायत में एक भी सरकारी अस्पताल नहीं है। उन्होंने कहा कि पंचायत में कम से कम एक उप–स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों को प्राथमिक स्तर पर ही इलाज मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि डापोक घनी आबादी वाला पंचायत है। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उप–केंद्र खुलने से हजारों गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने ने संबंधित अधिकारियों व प्रशासन से तत्काल पहल कर डापोक पंचायत में स्वास्थ्य उपस्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग की है।

योगेंद्र साव ने किया दिव्या रानी ऑटोमोबाइल्स इलेक्ट्रिक स्कूटी एंड बाइक शोरूम का उद्घाटन

बड़कागांव: बड़कागांव–हजारीबाग रोड स्थित आईडीबीआई बैंक के पास दिव्या रानी ऑटोमोबाइल्स इलेक्ट्रिक स्कूटी एंड बाइक शोरूम का पूर्व मंत्री योगेंद्र साव व समाजसेवी कौलेश्वर साव ने विधिवत फीता काटकर किया उद्घाटन। शोरूम के प्रोपराइटर बबलू साव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चार अलग–अलग तरह के वैरायटी ग्लाइडो नोवा 52500,ग्लाइडो जेस्ट 47500, ग्लाइडो रागा 70000, ग्लाइडो न्यू 42500 हैं। गुणवत्ता के मामले में उन्होंने बताया कि इन गाड़ियों में लिथियम बैट्री लगा हुआ है जिससे 4 से 5 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी। किसी भी तरह के गाड़ी में प्रॉब्लम हो जाने पर 24 घंटे के अंदर उन्हें सर्विस दिया जाएगा। फाइनेंस की भी सुविधा उपलब्ध है। प्रथम पांच ग्राहक को निश्चित उपहार दिया जाएगा। मौके पर पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, समाजसेवी कौलेश्वर साव, कांग्रेस विश्व सूत्री अध्यक्ष हाजी तबस्सुम, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वरनाथ चौबे,पदुम साव,फयूम अंसारी, जुल्फिकार उर्फ टिंकू, पंकज कुमार, त्रिलोकी साव,शोरूम प्रोपराइटर बबलू साव, बालो साव, सीता देवी, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कर्मा पूजा की रात सड़क हादसे में दो की मौत, तीन घायल

केरेडारी : हजारीबाग टंडवा मुख्य सड़क के केरेडारी स्थित राम जानकी मंदिर के समीप सड़क दुर्घटना में दो लोगो की मौत हो गई। वही तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना 3 सितंबर 9/10 बजे रात की है। मृत महिला कटकमसांडी के कंचनपुर निवासी शिबू कुमार महतो की 32 वर्षीय पत्नी आरती देवी है। वही युवक केरेडारी के खपिया निवासी देवशरण साव के 24 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार उर्फ गोलु कुमार है। जिसका मौत ईलाज के लिए ले जाने के क्रम में रास्ते में ही हो गई। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार मृतक आरती देवी अपनी दादी के दशकर्मा में शामिल होने मायके अपने पिता चोहन महतो के घर आई थी। और कर्मा पूजा का झूमर देख कर वापस अपने मायके आ रही थी। इसी दौरान बुलेट बाइक नम्बर जे एच 02 बी भी 0880 से कोदवे की ओर से एक ही बाइक में चार लोग सवार हो कर जा रहे थे। जिसमे दीपक कुमार उर्फ गोलू निखिल कुमार रविंद्र कुमार व संदीप कुमार सभी केरेडारी निवासी है। जाने के क्रम में केरेडारी राम जानकी मंदिर के पास करम त्यौहार के झूमर देख कर लौट रही आरती देवी व मीठी कुमारी बाइक के चपेट में ले लिया।

एक नजर

गुरूजी को भारत रत्न देने की मांग के लिए पैदल मार्च करेगा संगठन

रांची : राष्ट्रीय युवा शक्ति संगठन स्वर्गीय शिबू सोरेन (दिशोम गुरु) को भारत रत्न दिलाने की मांग को लेकर आगामी पांच सितंबर सुबह 10 बजे से गुरुजी के पैतृक गांव नेमरा (हजारीबाग रोड, बोकारो-रामगढ़ मार्ग) से पैदल मार्च शुरू होगा। यह जानकारी संगठन के कोषाध्यक्ष सावन लिंडा ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाला मार्च पांच, छह और सात सितंबर तक चलेगी। पैदल मार्च सात सितम्बर को रांची स्थित राजभवन पहुंचेगा और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यात्रा की अगुवाई राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव करेंगे। इसमें सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखंड में समाज सुधार, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे ऐतिहासिक कार्यों किया और आमजनों को सम्मान दिलाने में आवाज बुलंद करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसलिए गुरुजी को भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिए।

मां शब्द केवल चुनावी भाषण का हिस्सा नहीं : नायक

रांची : आदिवासी-मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बिहार चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से माता शब्द पर की जा रही टिप्पणी पर आपत्ति दर्ज की है। नायक ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि सत्ता और विपक्ष को समझना चाहिए कि माता का सम्मान हर भारतीय करता है। लेकिन इसे सत्ता की सीढ़ी बनाकर ओछी राजनीति करना गलत है। उन्होंने कहा कि नेताओं को आत्ममंथन कर लोकतंत्र की मर्यादा को बचाना होगा। उन्होंने कहा कि मां शब्द केवल चुनावी भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, करुणा और सम्मान का प्रतीक है। नायक ने कहा कि देश के सभी पार्टी के नेता अपनी भाषा में संयम बरतें और चुनाव में हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि राजनीतिक संवाद व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोपों में जनता के असली मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य हाशिये पर जा रहें हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में होनेवाले चुनाव प्रचार में वोट की गंदी सियासत का हथकंडा बनाकर जनता को महज बेवकूफ बनाया जा रहा है जो बेहद घृणित दोहरापन मापदंड को दर्शाता है।

सदानंद महाराज का भजन और सत्संग कार्यक्रम कल

रांची : प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में शनिवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में परमहंस डॉ संत शिरोमणि सदानंद महाराज अपनी दिव्य वाणी से भजन सत्संग प्रवचन के माध्यम से अमृत वर्षा का रसपान करायेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गुरु पूजन, गुरु महाराज से आशीर्वाद और प्रसाद का वितरण का कार्यक्रम होगा। उन्होंने सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: डीआरएमईएनजीजी आरएनसी-93-2025, दिनांक: 04.09.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/अभियांत्रिकी/दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** हटिया के हॉकी स्टेडियम में नव निर्मित विस्तारित अंश (मेन के उत्तर एवं दक्षिण तरफ) गैलरी पर शेड का विस्तार। **निविदा मूल्य:** ₹ 52,37,306.30। **जमा बयाना राशि:** ₹ 1,04,800। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 29.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। ऑनलाइन निविदा के लिए निविदादाता वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-597)

करम पर्व हमारी विशिष्ट संस्कृति, सभ्यता और जीवनशैली का प्रतीक : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन आज रांची महिला महाविद्यालय के साइंस ब्लॉक स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में आयोजित करम पूजा महोत्सव-2025 में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अखरा में स्थापित करम डाली के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना की तथा शीश नवाकर समस्त झारखण्डवासियों की सुख, समृद्धि, शांति, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि हम सब लोग इस धरती के साथ स्थापित परंपराओं एवं संस्कृति से बंधे हुए हैं। हर वर्ग समुदाय के लोग अपने-अपने रीति-रिवाज एवं संस्कृति के साथ आगे बढ़ते हैं, इसी प्रकार आज आदिवासी समाज के लोग करम पर्व के पावन अवसर पर इस आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में करम महोत्सव-2025 धूमधाम से मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हमारी बहनों ने बारिश के मौसम में भी एकत्रित होकर इस परंपरा का हर्ष और उल्लास के साथ निर्वहन किया है जो प्रकृति के साथ हमारे साहचर्य का उदाहरण है। बारिश, तूफान या गर्मी किसी भी प्रकार का मौसम हो हर हाल में हमारी बहनों ने करम महोत्सव को प्रत्येक बार संपन्न कराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करम पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और जीवनशैली का प्रतीक है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट संबंध, सामाजिक समरसता तथा प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हम सभी की यह कामना है कि हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार हमें करम पर्व जैसे महत्वपूर्ण सामूहिक उल्लास के अवसरों को आगे बढ़ाने का दायित्व सौंपा है, हमारी पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी भी इस समृद्ध परंपरा को श्रद्धा और सद्भाव के साथ आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी यह समृद्ध परंपरा और संस्कृति और ज्यादा मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे ये हम सभी की जिम्मेवारी है। मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से समस्त राज्यवासियों को करम महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, मंत्री झारखंड सरकार शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जीएसटी पर आठ वर्षों पर खुली केंद्र सरकार की आंखें : कांग्रेस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि देश में सरकार एनडीए की है, लेकिन सिस्टम कांग्रेस का चल रहा है। दूध, दही, पेंसिल किताबों, कृषि उपकरण, जीवन रक्षक दवाओं, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी लगाकर कमाई करने वाली सरकार की आंखें आठ वर्षों बाद खुली तब उसे आम आदमी की तकलीफ दिखाई पड़ी। जीएसटी स्लैब में कमी किए जाने की घोषणा पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मोदी सरकार की जीएसटी नीति का नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2016 में ही विरोध किया था। केंद्र की जीएसटी नीति का कांग्रेस मुखर विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से आम उपभोक्ता, किसान और छात्रों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का पूरा विश्लेषण सरकार के समक्ष रखा था, लेकिन केंद्र सरकार ने लोगों की परेशानियों को दरकिनार कर औद्योगिक समूहों को लाभ पहुंचाने की नीयत से बेतुका स्लैब जारी रखा गया। उन्होंने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने दो प्रमुख नीतियों जातीगत जनगणना और जीएसटी स्लैब में संशोधन का निर्णय लेकर बता दिया कि कांग्रेस की नीतियां जनहित की रही है।

पर्व त्योहारों की तैयारी के लिए रांची नगर निगम ने कसा कमर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार ने दुर्गा पूजा दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व को देखते हुए पदाधिकारी के साथ बैठक। उक्त बैठक में अपर उपायुक्त ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया है कि रोड पर कहीं भी कचरा या कोई अपशिष्ट नहीं रहे साथ ही जितनी भी वाटर बॉडी है सबको साफ करते हुए कहीं भी वाटर फ्लो ना हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना होगा। साथ ही बिजली विभाग को भी सुरक्षा और बिजली सप्लाई बेहतर तरीके से सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि अतिक्रमण मुक्ति का अभियान चलता रहेगा और साथ ही अतिक्रमण के कारण आम जनों को असुविधा न हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। श्रद्धालुओं और पूजा समितियों की सुविधा के लिए एक क्विक रिस्पांस टीम का भी गठन किया जाएगा जो उनकी सुविधा के लिए सदैव तत्पर रहेगा और उसका एक हेल्पलाइन नंबर जो की 1800-570-1235 है। इस नंबर को भी ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच प्रचारित प्रसारित किया जाए ताकि आमजन इसका लाभ उठा सकें। इसे अमली जामा पहनाने के लिए निगरानी समिति का गठन किया गया जिसमें प्रत्येक वार्ड में सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक, सेनेटरी सुपरवाइजर, जोनल एवं वार्ड सुपरवाइजर ग्राउंड रिपोर्ट तैयार कर निगम को उपलब्ध कराएंगे और दुर्गा उत्सव के पूर्व सभी तैयारी सुनिश्चित करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू, सभी अभियंता गण, सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक और नगर अभियान प्रबंधक उपस्थित थे।

छुआछूत की भावना को दूर कर देश बनेगा समृद्ध और सशक्त : नीरज हिरोड़िया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वन बंधु परिषद की राष्ट्रीय महिला समिति की वार्षिक बैठक के अंतिम दिन गुरुवार को केंद्रीय सहमंत्री नीरज हिरोड़िया ने समाज में छुआछूत को खत्म करने और सनातन संस्कारों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। जयश्री गोयल के स्वागत नृत्य और राष्ट्रीय अध्यक्ष विनिता जाजू के उद्बोधन के साथ सत्र शुरू हुआ। हिरोड़िया ने महिला समिति को एकजुट होकर कार्य करने की सलाह दी। साथ ही हमें समाज में एक समान रहकर कार्य करने और परिवार एवं पर्यावरण की सुरक्षा की ओर आगे आकर कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज में छुआ-छूत की भावना को दूर करते हुए कार्य करने की जरूरत है' इससे हमारा देश समृद्ध और सशक्त बनेगा। इसके अलावा हिरोड़िया ने प्राचीन इतिहास से लेकर आज तक की परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गुरुकुल योजना की ओर से शहरी बच्चों में सनातन संस्कारों को विकसित करने की पहल पर जोर दिया। समितियों की रिपोर्टिंग के साथ संस्था के विभिन्न आयामों पर अलग अलग समिति सदस्यों ने विचार व्यक्त किया। सभी समिति को प्रशिक्षण भी दिया गया कि किस तरह काम करना है और समाज को एक साथ लेकर चलना है। बैठक में अन्य राज्यों की उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव रेनू कनोडिया ने किया।

राज्य चलाने की क्षमता नहीं तो गद्दी छोड़ दें सरकार : राधामोहन अग्रवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ. राधामोहन अग्रवाल ने राज्य की हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां 50 हजार करोड़ का घाटा सहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता को अपने वादों के अनुरूप जीएसटी दरों में भारी कटौती कर राहत दिया है, वहीं हेमंत सरकार अपने दो हजार करोड़ का घाटा का रोना रोते हुए विरोध दर्ज कर रही है। अग्रवाल गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने तो कभी पैसे की कमी का रोना नहीं रोया। आज दुनिया का औसत विकास दर मात्र तीन प्रतिशत है तो भारत का विकास दर पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बजट में 12 लाख तक की आय पर टैक्स जीरो कर दिया है, जिससे भारत सरकार को तीन लाख करोड़ रुपये की आय घटी और अब जीएसटी में स्लैब घटाया तो 50 हजार करोड़ रुपये का घाटा होगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन में राज्य चलाने की क्षमता नहीं है तो गद्दी छोड़ दें। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के हित के लिए बनती है। और यहां तो हेमंत सरकार के बयानों से लगता है कि यह सरकार जनता का हित नहीं देखना चाहती। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को तो जनता की भलाई के लिए, उठाए कदम का स्वागत करना चाहिए था, लेकिन अपनी सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नाकामियों को छिपाने के लिए राज्य सरकार पैसे का रोना रोती है।

सूर्या हांसदा मुठभेड़ मामला : परिजनों ने झारखंड हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में मारे गए सूर्या हांसदा के परिजनों ने झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की है। सूर्या की पत्नी सुशीला मुर्मू और मां नीलमुनी मुर्मू ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी, गोड्डा और देवघर एसपी को याचिका में पक्षकार बनाया। याचिका अधिवक्ता कुमार हर्ष के माध्यम से दायर की गई। याचिका में दावा किया गया है कि गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस मुठभेड़ में सूर्या हांसदा मारा गया। मुठभेड़ बोआरीजोर थाना क्षेत्र स्थित ललमटिया धमनी पहाड़ में हुई थी। उसकी गिरफ्तारी 10 अगस्त की शाम ही हुई थी। अगले दिन पुलिस सूर्या हांसदा की निशानदेही पर ललमटिया जंगल में छुपाए गए हथियार को बरामद करने गई थी। इसी दौरान वह पुलिस का हथियार छीनकर भागने लगा। तभी पुलिस ने उस पर गोली चलाई, जिससे उसकी मौत हो गई। सूर्या हांसदा की मां नीलमुनी मुर्मू ने बताया कि घटना से पहले देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव से उनके बेटे सूर्या को गिरफ्तार किया गया था। उल्लेखनीय है कि सूर्या हांसदा भाजपा सहित अन्य दलों से चार बार विधानसभा चुनाव लड़ चुका था। हालांकि उसे किसी भी चुनाव में जीत नहीं मिली। सूर्या हांसदा का कई राजनीतिक दलों से संबंध रहा है। वह बोरियो विधानसभा से चार बार चुनाव लड़ चुका था। दूसरी बार 2014 में वो झाविमो से चुनाव लड़ा था। तीसरी बार 2019 में भाजपा ने उसे टिकट दिया था। इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहा था। वहीं 2024 में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर उसने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उसने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) पार्टी से चुनाव लड़ा, लेकिन वह किसी भी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पाया था।

संक्षिप्त खबरें

जल्द जारी होंगे 15वें वित्त आयोग के अनुदान

रांची : ग्रामीण विकास मंत्री, झारखंड सरकार, दीपिका पांडे सिंह से आज नई दिल्ली में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के सचिव की मुलाकात हुई। बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग के अनुदान को शीघ्र स्वीकृत करने पर बल दिया गया। दीपिका पांडे सिंह ने स्पष्ट किया कि झारखंड सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता ग्राम पंचायतों को सशक्त कर ग्रामीण विकास को नई दिशा देना है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि 15वें वित्त आयोग की अगली किस्त शीघ्र जारी की जाए, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे गाँव–गाँव तक पहुँच सके। उन्होंने कहा कि अनुदान जारी होने से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आधारभूत संरचनाएँ मजबूत होंगी। इस पर पंचायती राज मंत्रालय के सचिव ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया बैठक के दौरान आरजीएसए के अंतर्गत अतिरिक्त फंड सहायता, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 प्रशिक्षण, सैटेलाइट आधारित दूरस्थ शिक्षा सुविधा, ग्राम पंचायतों का सोलराइजेशन तथा यूनिफाइड पंचायत डिजिटलाइजेशन से संबंधित प्रस्ताव भी रखे गए। इस अवसर पर उनके साथ विभागीय सचिव मनोज कुमार (आईएएस), निदेशक (पंचायती राज, झारखंड) राजेश्वरी बी. तथा भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के विपुल उज्जवल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा पूजा और रावण दहन समिति इस बार किताबों की थीम पर बन रहा पंडाल

रांची : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर जोर शोर से तैयारी चल रही है। शहर के अलग -अलग स्थानों में एक से बढ़कर एक पंडाल का निर्माण हो रहा है। इसी क्रम में श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति अरगोड़ा इस साल 21 हजार काल्पनिक किताबों से पंडाल का निर्माण कर रही है। करीब 35 लाख की लागत से भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। पंडाल के ठीक सामने गुरुकुल के साधु एक पेड़ के नीचे पुस्तक लेकर बैठे नजर आएंगे। उनके चारों ओर हिरणों का झुंड रहेगा, जो आकर्षण का केंद्र रहेगा। पंडाल परिसर में किताब का स्टॉल लगाया जाएगा, जिसमें धार्मिक और जनरल नॉलेज की किताबें होंगी। पंडाल के अगल-बगल 15-15 फीट ऊंची किताबों से दीवारें बनाई जा रही हैं। सभी काल्पनिक किताबों पर संस्कृत में लिखा हुआ दिखेगा। आकर्षक लाइटिंग होगी। मूर्तिकार जगदीश पाल 15 फीट की ऊंची माता की प्रतिमा तैयार कर रहे हैं। समिति की ओर से रावण दहन सह आकर्षक आतिशबाजी का कार्यक्रम दशमी के दिन अरगोड़ा मंडा मैदान में किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार साहू ने गुरुवार को कहा कि आज कल सभी बच्चे किताबों की जगह लैपटॉप और मोबाइल से पढ़ते हैं। इस थीम का उद्देश्य है कि लोगों में किताबों के प्रति रुचि बढ़े। उन्होंने बताया कि लाइटिंग में 7 लाख, पंडाल निर्माण में 25 लाख, प्रतिमा में 1.5 लाख और पूजन एवं अन्य में ढाई लाख कुल 35 लाख रुपये खर्च होगा। आयोजन को सफल बनाने में राजेश साहू, भोला राम, अजित साहू मुनेश्वर साहू, कंचन साहू, रवि साहू, पवन साहू सहित अन्य योगदान दे रहे हैं।

शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट : फाइनल में बुढ़मू और उड़ीसा आमने-सामने

रांची : शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में शुक्रवार को दीपक ब्रदर्स बुढ़मू और बांडा मुंडा उड़ीसा के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मैच दिन के 12 बजे खेला जाएगा। वहीं चार सितंबर को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट के पांचवें दिन का पहला सेमीफाइनल मैच दीपक ब्रदर्स बुढ़मू और वेस्टर्न डायमंड एफसी जामताड़ा के बीच खेला गया। खेल के पहले हाफ में बुढ़मू की टीम 7वें मिनट में मीका के बेहतरीन गोल से 1-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में बुढ़मू के ही मीका और इजराइल ने 2-2 गोल की बदौलत 5 गोल से आगे हो गई। जामताड़ा की ओर से रोहित तिग्गा ने एक मात्र गोल किया। इस तरह बुढ़मू की टीम जामताड़ा को 5-1 से हराकर फाइनल में पहुंचनेवाली पहली टीम बन गई। इससे पहले मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि सौंस-चान्हो के समाजसेवी शाबीर खान, विशिष्ट अतिथि रांची रेफरी एसोसिएसन के हेड फरीद खान, राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी संतोष उरांव, संत जॉन स्कूल रांची के हेड कोच जोसेफ तिग्गा, आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी लखो उरांव सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। वहीं गुरुवार को दूसरा सेमीफाइनल द रॉयल स्टार क्लब कानीजाड़ी और अमित ब्रदर्स बांडा मुंडा उड़ीसा के बीच खेला गया। मैच के पहले हाफ में बांदा मुंडा उड़ीसा की ओर से टिकलो ने 8वें और 17वें मिनट में दो बेहतरीन गोल कर मध्यांतर के पहले हाफ तक 2-0 गोल से बढ़त दिला दी। फिर एकमात्र गोल कानीजाड़ी की ओर से छोटेलाल ने दूसरे हाफ के 25वें मिनट में किया। बराबरी करने में कानीजाड़ी की टीम असफल रही और उड़ीसा की टीम 2-1 गोल से जीतकर फाइनल में पहुंचनेवाली दूसरी टीम बन गई। बुढ़मू के मीका व इसराइल को संयुक्तरूप से और बांदा मुंडा उड़ीसा के टिकलो को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच के सफल संचालन में खेल प्रभारी फांसिस जेवियर खलखो, अध्यक्ष मो. साकिब, मैच के स्कोरर रंजीत खलखो, विनोद खलखो, लखो उरांव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री हरीन्द्रानन्द जी की तृतीय पुण्यतिथि पर हजारों श्रद्धालुओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची : शिव शिष्यता के जनक और इस कालखण्ड के प्रथम शिव शिष्य साहब श्री हरीन्द्रानन्द जी की तृतीय पुण्य तिथि गुरुवार 04 सितम्बर 2025 को शिव शिष्यों द्वारा पुण्य स्मृति दिवस के रूप में मनाई गई। गुरुवार को पुराना विधानसभा हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति का साक्षी बना। अपने जीवन काल में साहब हरीन्द्रानन्द जी ने जनमानस को शिव के गुरु स्वरूप से जोड़ने के लिए सन 1975 ई से लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने लोगों को बताया कि शिव गुरु हैं। इस धरती का एक एक मानव चाहे वह किस जाति,धर्म का हो शिव को अपना गुरु बना सकता है इस धरती का हर मानव शिव शिष्य होने की पात्रता धारित करता है। जैसे चंदा मामा सबके मामा हैं वैसे ही शिव घर घर के बाबा हैं। भगवान शिव से हम सभी संतान, पैसा, परिवार, प्रसिद्धि, ऐश्वर्य मांगते हैं, उनसे ज्ञान कोई नहीं मांगता। वह पंचानन, सदाशिव, दक्षिणामूर्ति विश्व गुरु हैं, उन्हें जगत गुरु कहा गया है। हमारे शास्त्र अटे पड़े हैं शिव के गुरु स्वरूप की महिमा से। भारत के विभिन्न राज्यों से आए लोगों ने वरेण्य गुरुभ्राता के तृतीय पुण्य स्मृति दिवस में भाग लिया। विभिन्न राज्यों सहित नेपाल, आदि अन्य देशों से कई लोग आए। विदित हो कि हृदय संबंधी रोग की वजह से 04 सितम्बर 2022 को साहब हरीन्द्रानन्द जी शिवलीन हुए।

एक नजर

फेरो स्क्रेप का बोनस का निर्णय भिलाई मे हुआः बि के चौधरी

बोकारो : फेरो स्क्रेप प्राईबेट लिमिटेड के 13 यूनिटो मे काम कर रहे लगभग 239 स्थायी कर्मचारीयों को दूर्गा पूजा से पूर्व मिलने बाले बोनस पर आज फेरो मुख्यालय भिलाई मे लम्बी बार्ता जापान के कोनाईके ग्रुप के अध्यक्ष तोशी हिरो फूजी बारा के अध्यक्षता मे बैठक हुई ।बैठक मे 13 यूनिटों के युनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे। जवकि बोकारो युनिट से जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने हिस्सा लिया। बार्ता मे पिछले बर्ष मिले 21000/= के तुलना मे इस बार 2000/= ज्यादा यानी 23000/= पर समझोता हुआ। बार्ता मे मुख्य रूप से प्रबंधन की ओर से मुख्य महाप्रबंधक, एच आर एवं विधि पंकज त्यागी ,बोकारो युनिट प्रमुख साहेव सिंह के साथ फेरो के बित बिभाग महाप्रबंधक सुमित राय, आपरेशन महाप्रबंधक एस के पोलू के साथ साथ सभी 13 यूनिट के प्रमुखों ने भाग लिया। महामंत्री बि के चौधरी के साथ संयुक्त महामंत्री एन के सिंह फेरो के युनियन अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, संगठन मंत्री सुभाष चंद्र बाउरी भी उपस्थित रहे।

केराली स्प्रिंगडेल स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया

बोकारो : सेक्टर-4 स्थित केराली स्प्रिंगडेल स्कूल में आज शिक्षक दिवस का आयोजन विशेष उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम श्री राधाकृष्णजी के स्मरण से हुई। इसके उपरांत विद्यालय की प्रिंसिपल मैडम रोमा मिश्रा ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी शिक्षकों का सम्मान किया। इस अवसर पर मारुति एरिना हिंदुस्तान ऑटो एजेंसी की ओर से विशेष सहयोग रहा। शोरूम की टीम की ओर से टीम लीडर श्री मनीष कुमार, सेल्स मेंबर श्री नीरज जी, श्री आलोक जी तथा श्री मनपुरण जी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने शिक्षकों के योगदान को समाज की सबसे बड़ी पूंजी बताया और बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। स्कूल परिसर में पूरे दिन उत्साहपूर्ण माहौल रहा।

अपहरण और दुष्कर्म का मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम: झारखंड पुलिस ने गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर ओपी क्षेत्र में दो किशोरी का अपहरण और दुष्कर्म के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार शाम जेंजड़े बाजार से दोनों आरोपित नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर बाइक से चिसीसाई ले गए। वहां उन्होंने पीड़िताओं को दो दिनों तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। किशोरियों ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उनके पिता ने तांतनगर ओपी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और चिमीसाई तांतनगर निवासी 20 वर्षीय मंगल सिंह सिरका और 29 वर्षीय चंद्रमोहन सिरका को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने पीड़िताओं को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा है। तांतनगर ओपी प्रभारी पीयूष नाग ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ की जीत, 22 तक सभी मांगों पर करें नीति निर्धारण : राजेंद्र सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन, ब्लास्ट फर्नेस तथा ट्रैफिक विभाग में दिनांक 05 सितम्बर 2025 को क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ सम्बद्ध हिन्द मजदूर सभा द्वारा आहुत पूर्ण हड़ताल पर माननीय सहायक श्रमायुक्त के समक्ष त्रिपक्षीय वार्ता तथा मजदूरो के लम्बित मांगो पर सेल/ बोकारो प्रबंधन को माननीय सहायक श्रमायुक्त के बिन्दुवार दिशानिर्देश की जानकारी हेतु युनियन के प्रधान कार्यालय में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। बताते चलें कि हड़ताल पर संज्ञान लेते हुये माननीय सहायक श्रमायुक्त ने 03 सितम्बर को अपने धनबाद कार्यालय पर बोकारो प्रबंधन तथा युनियन प्रतिनिधियो की बैठक बुलाई थी।बैठक में प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक कोक-ओवन के.एन.झा, महाप्रबंधक यातायात विभाग राजेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक ब्लास्ट फर्नेस शशिकांत, महाप्रबंधक औद्योगिक संबंध प्रभाकर के साथ मानव संसाधन विभाग के उज्जवल कुमार, अभिषेक तथा मनोरंजनी मौजूद थे वहीं संघ के महामन्त्री राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में युनियन की ओर से सुभाष चंद्र कुंभकार, शशिभूषण, अम्बेदकर, मो इरफान, संतोष कुमार, जुम्मन खान, नागेंद्र सिन्हा,आनंद कुमार, हरेराम,मो सिराज,अमित यादव, नितेश कुमार मौजूद थे। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुये संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह ने कहा कि माननीय सहायक श्रमायुक्त ने लगातार चली साढ़े छः घन्टे की मैराथन बैठक में प्रबंधन को जमकर लताड़ लगाते हुये बिन्दुवार सभी मांगों पर बिल्कुल स्पष्ट निर्णय दिया। इन्सेंटिव रिवॉर्ड स्कीम पर प्रबंधन का पक्ष रखते हुये महाप्रबंधक औद्योगिक संबंध ने कहा कि कमिटी का गठन हो चुका है,हम शीघ्र हीं इन्सेंटिव रिवॉर्ड स्कीम की खामियो को दूर कर नये स्कीम को लागू करेंगे। युनियन की ओर से महामन्त्री ने पक्ष रखते हुये कहा कि इनके पास कोई कमिटी नहीं है ना हीं ये इस पर गंभीर हैं। माननीय सहायक श्रमायुक्त ने प्रबंधन को कडे शब्दो में साफ निर्देश देते हुये कहा कि टाल मटोल की नीति यहाँ नहीं चलेगी। 22 सितम्बर तक का समय आपको दिया जा रहा है आप स्पष्ट करें कमिटी में कौन-कौन सदस्य हैं और स्कीम के पुनर्गठन की दिशा में कमिटी की वास्तविक रिपोर्ट क्या है।

बोकारो में धूमधाम से मनाया गया अभिकर्ता दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-4 स्थित सिटी सेंटर ब्रांच-1 में बुधवार को अभिकर्ता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अभिकताओं समेत विकास अधिकारी तथा शाखा के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रांच मैनेजर राज किशोर तिवारी रहे। उनके साथ ही शाखा प्रबंधक अमित कुमार ठाकुर तथा क्लास-1 के रवि रंजन जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभिकर्ता दिवस के मौके पर जीवन बीमा क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में हाल ही में केंद्रीय सरकार द्वारा घोषित जीवन बीमा पर जीएसटी दर को शून्य प्रतिशत किए जाने की जानकारी भी साझा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस निर्णय से बीमा उद्योग को नई गति मिलेगी और आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिकर्ता व अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें नरेंद्र कुमार, प्रणव कुमार, रमेश कुमार, रंजन कुमार, पी.एम. सिंह, हेमंत लाल महतो, अभिमन्यु प्रसाद वर्मा, राजेश कुमार, विनय कुमार और भूषण कुमार सहित कई अन्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर बीमा उद्योग को आगे बढ़ाने और ग्राहकों के बीच जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कक्षा नर्सरी से दो तक के नन्हें-मुन्नों ने बिखेरी रंगतडी० ए० वी० पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी में मंगलवार को ई० ई० डी० पी० ग्रुप द्वारा शिक्षक दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। यह दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं अद्वितीय शिक्षक डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने हेतु प्रत्येक वर्ष समर्पित किया जाता है। समारोह की शुरूआत विद्यालय के प्रांगण में आदरणीय प्राचार्य एवं ए० आर० ओ० जोन-के श्री एस० के० मिश्रा के स्वागत से हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं नन्हें विद्यार्थियों ने डॉ० राधाकृष्णन के आदर्शों को याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। बच्चों के मासूम चेहरों पर झलकता उल्लास वातावरण को और भी जीवंत बना रहा था। नन्हें कलाकारों ने मंच पर विविध प्रस्तुतियाँ देकर सबका मन जीत लिया। लयबद्ध नृत्य ने उत्साह का संचार किया, सुमधुर समूह गान ने वातावरण में मधुरता घोल दी और ओजस्वी भाषणों ने शिक्षक दिवस के महत्व को उजागर किया।

प्रत्येक कक्षा से एक छात्रा ने अपनी अध्यापिका का अभिनय कर सबको भावविभोर कर दिया। वहीं कक्षा दो/ब के मास्टर आरव कुमार ने प्राचार्य का किरदार इतनी सहजता से निभाया कि सभी दंग रह गए। अपने प्रेरक संबोधन में प्राचार्य एवं ए० आर० ओ० श्री एस० के० मिश्रा ने कहा - शिक्षक ही बच्चों के जीवन में वह दीपक हैं जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर उनके भविष्य को संवारते हैं। आज के ये नन्हें पौधे ही कल समाज के कल्याण हेतु वटवृक्ष बनेंगे। उन्होंने सभी शिक्षकों को उनके निःस्वार्थ समर्पण और अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही अभिभावकों की भूमिका की भी सराहना की, जो विद्यालय के साथ मिलकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम योगदान दे रहे हैं।

आठवां दिन जैन धर्मावलंबियों ने "उत्तम त्याग धर्म" के रूप में मनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया/कोडरमा : बुधवार जैन धर्म का पर्वाधिराज दसलक्षण पर्यूषण का आठवां दिन जैन धर्मावलंबियों नेर उत्तम त्याग धर्मर के रूप में मनाया जिले में धर्म और ज्ञान की गंगा बहा रहे डॉक्टर निर्मला दीदी ने भक्तजनों को कहा कि आज उत्तम त्याग धर्म का दिन दान और विसर्जन का दिन है ,व्यक्ति जीवन भर बाहरी पदार्थों धन वैभव को अर्जन करता है परंतु जब तक बुद्धि और विवेक पूर्वक उसका विसर्जन नहीं हो जीवन का कल्याण नहीं हो सकता, त्याग जरूरी है स्वस्थ जीवन को जीने के लिए जैन धर्म में त्याग की आवश्यकता है पूरे विश्व को स्वस्थ बनाना है तो जैन दर्शन को समझ कर उसे अपनाना आवश्यक है जैन दर्शन त्याग पर ही टिका हुआ है त्याग से ही हमारे देश की पहचान है जीवन को पूज्य बनाने वाला कोई धर्म है वह त्याग धर्म है त्याग के द्वारा ही व्यक्ति ऊंचाइयों को प्राप्त करता है जो जीवन में जितना त्याग करता है वह जीवन में उतनी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करता है ,जीवन में श्रेष्ठ व्यक्ति और महापुरुष बनने के लिए त्याग आवश्यक है, जो अधिक जमा किया है उसका विसर्जन जरूरी है नहीं तो जीवन में ग्रहण लग जाता है बुद्धि और विवेक पूर्वक विसर्जन से कष्ट नहीं होता है स्वस्थ जीवन को जीना है तो जैन दर्शन के त्याग धर्म को समझना जरूरी है जैन धर्म प्रकृति का धर्म है जहां त्याग ही त्याग है यहां देने की संस्कृति है जैन दर्शन में धनपति का सम्मान नहीं उसके त्याग का सम्मान होता है, दान करने वाले सम्माननीय होते हैं परंतु त्याग करने वाले पूजनीय होते हैं दान करने से कभी भी घटता नहीं है जीवन से बुराइयों को विकृति और विकारों को हटाना ही त्याग धर्म है प्रातःदीदी के मुखारविंद से नया मंदिर जी में महा शांति धारा का पाठ किया गया।

डीएवी कोडरमा में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डीएवी कोडरमा में प्रातःकालीन सभा में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों द्वारा डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके उपरांत अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्नेहा एवं समूह ने अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद नृत्यह्व प्रस्तुत किया। वंशिका और समूह ने गुरु वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उत्कर्ष और अर्नव समूह ने वी लव यू टीचर गीत प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। शिक्षक दिवस के अवसर पर ज्ञानवर्धन हेतु प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसका संचालन कक्षा ग्यारहवीं के छात्र अरुणेश रंजन ने किया। इसी क्रम में शौर्य प्रताप सिंह ने गुरु के महत्व और उनके ज्ञान की महिमा पर प्रभावशाली भाषण दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने छात्रों को शिक्षक दिवस का महत्व बताते हुए कहा कि-शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि बच्चों का भविष्य गढ़ते हैं। वे उन्हें नैतिक मूल्यों से युक्त, जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं तथा आलोचनात्मक सोच विकसित करते हैं। शिक्षक छात्रों को सही दिशा दिखाते हैं, आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं।

श्रीमद भागवत कथा के समापन दिवस पर सुनाई गई श्रीकृष्ण-सुदामा की अलौकिक मित्रता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : नगर में सात दिनों से चल रही श्रीमद भागवत कथा ज्ञान का समापन को भक्तिमय वातावरण में हुआ। अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और पूरा पंडाल कन्हैया-कन्हैया के जयघोष से गूंज उठा। समापन दिवस की कथा का शुभारंभ यजमान अनुप जोशी एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम जोशी द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया गया। तत्पश्चात कथा व्यास आचार्य रामकरण सहल ने सातवें दिन के विशेष प्रसंगों का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मां देवकी की इच्छा पूरी करने हेतु श्रीकृष्ण द्वारा उनके छह पुत्रों को पुनः लौटाना, सुभद्रा हरण की कथा और अंत में सुदामा चरित्र का वर्णन, सात दिवसीय कथा का सार और संदेश प्रस्तुत करता है। सुदामा चरित्र का वर्णन आचार्य रामकरण सहल ने कहा कि सुदामा चरित्र यह दशार्ता है कि सच्ची मित्रता जाति, धर्म, धन-दौलत और प्रतिष्ठा से परे होती है। सुदामा जब अपनी पत्नी के आग्रह पर श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका पहुंचे तो द्वारपालों ने उन्हें भिक्षुक समझकर रोक दिया। लेकिन जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण ने अपने सखा का नाम सुना, वे ह्लसुदामा-सुदामाह्व कहते हुए दौड़े चले आए। इस दौरान श्री अग्रसेन भवन में श्रीकृष्ण सुदामा की मित्रता पर आधारित भजन सुनते ही दौड़े चले आए द्वारिका धीस लगाया गले से सुदामा को मोहन से गुंजायमान हो उठा और इसके माध्यम से बताया कि आज कि मित्रता स्वार्थ कि मित्रता हो गई है। भगवान ने अपने प्रिय मित्र को गले लगाकर स्वागत किया और महल में ले जाकर उनका सत्कार किया। यह दृश्य इतना भावुक था कि कथा सुनने वाले श्रोता भाव-विभोर हो गए। कृष्ण-सुदामा की झांकी पर फूलों की वर्षा की गई। संदेश और महत्ता आचार्य रामकरण सहल ने प्रवचन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने आचरण से यह सिखाया कि सच्ची मित्रता का आधार केवल प्रेम और विश्वास है। समाज में यही भावनाएं रिश्तों को मजबूती प्रदान करती हैं। कथा समापन पर भक्तों ने भजन-कीर्तन किया और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सात दिवसीय कथा के दौरान नगर का वातावरण आध्यात्मिक बना रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर धर्म और भक्ति की गंगा में डुबकी लगाई। भागवत कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालु भक्त टुन्नु गोप, पूर्व डीआरएम धनबाद कमल किशोर अग्रवाल, पायल पंकज जोशी, आदि सैकड़ो श्रद्धालु भक्त शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

मैगजीन हाउस में गार्ड की हत्या, चालक पर लगा आरोप

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा गांव स्थित एक मैगजीन हाउस में गार्ड का काम करने वाले कैला दास उम्र 65वर्ष की हत्या कर दी गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मैगजीन हाउस की वैन को क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार कैला दास कर्मा पुजा मानाने के बाद रात में मैगजीन हाउस में ड्यूटी पर चले गये थे। रात करीब 10बजे मैगजीन हाउस का चालक श्याम कुमार वहाँ पंहुचा। उसने कैला दास को कई बार आवाज लगाई जब कोई आवाज नही आया तो उसने कैला दास का मोबाइल पर फोन किया लेकिन फोन कैला दास अपने घर पर ही छोड़ दिया था तो फोन उसकी बहु ललिता देवी ने उठाया। श्याम ने गुस्से मे गाली-गलौज करते हुए कहा की इतनी देर से आवाज दे रहा हूँ,लेकिन गेट क्यों नही खोल रहे है। ज्यादा रात होने और मैगजीन दूर होने के कारण परिवार वाले वहाँ नही गये। सुबह होने के बाद जब कैला दास का बेटा मैगजीन हाउस पहुंचा तो देखा की उनके पिता की मौत हो चुकी है। परिवार का आरोप है श्याम कुमार गुस्से में आकर कैला दास की हत्या कर दी। वही घटना की सुचना मिलते ही नवलशाही थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेते हुए मामले की छानबीन मे जुट गए हैं। शव को देखने से साफ प्रतीत होता है कि वृद्ध की ईट से कुच कर हत्या की गई है । वही विस्फोटक वैन का चालक वैन लेकर फरार है। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों के द्वारा फिलहाल आवेदन नही दिया गया है। हालांकि परिजन वहां काम करने वाले चालक के ऊपर हत्या का आरोप लगा रहे है । चालक का फोन का स्विच ऑफ है। उसकी खोजबीन की जा रही है। चालक की गिरफ्तारी होने पर ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

बोकारो में 8-9 नवंबर को होगा विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन

बोकारो: इस्पातनगरी बोकारो में एक बार फिर से मिथिलांचल की भव्य छटा उतरने जा रही है। शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से आगामी 8-9 नवंबर 2025 को विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एक बार फिर यहां मिथिलांचल की अनुपम छटा उतरी रहेगी। गीत-संगीत और नृत्य के साथ-साथ नाट्य-मंचन के जरिए मिथिला की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को जीवंत रूप में शहरवासी अनुभव कर सकेंगे। यह निर्णय सर्वसम्मति से बुधवार देर शाम परिषद-संचालित सेक्टर-4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में आयोजित परिषद कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। इसकी अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी ने की तथा संचालन परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने किया। उक्त समारोह में बोकारो में मिथिला-मैथिली की संस्कृति के पुनरुत्थान में अपना योगदान देने वाले विभूतियों, समाजसेवियों तथा संस्था और समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इसके अलावा, आगामी 06 अक्टूबर को कोजागरा महोत्सव और सामा चकेवा सहित मिथिला के अन्य पारंपरिक उत्सवों को भव्यता के साथ आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान परिषद की ओर से संस्था के पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक व वरिष्ठ रंगकर्मी श्रवण कुमार झा को उनकी सेवानिवृत्ति पर सम्मानित किया गया। श्री झा झारखंड सरकार के पुपुनकी मध्य विद्यालय में प्रभारी प्रधानाचार्य के रूप में पदस्थापित थे। परिषद के पदाधिकारियों ने उनके उज्वल अवकाश-प्राप्त जीवन की शुभकामनाएं दीं। बैठक में राजेंद्र कुमार, कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, मिहिर कुमार झा, मिहिर मोहन ठाकुर, गोविंद कुमार झा, अरविंद कुमार मिश्रा, आनंद नारायण मिश्र, गणेश झा, विजय कुमार मिश्र अंजू, अविनाश कुमार झा, शंभू झा, अरुण कुमार पाठक, इंद्र कुमार झा, सुशील कुमार झा आदि उपस्थित रहे।

बीएसएल में एससी-एसटी कर्मचारियो की पोस्टिंग में विषमता दूर किया जाये

बोकारो: सेल एससी - एसटी इम्प्लाइज फेडरेशन बोकारो यूनिट का प्रतिनिधिमंडल शम्भु कुमार, बोकारो यूनिट अध्यक्ष सह सदस्य केन्द्रीय कमिटी के नेतृत्व में बीएसएल के भावी डायरेक्टर इंचार्ज व वर्तमान अधिशासी निदेशक संकार्य प्रिय रंजन से मुलाकात किया एवं बीएसएल में कार्यभार संभालने पर स्वागत किया और नई पारी की शुरूआत करने की शुभकामनाए दी। शम्भु कुमार ने अधिशासी निदेशक से कहा कि फेडरेशन सामाजिक संगठन है एवं कर्मचारी व प्लांट हित में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। फेडरेशन का काम ही कल्याणकारी योजनो को धरातल पर उतरना है और चूंकि फेडरेशन के सदस्य सेल कर्मचारी हैं इसलिए बीएसएल के द्वारा किए जा रहे सीएसआर कार्यो में सहयोग करने के लिए इच्छुक है। उन्होने अधिशासी निदेशक को अवगत कराया कि बीएसएल में एससी और एसटी कर्मचारियो की पोस्टिंग उनके अनुपात में नहीं है। हॉट जॉन में ज्यादातर पोस्टिंग एससी और एसटी कर्मचारियो का किया गया है जबकि मिल जॉन और नॉन वर्क्स में इन कर्मचारियो की पोस्टिंग उनकी जनसंख्या के हिसाब से कम है। इस विषमता को दूर किया जाये। अधिशासी निदेशक ने कहा कि कर्मचारी ही प्लांट की रीढ़ है। कर्मचारी हैं तो प्लांट विकास के राह पर है और बीएसएल विगत कई वर्षो से मुनाफे में है, इसके लिए कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। अगर बीएसएल का भविष्य अच्छा रहेगा तो उससे कर्मचारी भी लाभान्वित होगे इसलिए हम सभी को प्लांट हित में कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से राकेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष, महेन्द्र राम उपाध्यक्ष, देवेश टुडू महासचिव, नबानांदेशवर हेमबरम कार्यकारी महासचिव, सच्चू रजवार उपकोषाध्यक्ष, मुकेश पासवान, लिलु सोरेन, संयुक्त महासचिव, दिलीप कुमार, ललित उरॉव, विजय राम एवं सिद्धार्थ सुमन सचिव, कोक ओवन सचिव अनिल पासवान, एचआरसीएफ अध्यक्ष प्रेमनाथ राम, , सीआरएम - 3 से लक्षमन छुरा, एसएमएस - 2 से राजेश कुमार, रणधीर रंजन, आईएमएफ से राजीव तामुड़ीया, अजय दास, नेलशन लकडा एवं निमय दास उपस्थित रहे।

एक नजर

अंधारझोर के बेलगोड़ा टोला में खेत का मछली खाने से फैली डायरिया

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के बोड़ाम पंचायत के अंधारझोर गांव के टोला बेलगोड़ा में डायरिया का प्रकोप होने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम बीडीओ किकू महतो के निर्देश पर डॉक्टर सोमन दत्ता के नेतृत्व में टोला में पहुंचकर डायरिया प्रभावित परिवारों के मरीजों को स्लाइन चढ़ाया ।वही कुछ मरीजों को दवाई भी उपलब्ध करवाया गया। इस दौरान जानकारी देते हुए डॉक्टर सोमन दत्ता ने बताया कि मरीजों से जानकारी मिली कि खेतों से पानी के बहाव में आई। छोटी मछलियों को खाने से बेलगोड़ा टोला में डायरिया का प्रभाव बढ़ा है ।उन्होंने कहा कि कुछ मरीजों को स्लाइन चढ़ाया गया। जिसमें पबिता मुर्मू,का मुर्मू, सोमवारी मुर्मू, पार्वती हांसदा, लक्ष्मी हांसदा शामिल हैं। वही जगारी मुर्मू, सदमनी मुर्मू, बाबूराम हेंब्रम, नरहरी हेंब्रम, चैतन हेंब्रम, मचकानी हेंब्रम को डायरिया संबंधित दवा उपलब्ध करवाया गया। इस दौरान कई स्वास्थ्य कर्मी भी टीम में शामिल थे।

एसबीयू के आकाश बने गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे विवि के एमसीए, थर्ड सेमेस्टर के छात्र आकाश कुमार सिंह का चयन गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर के तौर पर किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें गूगल ने सीमित समय सीमा के भीतर रु. 19,500 प्रति वर्ष वाले गूगल- वन एआई प्रो प्लान की सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को नि:शुल्क उपलब्ध करवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस योजना में जेमिनी 2.5 प्रो, नोटबुक एलएम, इमैजेन 4, वियो 3, गूगल कैनवास, टू टीबी क्लाउड स्टोरेज जैसे अत्याधुनिक एआई टूल्स शामिल होंगे। एसबीयू के छात्र के गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर के तौर पर चयन पर विवि के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

दीवार गिरने से 19 वर्षीय युवक की मौत

सरिया : केसवारी पंचायत के मधवाडीह गांव में बुधवार को एक दुखद हादसा हुआ, जिसमें दीवार गिरने से 19 वर्षीय आजम अंसारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, कुछ बच्चे गांव में खेल रहे थे, तभी अचानक एक पुरानी दीवार ढह गई। इस हादसे में मंजूर अंसारी के पुत्र आजम अंसारी मलबे में दब गए, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। तत्काल उन्हें सरिया स्थित देवकी अस्पताल लाया गया जहां फर्स्ट एड के बाद उन्हें धनबाद रेफर कर दिया गया परंतु घायल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इधर घटना में घायल हुए बच्चे को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दीवार काफी पुरानी और जर्जर थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। गांव में इस हादसे के बाद शोक की लहर दौड़ गई है।

पोखरिया खदान से स्थानीय युवक का शव बरामद

रामगढ़ : भदानीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत पाली गांव के पूसीटूंगरी स्थित पत्थर के पोखरिया खदान से गुरुवार की सुबह स्थानीय बिरजू बेदिया (32 वर्ष) पिता कलसु बेदिया का शव बरामद हुआ। घटना की जानकारी पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण खदान के निकट जुट गए है। बिरजू बेदिया बुधवार की सुबह 09 से 10 बजे के बीच घर से निकला और फिर घर वापस नहीं लौटा। इधर, गुरुवार की सुबह कुछ ग्रामीणों ने पोखरिया खदान के निकट बिरजू का कपड़ा पड़ा देख इसकी जानकारी परिजनों को दी। जिसपर परिजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण खदान के निकट पहुंचे और गोताखोर द्वारा खदान के पानी में बिरजू की तलाश शुरू कर दी गई। कुछ देर बाद झग्गर से बिरजू का शव पोखरिया खदान से बाहर निकाला गया।

रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की हुई बैठक संगठन सृजन अभियान को मिली नई गति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कार्यकारिणी समिति की विशेष बैठक एवं प्रेस वार्ता का आयोजन जिला अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो की अध्यक्षता में राँची प्रेस क्लब में किया गया। इस बैठक में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक एवं जिला कमिटी के पदाधिकारिगण विशेष रूप से उपस्थित हुए। बैठक में बारी-बारी से सभी की राय ली गई तथा तय हुआ कि पर्यवेक्षकों की टीम सभी प्रखंडों में जाकर पंचायत एवं बुथ स्तर के कार्यकताओं से भी संवाद कर जमीनी हकीकत से अवगत होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के निर्देशानुसार झारखंड के सभी 25 संगठनात्मक जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन पर्यवेक्षकों का मुख्य कार्य स्थानीय कार्यकताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों, पूर्व पदाधिकारियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर उपयुक्त जिला अध्यक्षों का चयन करना है, ताकि कांग्रेस पार्टी की जड़ों को गाँव, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर और सशक्त किया जा सके। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद एवं एआईसीसी की सी.डब्ल्यू.सी. सदस्य फूलो देवी नेताम जी ने कहा अहमदाबाद अधिवेशन के बाद कांग्रेस पार्टी ने संगठन सृजन अभियान को पूरे देश में चलाने का निर्णय लिया है। मुझे राँची जिला ग्रामीण का पर्यवेक्षक बनाकर यहां भेजा गया है। मैं पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड और विधानसभा स्तर तक सभी कार्यकर्ताओं से परामर्श करूँगी और उसी आधार पर नए जिला अध्यक्ष का चयन सुनिश्चित करूंगी। साथ ही, कार्यकारिणी समितियों का गठन तथा राजनीतिक मामलों की समितियाँ बनाई जाएँगी, जिससे स्थानीय, प्रांतीय और राष्ट्रीय मुद्दों पर सुव्यवस्थित राजनीतिक चर्चा हो सके। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना और एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, महिला एवं युवा कार्यकताओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लें और ऐसे नेताओं की पहचान करें जिनमें कांग्रेस की विचारधारा, दूरदर्शिता एवं नेतृत्व क्षमता मौजूद हो। कार्यक्रम में झारखंड सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने असम दौरे के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वहां कांग्रेस पार्टी पंचायत स्तर तक बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा कि असम में पंचायत स्तर की रैलियों में लगभग 20,000 कार्यकताओं की उपस्थिति रहती है। झारखंड में भी इसी तरह संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, जिला पर्यवेक्षक परविंदर सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने प्रखंड अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन डॉ. राकेश किरण महतो ने किया। उन्होंने अतिथियों का बुके एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया।

समाज के शिल्पकार होते हैं शिक्षक : प्रवीण राजगढ़िया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा में गुरुवार को टीचर्स डे मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया, प्राचार्य विवेक प्रधान व शिक्षकों ने सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन की तस्वीर के समक्ष दीप प्रजवलित करने के उपरांत पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर निदेशक श्री राजगढ़िया ने कहा कि शिक्षक समाज के शिल्पकार होते हैं। समस्त विश्व को एक शिक्षालय मानने वाले भारतीय संस्कृति के संवाहक डॉ राधाकृष्णन ने समाज और राष्ट्र निर्माण में जो योगदान दिया है, वह भुलाया नहीं जा सकता है। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि शिक्षकों का कर्तव्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। आज के समय मे शिक्षकों का दायित्व और व्यापक हो गया है। सही शिक्षा से ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग कर सामाजिक बुराइयों को मिटाया जा सकता है। एचके सिंह ने डॉ राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ राधाकृष्णन ने अपनी विद्वता और शिक्षण से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विभिन्न कक्षा के विद्यार्थियों ने अलग-अलग शिक्षकों के रोल में उनके कार्यों को निभाया। साथ ही अपने अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक बने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन को सफल बनाने में साधना सिन्हा, दीपिका तिवारी, श्रीपर्णा गुप्ता, सोनम खातून, अरविंद दुबे, अंकित विश्वकर्मा, शालू कुमारी, रीता राय आदि का योगदान रहा।

प्राकृतिक का संरक्षण व संतुलन बनाए रखना अति आवश्यक : सनियारो बारला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना : भादो मास की एकादशी को भाई बहनों के प्रेम की प्रतीक व अच्छी फसल की कामना किए जाने को लेकर मनाए जाने वाले प्राकृतिक पर्व करमा बरकाकाना व इसके आसपास के क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अहले सुबह से ही महिलाएं व युवतियां द्वारा उपवास रखकर विधिवत पूजा अर्चना कर घर परिवार की सुख समृद्धि का कामना किया गया। मान्यता के अनुसार करमा पर्व भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक व अच्छी फसल को लेकर प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। पाहन द्वारा करमा पेड़ के नीचे कर्मा धर्मा दो भाइयों की कहानी सुनाया गया। करमा और धरमा नाम के दो भाई थे। करमा ने कर्म की महत्ता बतायी और धरमा ने शुद्ध आचरण तथा धार्मिक जीवन का मार्ग दिखाया। इन्हीं दोनों भाईयों में से करमा को देव स्वरूप मानकर अच्छे प्रतिफल की प्राप्ति हेतु उन्हें प्रसन्न करने के लिए उनकी पूजा-अर्चना तथा नृत्य प्रतिवर्ष किया जाता है ।माना जाता है कि इस कहानी के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। करमा डाली का पूजा करने के बाद लोगों द्वारा प्राकृतिक के प्रति सम्मान व आभार प्रकट किया जाता है। महिलाएं युवतियां व पुरुषों द्वारा ढोल व मांदर थाप पर रात भर थिरकते हुए नजर आए। करमा पर्व की समापन पर महिलाओं द्वारा कर्म डाल को नाचते गाते हुए कर्म डाल को नदी में प्रवाहित किया गया। प्राकृतिक प्रेमियों द्वारा करमा पर्व के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक के साथ संतुलन बनाए रखने की भी संदेश दिया गया। सुरक्षा को लेकर बरकाकाना ओपी पुलिस द्वारा लगातार क्षेत्र में गस्त किया जाता रहा। रामगढ़ नगर परिषद वार्ड संख्या 24 के पार्षद सनियारो बारला ने प्राकृतिक पर व करमा हर्षोल्लास के साथ संपन्न होने पर क्षेत्र के लोगों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक के दोहन होने के कारण पूरा विश्व आज प्राकृतिक के प्रकोप को झेल रहे हैं। जिसका नतीजा है कि पूरे विश्व जलमग्न हो चुका है। करमा पर्व व प्राकृतिक प्रेमियों से प्राकृतिक के साथ संतुलन बनाए रखना का सबक सीखना चाहिए। ताकि प्रकृति के साथ संतुलन बना रहे। आज का परिवेश में प्राकृतिक का संरक्षण व संतुलन बनाए रखना अति आवश्यक है।

वोको सीमेंट प्लांट के खिलाफ ग्रामीणों की नाराजगी, भाजपा ने कंपनी को दिया अल्टीमेटम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोविंदपुर : गुरुवार को भाजपा गोविंदपुर मंडल की ओर से बारिगोरा बस्ती में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य सीमेंट कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (उरफ) के अंतर्गत विकास कार्य न किए जाने के विरोध में जनता की राय लेना था। बैठक में बस्तीवासियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को सामने रखा। लोगों ने बताया कि कंपनी द्वारा न तो मच्छरनाशी दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है, न ही ब्लीचिंग पाउडर उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और लैंगिक समानता जैसे बुनियादी क्षेत्रों में भी कंपनी की ओर से कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। कंपनी द्वारा फैलाई जा रहे सीमेंट युक्त हवा से प्रदूषण और विषैले पानियों का शिकार हम लोग हो रहे हैं ज्यादातर आदमी इन प्रदूषण युक्त हवाओं एवं उनके द्वारा नाले में छोड़े हुए विषैला पानी से बीमारी का शिकार हो रहे हैं। जनता ने जलजमाव, मच्छरों के प्रकोप तथा अन्य बुनियादी समस्याओं पर भी चिंता जताई। मंडल के महामंत्री सतीश सक्सेना ने बस्ती के बुनियादी समस्याओं पर ध्यान आकर्षित कराते हुए सभा में उपस्थित सभी वरीय भाजपा नेतृत्व कताओं से कहा कि सीमेंट प्लांट टेलिफोनिक संपर्क करना बंद कर दी है। इन सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री राजन सिंह ने स्पष्ट कहा कि यदि कंपनी ने शीघ्र ही बस्तियों में सीएसआर के अंतर्गत कार्य प्रारंभ नहीं किया, तो कंपनी के विरुद्ध व्यापक जनआंदोलन और कंपनी का हुड़का जाम जैसे कठोर कदम भारतीय जनता पार्टी उठाएगी। वहीं जिला मंत्री पप्पू सिंह ने कहा की बस्तीवासी कम्पनी के सीमेंट से होने वाले प्रदूषण से पूरी बस्ती वासी कों गंभीर बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं और उनके जीवन कि अवधि गंभीर बीमारी के चलते कम हो गई है और कंपनी को अतिशीघ्र सीएसआर के अंतर्गत सारे कार्य को करना चाहिए। मंडल के अध्यक्ष पवन सिंह ने कहा की कंपनी को चेताने के लिए यह बैठक रखी जा रही है अगर अभी भी सीमेंट प्लांट प्रशासन नहीं सुधरा तो पहले मसाल जुलूस फिर कंपनी का गेट जाम किया जाएगा। वहीं मंडल महामंत्री शिवजी प्रसाद एवं भाजपा नेता आशुतोष सिंह ने कहा कि कंपनी जानबूझकर हम लोग को अनदेखा कर रही है इसलिए इसे जनता की ताकत हम लोग दिखाएंगे।

पारगामा में इंद मेला में शामिल हुई विधायक सविता महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : गुरुवार को कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के पारगामा में एक दिवसीय प्रसिद्ध इंद मेला का आयोजन किया गया। इस मेला में मुख्य अतिथि के रूप में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो शामिल हुई। जहां विधायक सविता महतो को मेला समिति के अध्यक्ष स्वपन चंद्र महतो ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया। मेला में झूमर संस्कृतिक व नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झूमर सांस्कृतिक कार्यक्रम में जंगल महल महिला झूमर दल ऊपर बाटरी, कोटशीला, पुरुलिया के महिला झूमर शिल्पी अंबिका महतो, गोविंदलाल महतो, झूमर उस्ताद भोलानाथ महतो व राजदूत महतो के द्वारा झूमर प्रस्तुत किया गया। वहीं सोनारी जमशेदपुर के रघु एंड माही डांस ग्रुप के द्वारा आदिवासी, बंगला एवं हिंदी गानों में रंगारंग नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध इंद मेला में अति विशिष्ट और विशिष्ट अतिथि के रुप में झामुमो के कई नेता, पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान समेत आसपास के हजारों लोग उपस्थित हुए और संस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। मौके पर वरिष्ठ झामुमो नेता लालटू महतो, झामुमो कुकड़ू प्रखंड अध्यक्ष कृत्तिवास महतो, झामुमो कुकड़ू प्रखंड उपाध्यक्ष हरिकृष्ण महतो, चांडिल प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण किशोर महतो, झामुमो नीमडीह प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, युधिष्ठिर मांझी समेत कई वरिष्ठ झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

गोल्डन ऑवर में जीवन रक्षा के लिए रामगढ़ कैंट में सेना को मिली नई तकनीकी ताकत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, रामगढ़ कैंट में दो अत्याधुनिक भीष्म क्यूब्स स्थापित किये गये जो कि बहुत अल्प समय में गंभीर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किये गये। यह पहल महानिदेशक (इन्फेंट्री) और आई सी आई सी आई फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों द्वारा संभव हुआ। आसानी से स्थापित किये जाने योग्य प्रत्येक भीष्म क्यूब जीवन रक्षक दवाइयों और आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है ताकि आपात स्थित में तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सके। इसकी सबसे बड़ी शक्ति गोल्डन ऑवर यानी संकट की घडी में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने की क्षमता है। सभी सैनिकों द्वारा सही उपयोग और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, ग्रीन जीनोम इंडिया प्रा. लि द्वारा चार दिवसीय पशिक्षण कैप्सूल आयोजित किया गया। 1 से 4 सितम्बर 2025 तक यह प्रशिक्षण पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, रामगढ कैंट में आयोजित किया गया, जिसमे प्रतेक जवान आत्मविश्वास के साथ इस सुविधा को संचालित कर सकें और फील्ड में तुरंत चिकित्सा सहायता पहुंचा सकें। प्रशिक्षण में सिविल डाक्टरों ने भी भाग लिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जरुरत पड़ने पर यह अत्याधुनिक उपकरण आसानी से सिविल चिकित्सा मशीनरी के साथ एकीकृत हो सके। इस पहल के साथ, भारतीय सेना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह तकनीक और करुणा को जोड़ने में अग्रिणी है। सेना अपने सैनिकों के जीवन की सुरक्षा और जरूरत पड़ने पर समय पर सहायता पहुँचाने के संकल्प को मजबूती से दोहराती है।

संक्षिप्त खबरें

बी.ए.सी.ई.टी. में दीक्षारंभ की शुरूआत फ्रेशर्स वेलकम में दिखे उत्साह और उमंग

जमशेदपुर : बी.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बी.ए.सी.ई.टी) में वार्षिक फ्रेशर्स वेलकम दीक्षारंभ 2025 कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ बी.ए.सी.ई.टी कैंपस में हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बी.ए.सी.ई.टी के चेयरमैन डॉ. एस. के. सिंह, बिहार एसोसिएशन के महासचिव सी. पी. एन. सिंह तथा प्राचार्य डॉ. एस. के. रॉय रहे। इस अवसर पर संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों ने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासन, समर्पण और नवाचार की भावना के साथ आगे बढ़ने तथा इंजीनियरिंग क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का संदेश दिया। उद्घाटन दिवस पर विद्यार्थियों को कॉलेज की प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्हें आधुनिक तकनीकी सुविधाओं और अधोसंरचना से परिचित कराया गया। दीक्षारंभ सप्ताह के दौरान कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इसमें योग सत्र, गाँव का भ्रमण एवं गालूडीह बैराज की यात्रा, उद्यमिता पर विशेषज्ञ व्याख्यान (डॉ. एस. के. सिंह) तथा सॉफ्ट स्किल्स पर व्याख्यान शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को ऑटो क्लस्टर औद्योगिक भ्रमण, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं जियोलॉजिकल पार्क की सैर कराई जाएगी। सप्ताह का समापन टैलेंट हंट एवं फैशन शो के साथ होगा। यह दीक्षारंभ सप्ताह छात्रों के समग्र विकास हेतु स्वास्थ्य, उद्योग–परिचय, विशेषज्ञ संवाद और सांस्कृतिक गतिविधियों का अनूठा संगम है।

रंभा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय पोषण दिवस मनाया

जमशेदपुर : रंभा कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने 04 सितंबर 2025 को बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें विषय के साथ राष्ट्रीय पोषण दिवस मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष राम बचन जी थे। सभी फूड स्टॉल का निरिक्षण और जजमेंट किया बी एड कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ कल्याणी कबीर ने। अध्यक्ष राम बचन जी ने कहा कि शिक्षा में प्रैक्टिकल अप्रोच का होना बहुत जरूरी है और इसलिए पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों पर नर्सिंग के विद्यार्थी एक्टिविटीज भी करते रहते हैं। संकाय सदस्य सिद्धार्थ और सूरज कुमार भी इस दौरान मौजूद रहे। छात्रों ने विभिन्न आहार प्रस्तुत किए जैसे – किडनी हेतु स्वस्थ आहार, सामान्य वयस्क हेतु भोजन, उच्च प्रोटीनयुक्त आहार, हाइपरटेंशन हेतु आहार, सॉफ्ट आहार और लिक्विड आहार। इन सारे आहार को पोषण, प्रस्तुति, और उपयुक्तता के आधार पर मूल्यांकित किया गया। संकाय सदस्यों में सहायक प्रोफेसर मुनमुन, सहायक प्रोफेसर मोनिशा, व्याख्याता नमानी, अलीशा, उमा, रिया, संध्या नर्सिंग विभाग से, और दीपिका एवं समीक्षा फामेर्सी विभाग से उपस्थित रही। सभी ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। यह शैक्षणिक एक्टिविटी जानकारीपूर्ण थी और स्वस्थ पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रही ।

सरिया प्रखंड के केसवारी फीडर में बिजली संकट गहराया, मुखियाओं ने दी आंदोलन की चेतावनी

सरिया : सरिया प्रखंड के नगरकेसवारी स्थित आँखें टांड़ शिव मंदिर परिसर में गुरुवार को केसवारी फीडर के अंतर्गत आने वाली सभी पंचायतों के मुखियाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में बगोदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत केसवारी फीडर में बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या पर चर्चा हुई। मुखियाओं ने बताया कि जहाँ बगोदर विधानसभा के अन्य फीडरों में कामचलाऊ रूप से बिजली आपूर्ति हो रही है, वहीं केसवारी फीडर की स्थिति अत्यंत दयनीय है। इस फीडर पर प्रतिदिन मात्र 5 से 6 घंटे ही बिजली उपलब्ध हो पा रही है, जो ग्रामीण जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने में पूरी तरह अपर्याप्त है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बिजली विभाग के स्थानीय से लेकर उच्च स्तर के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर इस समस्या का समाधान करने की मांग की जाएगी। साथ ही, अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय सीमा में केसवारी फीडर को आवश्यकतानुसार नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो क्षेत्र की जनता और पंचायतवासी एकजुट होकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मुखियाओं ने यह भी कहा कि इस आंदोलन की संपूर्ण जिम्मेदारी सरिया पावर ग्रिड और पावर हाउस से जुड़े पदाधिकारियों और कर्मियों की होगी। इस बैठक में क्षेत्र की जनता ने बिजली विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है ताकि उनकी दैनिक जरूरतों और कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति हो सके।

नेक्स्ट जनरेशन जी एस टी रिफॉर्म पर भाजपा रामगढ़ जिला ने खुशी जताई।

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह मोदी की गारंटी है जो कहते हैं वो करते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से देशवासियों को जीएसटी में जनाकांक्षा के अनुरूप सुधार की बात कही थी। और इसे नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म कहा था। उन्होंने जनता से किए वादों को पूरा किया। यह देशवासियों के लिए ऐतिहासिक दीपावली गिफ्ट हैं। इससे आम आदमी का जीवन और आसान होगा तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला परिवार द्वारा नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म को लेकर खुशी जताई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया ।मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार, जिला के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अमरेन्द्र कुमार गुप्ता, रणंजय कुमार, डॉ संजय कुमार सिंह, चंद्रशेखर चौधरी , इला रानी पाठक,डॉ संजय प्रसाद सिंह, अनिल कुमार राय, महेन्द्र महतो, विनोद राम,डॉ विनोद ठाकुर, प्रिया करमाली,राजीव जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी, राजेन्द्र कुशवाहा, बलराम महतो ,स्नेहलता चौधरी, दिनेश प्रसाद ,महेन्द्र प्रजापति, जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी, विजय जायसवाल, जिला मंत्री दिलीप सिंह, संजीव कुमार बबला, किरण देवी लक्ष्मी देवी, सरदार अनमोल सिंह, संजय प्रभाकर, जिला कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सोनी ,जिला मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त, भीम सेन चौहान,जिला सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा ,आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू, जिला कार्यालय मंत्री विनोद प्रसाद, धीरज कुमार साहू, सोनू कुमार शौर्य, राकेश पांडा ,अर्जुन यादव, जिला मोर्चा अध्यक्ष कुश श्रीवास्तव, शीतल सिंह, सन्नी कुशवाहा, रिंकू प्रसाद, संजय कुमार रजक, शंकर करमाली, वारिश खान , वरिष्ठ उमेश प्रसाद, रंजीत पांडेय, रमेश वर्मा,विजय ओझा, मनोज कुमार महतो, सुबोध सिंह, महेश चौधरी, बसुध तिवारी, खुशीलाल महतो, दीनदयाल कुमार,रॉबिन गुप्ता, सुरेन्द्र करमाली, जागेश्वर प्रजापति, अशोक कुमार, नरेश साव,सतीश मोहन मिश्रा, राजाराम प्रजापति ,सागर दांगी गिरधारी महतो, टोकेश सिंह ,राजेश कुमार ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए आभार जताया।

समाज के प्रकाश स्तम्भ होते हैं शिक्षक

हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। इसीलिए प्रतिवर्ष शिक्षक को सम्मान देने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में 6 मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में 5 अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को मनाया जाता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक ही उसे शिक्षित करता ही है और अच्छे-बुरे का ज्ञान कराता है। पहले के समय में छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है- गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः- 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट'

कबीर दास जी कहते हैं कि शिक्षक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। डॉ राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है।

सूडोकु नवताल- 7543

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7542 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

आम आदमी : मोदी सरकार और जीएसटी सुधार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कर सुधार किसी भी राष्ट्र की आर्थिक दिशा और विकास की गति तय करते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में कर ढांचा हमेशा से बहस और सुधार का विषय रहा है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद भी यह शिकायत लगातार बनी रही कि कर संरचना जटिल है और आम आदमी से लेकर छोटे कारोबारियों तक सबके लिए यह बोझिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रबंधन में अब यह तस्वीर बदल रही है। हाल ही में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों से जीएसटी को सरल, पारदर्शी और आमजनहितकारी स्वरूप दिया गया है, जिसने करोड़ों भारतीयों को राहत की नई उम्मीद दी है।

दो दरें, अधिक पारदर्शिता, सीधी राहत

मोदी सरकार ने चार स्लैब की जटिलता खत्म कर केवल दो दरों - 5% और 18% को लागू किया है। रोजमर्रा की वस्तुएं, स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा टैक्स से मुक्त कर दी गई हैं। वहीं तंबाकू और लग्जरी वस्तुओं पर 40% कर लगाया गया है। यह कदम बताता है कि सरकार की प्राथमिकता गरीब और मध्यम वर्ग की जेब पर बोझ घटाना है, जबकि अपव्ययकारी उपभोग और अस्वस्थ आदतों को हतोत्साहित करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यह वादा किया था कि देशवासियों को दिवाली से पहले 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स' का तोहफा मिलेगा। आज यह वादा हकीकत बन चुका है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे किसान, मध्यम वर्ग, महिला, युवा और छोटे व्यवसाय सभी को लाभ होगा।

आम आदमी को मिली सच्ची राहत

नए बदलाव का सबसे बड़ा असर आम परिवारों की जेब में महसूस होगा। अब दूध, रोटी, पिज्जा ब्रेड, पराठा, छेना जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं पर कोई कर नहीं लगेगा। जीवन रक्षक दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं को भी टैक्स से मुक्त किया गया है। इससे लाखों परिवारों को स्वास्थ्य खर्च के बोझ से बड़ी राहत मिलेगी।

बीमा सेवाओं को जीएसटी से मुक्त करने का असर व्यापक होगा। पहले स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर 18% जीएसटी लागू होता था, जिससे प्रीमियम महंगा हो जाता था। अब यह हट जाने से बीमा हर वर्ग की पहुंच में आएगा और स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा व्यापक होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी, चाहे वह टर्म लाइफ हो, यूलिप हो या एंडोमेंट पॉलिसी, और सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। कहना होगा कि यह कदम प्रधानमंत्री मोदी की उस दृष्टि को पुष्ट करता है, जिसमें हर भारतीय परिवार को आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा देने का संकल्प शामिल है।

लग्जरी और तंबाकू पर सख्ती से सामाजिक संदेश

जहां आम आदमी को राहत दी गई है, वहीं सरकार ने तंबाकू, पान मसाला, बड़ी कारें, यॉट और हैवी मोटरसाइकिलों पर 40% कर लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है। यह केवल राजस्व संग्रह बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी भी है कि विलासिता और अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कर बोझ बढ़ेगा। यह दृष्टिकोण मोदी सरकार की उस नीति को रेखांकित करता है जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतें सर्वोपरि हैं। अमीर वर्ग को राहत देने की बजाय सामाजिक संतुलन और आर्थिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करना ही सरकार का मूल संदेश है।

छोटे कारोबारियों को बड़ी मजबूती

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ छोटे और मझोले व्यवसाय (एमएसएमई) हैं। पहले जटिल जीएसटी ढांचे के कारण इन्हें अनुपालन में कठिनाई होती थी। अब केवल दो स्लैब होने से टैक्स प्रणाली सरल होगी, व्यापारियों का विश्वास बढ़ेगा और कारोबार करना आसान होगा। इससे "Ease of Doing Business" को बल मिलेगा, छोटे व्यापारियों की लागत घटेगी और नए रोजगार सृजित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी का 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इन्हीं सुधारों से वास्तविक ताकत प्राप्त करता है।

वैश्विक दबावों के बीच आत्मनिर्भरता की राह

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था संरक्षणवाद और टैरिफ युद्धों से प्रभावित है। ऐसे समय में भारत ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है। फिच सॉल्यूशंस की बीएमआई रिपोर्ट के अनुसार, इन सुधारों से खपत में लगभग 5.31 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, जो जीडीपी का 1.6% है।

यह केवल कर सुधार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम है। आंतरिक मांग पर आधारित विकास रणनीति से बाहरी झटकों का असर सीमित होगा और भारत विश्व अर्थव्यवस्था में स्थिर और मजबूत भागीदार बनेगा।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा

भारत ने 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद कर प्रणाली अत्यंत आवश्यक है। नए जीएसटी सुधार विदेशी निवेशकों के लिए भारत को और आकर्षक बनाएंगे। दूसरी ओर घरेलू खपत बढ़ने से जीडीपी में तेजी आएगी। उम्?मीद करें कि केंद्र-राज्यों के बीच सहमति से लागू यह सुधार संघीय ढांचे की मजबूती का प्रमाण बनेंगे।

वित्त मंत्री सीतारमण की घोषणाएं : स्वास्थ्य सुरक्षा में नया अध्याय

56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने 12% और 18% वाले स्लैब खत्म कर दिए। कई दवाओं और मेडिकल उपकरणों पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया। 33 जीवन रक्षक दवाओं को पूरी तरह जीएसटी मुक्त कर दिया गया, जिनमें कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोगी दवाएं शामिल हैं। मेडिकल ऑक्सीजन, थमार्मीटर, डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर और चश्मों पर भी टैक्स घटाकर 5% कर दिया गया। यह निर्णय स्वास्थ्य क्षेत्र को किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

सीतारमण ने यह भी कहा कि इंश्योरेंस और हेल्थकेयर से जुड़े सुधार आम आदमी की जेब में सीधी राहत देंगे और बीमा कवरेज का दायरा व्यापक बनाएंगे। यह कदम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना को दशार्ता है।

कुल मिलाकर यहां यही कहना होगा कि जीएसटी सुधार केवल तकनीकी बदलाव नहीं है। यह भारत की नई आर्थिक सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास और सामाजिक न्याय दोनों समानांतर चलते हैं। मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नीतियां गरीब, मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों के लिए हैं, न कि केवल अमीरों और बड़े उद्योगपतियों के लिए। प्रधानमंत्री मोदी का यह विश्वास कि 'विकास और सामाजिक न्याय साथ-साथ चल सकते हैं' अब ठोस रूप में सामने है।

भारत का अंतरिक्ष भविष्य : 2035 तक अपना स्टेशन और गगनयान मिशन

डॉ. जितेंद्र सिंह

एक समय था जब हम अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में केवल अनुयायी माने जाते थे, लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। भारत न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि वैश्विक साझेदारियों में समान भागीदार बन चुका है। आने वाले वर्षों में गगनयान मिशन और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, हमारी अंतरिक्ष यात्रा को नई दिशा और नया आयाम देने वाले हैं। देखा जाए तो यह गगनयान मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। जब हमारे अंतरिक्ष यात्री सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रेविटी) की परिस्थितियों में प्रयोग करेंगे, तो उसका लाभ पृथ्वी पर भी पहुँचेगा। चाहे वह कृषि हो, जीवन विज्ञान हो या चिकित्सा क्षेत्र, इन प्रयोगों से हमें ऐसे नए निष्कर्ष मिलेंगे जो करोड़ों लोगों के जीवन को आसान बना सकते हैं। हाल के समय में मायोजेनेसिस जैसे प्रयोगों ने भी यह सिद्ध किया है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल आकाश तक सीमित नहीं, बल्कि धरती पर मानव स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी अहम है। मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन पर किए गए अध्ययन मधुमेह, कैंसर और फ्रैक्चर जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन : 2035 का लक्ष्य

भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। हमारा यह लक्ष्य सिर्फ तकनीकी प्रगति तक ही सीमित नहीं है, आज यह राष्ट्रीय संकल्प का भी परिचायक है। जब यह स्टेशन स्थापित होगा तो भारत वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में न केवल साझेदार होगा, बल्कि एक नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा। इस स्टेशन का महत्व केवल वैज्ञानिक प्रयोगों तक सीमित नहीं रहेगा। यह हमारे सामरिक हितों की सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की मजबूती और वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की स्थिति को भी परिभाषित करेगा। प्रधानमंत्री ने 'सुदर्शन सुरक्षा चक्र' की जिस परिकल्पना का उल्लेख किया है, उसमें अंतरिक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता

अंतरिक्ष स्टेशन और मानव मिशनों के सफल संचालन के लिए हमें सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी तकनीकों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आज दुनिया जान चुकी है कि सेमीकंडक्टर केवल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तक सीमित नहीं हैं। अंतरिक्ष मिशनों में उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी तरह, एआई आधारित प्रणाली और ऊर्जा संसाधनों का बेहतर उपयोग लंबे समय तक चलने वाले अभियानों के लिए अनिवार्य होगा। यहां यह कहना सही होगा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन केवल धरती पर डिजिटल क्रांति को गति नहीं देगा, बल्कि यह अंतरिक्ष अभियानों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी पर ऊर्जा संकट का समाधान देंगे बल्कि भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भी ऊर्जा स्त्रोत बनेंगे।

अंतरिक्ष प्रयोग : धरती के लिए लाभकारी

यह एक भ्रम है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा की तुष्टि के लिए होता है। वास्तविकता यह है कि अंतरिक्ष प्रयोगों के निष्कर्ष सीधे धरती पर मानव जीवन के लिए उपयोगी होते हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क के प्रभाव का अध्ययन, माइक्रोग्रेविटी में पौधों की खेती, पुनयोर्जी जीव विज्ञान के प्रयोग, ये सभी आज की दुनिया में बेहद प्रासंगिक हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रेविटी में मेथी उगाने के प्रयोग न केवल अंतरिक्ष यात्रियों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, बल्कि यह कृषि अनुसंधान के लिए भी नई दिशा देंगे। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और खाद्य संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब ऐसे प्रयोगों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

अंतरिक्ष का व्यावसायिक और आर्थिक आयाम

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में सक्रिय हो चुके हैं। ये स्टार्टअप्स न केवल रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं, बल्कि मैपिंग, स्मार्ट सिटी विकास, कृषि, टेलीमेडिसिन और उपग्रह संचार जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार ला रहे हैं। सरकार ने हाल ही में 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड मंजूर किया है, जो इन स्टार्टअप्स को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में मदद करेगा। अंतरिक्ष अब युवाओं के लिए आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है। एक समय था जब एयरोस्पेस इंजीनियरिंग को केवल एक विशिष्ट शाखा माना जाता था, लेकिन आज यह आईआईटी जैसे संस्थानों में सबसे अधिक मांग वाला विषय बन चुका है।

सुरक्षा और कूटनीति का नया युग

भारत ने आने वाले पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज युद्ध केवल जमीन और आसमान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अंतरिक्ष भी उसका अभिन्न हिस्सा बन चुका है। उपग्रहों से मिली जानकारी हमारी सामरिक तैयारी को मजबूत करती है और सीमा पर तैनात सैनिकों को वास्तविक समय में मदद पहुँचाती है। ऐसे में "इन-स्पेस" जैसी संस्थाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी के बावजूद सुरक्षा से कोई समझौता न हो। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया गया है, लेकिन साथ ही कड़े विनियमन भी बनाए रखे गए हैं। यह संतुलन ही भारत को नवाचार और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर सफल बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रतिस्पर्धा

यहां हम सभी के लिए यह भी ध्यान देने योग्य है कि आज जब चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित कर चुका है और अमेरिका-रूस दशकों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, ऐसे समय में भारत का प्रवेश केवल वैज्ञानिक महत्व का नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी निर्णायक है। गगनयान मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन हमें अंतरराष्ट्रीय मानवयुक्त मिशनों में सहभागी बनाएंगे। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन का भी दौर शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र व्यवहार्य होगा, भारत के पास डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे का निर्यात करने का अवसर होगा। इससे न केवल हमारी तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ेगी, बल्कि विदेशी मुद्रा अर्जन के नए रास्ते भी खुलेंगे।

हमारा लक्ष्य स्पष्ट है

भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा है। फिलहाल हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था लगभग आठ अरब डॉलर की है, लेकिन अगले दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। यह वृद्धि न केवल हमारी अर्थव्यवस्था को नई गति देगी, बल्कि हमें विश्व मंच पर एक सशक्त खिलाड़ी भी बनाएगी। गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रमा पर मानव मिशन और निजी-सरकारी साझेदारी से उभरती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, ये सभी भारत को उस मुकाम तक ले जाएंगे जहाँ से वह विश्वगुरु बनने की दिशा में एक और निर्णायक कदम बढ़ा सकेगा।

भारत का अंतरिक्ष भविष्य केवल विज्ञान या तकनीक तक सीमित नहीं है। यह हमारे आत्मविश्वास, हमारी युवा शक्ति, हमारी महिला वैज्ञानिकों और हमारी सामूहिक आकांक्षा का प्रतिबिंब है। आज हम कह सकते हैं कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत की सबसे बड़ी पहचान उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम ही होगा। यही वह क्षेत्र है, जो हमें न केवल आत्मनिर्भर बनाएगा बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व दिलाएगा।

(लेखक, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।)

आदर्श शिक्षक की पहचान

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

भारत में गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़ी एक अनूठी अवधारणा है। गुरु हमेशा शिष्य की सफलता की कामना करता है और शिष्य गुरु की विजय की कामना करता है।

शिष्य गुरु की विजय की कामना करता है। यह शुभ संकेत है क्योंकि यदि शिष्य को लगता है कि वह गुरु से अधिक जानता है, तो इसका अर्थ है कि उसकी शिक्षा रुक गई है और उसके अहंकार ने ज्ञान को नष्ट कर दिया है।

शिष्य जानता है कि यदि उसका छोटा मन जीत भी जाता है, तो भी उसे दुःख होगा, लेकिन यदि शिक्षक जीतता है, तो यह ज्ञान की विजय है, जो सभी के लिए केवल अच्छाई और आनंद लेकर आएगी।

एक महान शिक्षक समझता है कि शिष्य कहाँ से आ रहा है और उसे चरणबद्ध तरीके से कैसे मार्गदर्शन करना है। उदाहरण के लिए, भगवान कृष्ण एक अद्भुत शिक्षक थे! उन्होंने अर्जुन को जीवन के अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सीढ़ी दर सीढ़ी आगे बढ़ाया। अर्जुन शुरू में बहुत भ्रमित था। जब एक शिष्य विकसित होने लगता है, तो वह भ्रमित हो जाता है क्योंकि वह अपनी अवधारणाओं को बिखरते हुए देखता है।

एक छात्र के रूप में, सबसे पहले आप सीखते हैं कि सूर्य पूर्व दिशा से उदय होता है। बाद में उसे ग्रहों और उनकी सूर्य के चारों ओर गति के बारे में बताया जाता है। इस प्रकार हर चरण में उसकी धारणाएँ टूटती हैं और नई बनती हैं। महान शिक्षक इस प्रक्रिया को समझते हैं। वे शिष्य को किसी एक विचारधारा से चिपके रहने नहीं देते, क्योंकि प्रत्येक धारणा केवल एक सीढ़ी होती है अंतिम लक्ष्य की ओर। और इन धारणाओं को तोड़ना ही अगली सीढ़ी तक पहुँचने का मार्ग है। एक अच्छा शिक्षक शिष्य के भ्रम को दूर करने में सहायता करता है और कभी-कभी आवश्यकता होने पर और अधिक भ्रम भी उत्पन्न करता है।

मुझे याद है बचपन में, हमारी एक सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका थीं जो बहुत प्यारी थीं और सभी उनकी कक्षा में रहना पसंद करते थे, लेकिन छात्रों को उनकी परीक्षाओं में बहुत कम अंक मिलते थे। इसके विपरीत, हमारे पास एक बहुत ही सख्त भौतिकी के शिक्षक थे, और छात्र उनसे डरते थे, लेकिन सभी परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करते थे। महान शिक्षक जानते हैं कि प्यार और सख्ती के बीच सही संतुलन कैसे बनाया जाए। कुछ बच्चे विद्रोही होते हैं। उन्हें अधिक शारीरिक संपर्क, प्रोत्साहन और पीठ थपथपाने की जरूरत होती है। उन्हें यह महसूस कराने की जरूरत होती है कि उन्हें प्यार और देखभाल मिल रही है और वे अपनेपन का एहसास दिलाते हैं। दूसरी ओर, कभी-कभी शिक्षक डरपोक बच्चों के साथ थोड़ी सख्ती से पेश आ सकते हैं। उनका उद्देश्य उन्हें खुलकर बोलने में सहायता करना होता है। अक्सर, इसका उल्टा होता है। शिक्षक विद्रोही बच्चों के साथ सख्त और शमीर्ले बच्चों के साथ उदार होते हैं। फिर ये व्यवहार पैटर्न बने रहते हैं। शिक्षक के व्यवहार में कठोरता और मधुरता दोनों काहोना आवश्यक है; अन्यथा, वे छात्र को उस दिशा में नहीं ले जा पाएँगे जहाँ वे उसे ले जाना चाहते हैं।

अंततः, शिक्षा का उद्देश्य मात्र ज्ञान प्रदान करना ही नहीं है, अपितु छात्रों के शरीर और मन का संपूर्ण विकास करना है। बच्चों को साझा करने, देखभाल करने, अहिंसा और अपनेपन की भावना विकसित करने जैसे मूल्य भी सिखाए जाने चाहिए।

देश के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की हमेशा बहुत बड़ी भूमिका होती है। उन्हें हमारे देश में शांति और प्रगति लाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। देश के स्वतंत्रता संग्राम के समय परिवर्तन की लहर लाने वाले शिक्षक ही थे। उन्होंने पूरे देश को प्रेरित करने की जिम्मेदारी ली। आज भी, शिक्षकों को बच्चों को प्रेरित करना चाहिए।

बच्चे खाली पारदर्शी बर्तनों की तरह होते हैं; आप उन्हें जो भी ज्ञान देंगे, वे उसी को प्रतिबिंबित करेंगे और उसी प्रकार व्यवहार करेंगे। अगर आप उनमें भय और गलत विचार भरेंगे, तो वे वैसा ही व्यवहार करेंगे। लेकिन जब आप उन्हें अच्छे आदर्श और उत्तम गुण प्रदान करेंगे, तो वे बड़े होकर आदर्श और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। हम किसी को आदर्श तभी दे सकते हैं जब हमने स्वयं उन आदर्शों और गुणों को आत्मसात किया हो और उनका पालन किया हो इसलिए, यह बहुत आवश्यक है कि शिक्षक अपने जीवन में जो कहते हैं, वही आचरण भी करें।

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

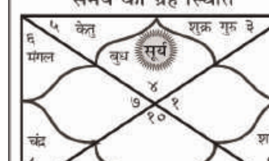

मंगलवार 2025 वर्ष का 217 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि एकादशी 13.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 11.23 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 07.24 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.13 बजे तदनन्तर बव 01.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872427
जूलियन दिन 2460892.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर तारीख 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.39 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.05 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.21 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.26 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.15 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	वृष	23.56 बजे से
		मिथुन	01.54 बजे से
		कर्क	04.07 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

फेयर फाइल्स डीलर संघ ने किया बकाया कमीशन भुगतान की मांग

साहिबगंज: साहिबगंज फेयर फाइल्स डीलर संगठन ने जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, खरसावां आदि जिलों में सारी डीलरों के आंदोलन को समर्थन दिया है। इन जिलों के सभी डीलर एक सितंबर से बेमियादी हड़ताल पर है। डीलर 1 साल से लंबित डीलरों का कमीशन की मांग कर रहे हैं। जिला के डीलर संघ ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए कहा कि भविष्य में अति शीघ्र हमारी मांगे पूरी नहीं हुई, कमीशन भुगतान नहीं हुआ तो साहिबगंज जिला में भी बेमियादी हड़ताल होगा। संघ का कहना है कि साल भर से डीलरों का कमीशन लंबित है। सरकार सिर्फ डीलरों से काम कराते जा रही है और उनकी भविष्य का कोई ध्यान सरकार को नहीं है। डीलर भुखमरी के कगार पर है। रोज नए-नए नियम थोपे जा रहे हैं। अब भूखे डीलर कोई भी काम करने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए सरकार अति शीघ्र डीलर का एक साल से लंबित कमीशन का भुगतान करें अन्यथा डीलर सड़क पर उतरेंगे। इसे लेकर संघ की बैठक की गई। बैठक में अनवर अली, महेंद्र पासवान, अशोक कुमार साह, भगवान जोशी, महेश मलिक, बासुकीनाथ यादव, संजय मंडल, विनोद सिंह, मन्नू सिंह, प्रभु नाथ यादव, मनोज कुमार चौधरी, कैलाश यादव, आदि शामिल थे।

स्वास्थ्य कर्मियों ने कालाजार व कीटनाशक छिड़काव को लेकर लोगों को किया जागरूक

साहिबगंज: तालझारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गुरुबार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोखरिया के ग्राम – उदयपुर में छिड़काव कार्य 3 स्क्वाड के साथ किया गया। जिसमे ब्लॉक लेखा प्रबंधक देव नारायण रविदास ने कीटनाशी छिड़काव का निरीक्षण किया। एमपीडब्ल्यू बिनय कुमार, जाफर आलम, कृष्णनंदन कुमार साहिया निर्मला मुर्मू ने भाग लिया। छिड़काव के साथ साथ लोगो को बताया गया कि दो सफ्ताह से अधिक या रुक रुक कर बुखार आना कालाजार हो सकता है, घरों के आस पास जल जमाव नही होने देना है और साफ सफाई का बिशेष ध्यान रखना है।

करंट लगने से दुकानदार की मौत

पूर्वी सिंहभूम: जिले के बहरागोड़ा में गुरुवार सुबह करंट लगने से एक किराना दुकानदार की मौत हो गई। घटना बहरागोड़ा थाना क्षेत्र स्थित नेताजी शिशु उद्यान के पास की है। मृतक की पहचान जयंत दास के रूप में हुई है, जो जयंत स्टोर नामक किराना दुकान चलाते थे। जानकारी के अनुसार, जयंत दास अपनी दुकान में रखे फ्रीज में सामान व्यवस्थित कर रहे थे, तभी वह अचानक बिजली के तार के संपर्क में आ गए। करंट लगने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन और स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए पीआरएम मेडिकल कॉलेज, बारीपदा रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

साहिबगंज में दो सड़क हादसे मासूम बच्ची समेत दो की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के महराजपुर -राजमहल मुख्य मार्ग पर गुरुवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवकों की मौत हो गई, जबकि एक छोटी बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया।जानकारी के अनुसार पहली घटना साहिबगंज जिले के तालझारी थाना क्षेत्र के मसकलैया में गुरुवार को सुबह 11 बने मसकलैया निवासी विष्णु राय के पुत्री चित्रलेखा कुमारी 3 वर्ष,एनएच 80 पर पैदल जा रहे थे। तभी महराजपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक जेएच 18 एन 3257 ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हो गया।वही बच्ची को जिला अस्पताल ले जाया गया जिसे मालदा रेफर किया गया लेकिन बच्ची की मौत रास्ते में ले जाने के दौरान हो गई। इधर बाइक सवार मौके से बाइक लेकर फरार हो गए वही इतने तेज रफ़्तार में थी की घटना से महज 5 किलो मीटर के दूरी में दूसरे व्यक्ति राजमहल थाना क्षेत्र के घाटजमनी पंचायत के सेलमपुर निवासी मागन मंडल 40 वर्ष पिता जगन मंडल को टक्कर मार दिया जिसे उसकी मौत मौके पर ही हो गई। वही परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर राजमहल-महाराजपुर फोरलेन को जाम कर दिया। इसकी सूचना स्थान पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर पहुंचे परिजन को समझने का प्रयास किया लेकिन परिजन नहीं समझने पर राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी, तालझारी थाना प्रभारी नीतीश कुमार पांडे, कांग्रेस नेता अजय मंडल एवं समाजसेवी द्वारा घटना स्थल पर पहुंचे जिसमें 5 घंटे कड़ी मेहनत के बाद जाम को समझा बुझा कर हटाने का प्रयास किया जा रहा था,लेकिन खबर लिखे जाने तक जाम नहीं हटा था।

पाकुड़ में एसडीपीआई प्रखंड कमेटी की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में SDPI पाकुड़ प्रखंड कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष मोसा शेख की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष मो० हंजेला शेख, प्रदेश महासचिव संगठन सह जिला प्रभारी शमीम अख्तर, तथा जिला अध्यक्ष मोबारक शेख उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी मुद्दों पर चर्चा की गई और संगठन को ब्रांच स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष मो० हंजेला शेख ने कहा SDPI जनता की सच्ची आवाज है। हमें जमीनी स्तर तक संगठन को सशक्त करना है ताकि वंचित और दबे-कुचले वर्ग की समस्याओं को राजनीतिक मंच पर प्रभावी ढंग से उठाया जा सके। प्रदेश महासचिव संगठन सह जिला प्रभारी शमीम अख्तर ने कहा संगठन की मजबूती तभी संभव है जब हमारे कार्यकर्ता समाज के बीच जाकर जनता की वास्तविक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए संघर्ष करें। SDPI का उद्देश्य है न्याय, समानता और जनहित के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ना। बैठक के अवसर पर जिला महासचिव संगठन मोजाहेदुल इस्लाम, दिल मोहम्मद शेख, रफिकुल इस्लाम, नूर मोहम्मद, मनीरुल इस्लाम, मोकम्मेल शेख, एमादुल शेख सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक का स्वागत भाषण प्रखंड अध्यक्ष मोसा शेख ने किया तथा समापन भाषण प्रखंड महासचिव मगफेरत शेख ने प्रस्तुत किया। बैठक के अंत में सभी कार्यकताओं ने शपथ ली कि पार्टी को हर ब्रांच स्तर तक संगठित एवं मजबूत किया जाएगा।

गंगा हरित अभियान के तहत छात्रों के बीच फलदार पौधों का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत गुरुवार को भरतीया कॉलोनी रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोहरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में सरस्वती शिशु विधा मंदिर के छात्र छात्राओं के बीच फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, सेवानिवृत शिक्षक पंडित जगदीश शर्मा, विद्यालय शिक्षक अमित कुमार सिंह सहित अन्य ने आम, लीची का पौधा स्कूली छात्रों को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। ईस्टर्न चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदा जो आ रही है वो विकास के नाम पर प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है। वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है। प्रत्येक वर्ष वृक्ष का जन्मदिन अवश्य मनाए। शिक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा कि एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है, कोरोना काल में हमलोगों ने ऑक्सीजन के महत्व को समझा। पेड़, पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे। सेवानिवृत शिक्षक पंडित जगदीश शर्मा ने कहा कि वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा। पानी की आवश्यकता वायु की आवश्यकता, खाने की आवश्यकता पेड़,पौधा से ही होता है। प्रतिदिन वृक्ष का सेवा करके उसको बड़ा करे, पहला फल का सेवन करे मन आनंदित होगा। पौधा से हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिलता है। वही चौथे दिन पौधा वितरण कार्यक्रम में 453 स्कूली छात्र छात्राओं व आम जनो के बीच आम, नारियल, शरीफा, आंवला, कटहल, लीची, अमरूद, तूत, खिन्नी, बेल, मालबेरी सहित अन्य फलदार पौधा का वितरण किया गया है। सुबह 7 बजे से 8 बजे तक पौधा वितरण किया जाएगा। वही स्कूली छात्र छात्राएं शिक्षक अमित कुमार सिंह व शिक्षिका की अगुवाई में हाथों में पौधा लेकर शहर भ्रमण करते हुए लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया ओर एक पेड़ मां के नाम, पौधा लगाए जीवन बचाए, प्राकृतिक को हरा भरा रखे जैसे जागरूकता नारा लगाया।

आदिवासियों के बलिदान के साथ विश्वासघात कर रही कांग्रेस और झामुमो : मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : भाजपा एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष तीरथ जमुदा, पदाधिकारी हरि चरण शांडिल और रानी बांदिया ने गुरुवार को एक संयुक्त प्रेस बयान जारी करते हुए कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा पर आदिवासियों के संघर्ष और बलिदान के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। एसटी मोर्चा के नेताओं ने कहा कि झारखंड की धरती संघर्ष और शहादत की साक्षी रही है। आठ सितम्बर 1980 के गुवा गोलीकांड और एक जनवरी 1948 के खरसावां गोलीकांड जैसी घटनाएं कांग्रेस शासन की क्रूरता और आदिवासी विरोधी मानसिकता का प्रमाण हैं, जहां निर्दोष आदिवासियों को गोलियों से भून डाला गया था। तीरथ जमुदा ने कहा कि कांग्रेस ने न केवल झारखंड आंदोलन को दबाने की कोशिश की, बल्कि आंदोलनकारियों को प्रताड़ित भी किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आदिवासी अधिकारों के लिए संघर्ष किया, वही पार्टी आज कांग्रेस जैसी आदिवासी विरोधी पार्टी के साथ सत्ता का आनंद ले रही है। भाजपा नेताओं ने हेमंत सोरेन सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि जो नेता खुद को आदिवासियों की आवाज बताते हैं, वे आज सत्ता की मलाई चखने में लगे हैं। उन्होंने पूछा कि जो पार्टी कभी झारखंड बनने के खिलाफ थी, आज वही झारखंड की सत्ता में भागीदार कैसे बन गई।

सदर एसडीपीओ ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक की। इस दौरान उन्होंने बारी-बारी से सभी थाना प्रभारी से उनके क्षेत्र में होने वाले कांडों के बारे में चर्चा कर कई अहम दिशा निर्देश दिया।बैठक में वाहन चेकिंग, गश्ती व वारंटियों की गिरफ्तारी, मामलों को शीघ्र निष्पादित करने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करे तथा थानों पर पहुंचने वाले हर मामलों को निष्पादित जल्द से जल्द करें। थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों के गुंडा पंजी में शामिल अपराधियों की कुंडली भी तैयार कर लें। अपराध नियंत्रण गोष्ठी में में एसडीपीओ ने लंबित मामले, शिकायतें, लंबित अनुसंधान, गैर जमानती वारंट, नोटिसों का तामिला आदि की समीक्षा की। वहीं 5 सितम्बर को ईद मिलादुन्नबी पर्व को लेकर सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ाने का निर्देश दिया। कहा कि जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। जुलूस के दौरान विभिन्न चौक चौराहा पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंजाम रहेंगे। असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पहली नजर रहेगी। बैठक में इंस्पेक्टर नन्नूदेव राय, नगर थाना से प्रवीण भास्कर, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह, बोरियो थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

विजय टू खदान बंद होने से मजदूरों में आक्रोश, दी धरना की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला के गुवा हाथी चौक में गुरुवार को झारखंड मजदूर यूनियन के बैनर तले बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुशील बारला, पूर्व मुखिया कपिलेश्वर दोंगो, झारखंड मजदूर यूनियन गुवा के अध्यक्ष लालमोहन महतो, महासचिव हेमराज सोनार, बरायबुरु यूनियन अध्यक्ष दीनबंधु पात्रो सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और मजदूर-ग्रामीण शामिल हुए। तितलीघाट, छोटानागरा, जामकुंड़िया, किरीबुरू, सोनापी, हेन्देबुरु, मनोहरपुर, गुवा, बड़ाजामदा, बोकना, टाटिबा, बरायबुरु, बिचाईकिरी, कोलायबुरु, बाईहातु, दिरीबुरु, कुमड़ी, बालिबा, बोलानी, थलकोबाद, गांगदा, घाटकुरी, नोवामुंड़ी, टोंटोगढा, झारबेड़ा, बहदा और पंडरासाली गांव के ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने कहा कि टाटा स्टील की विजय टू खदान 17 अगस्त से पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने से बंद है, जिसके चलते पूरे सारंडा क्षेत्र में भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। मजदूर बेरोजगार हो गए हैं और उनके घरों में चूल्हा तक नहीं जल पा रहा है। मजबूरी में मजदूर अपने गांव छोड़कर अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं। यह स्थिति बेहद दुखद है और सरकार को जल्द हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार बंद पड़े खदानों को पुनः चालू करने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि मजदूर भूखमरी की स्थिति से बच सकें। उन्होंने जानकारी दी कि आगामी आठ सितंबर को गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुवा आ रहे हैं। उस दिन झारखंड मजदूर यूनियन के बैनर तले हजारों मजदूर और ग्रामीण मुख्यमंत्री को खदान खुलवाने के लिए ज्ञापन सौंपेंगे। बोबोंगा ने कहा कि यदि दुर्गा पूजा से पहले खदान नहीं खोली गई, तो नोवामुंड़ी प्रखंड कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर खदान चालू कराने की मांग जोरदार ढंग से की जाएगी। बैठक के बाद झारखंड मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने टाटा स्टील की विजय टू खदान प्रबंधन से भी खदान जल्द खोलने को लेकर बातचीत की। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, भारत आदिवासी पार्टी के अध्यक्ष सुशील बारला, यूनियन अध्यक्ष दीनबंधु पात्रों, लालमोहन महतो, महामंत्री हेमराज सोनार, प्रकाश राऊत सहित विभिन्न गांवों के मजदूर और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार बाइक ने बालिका को मारी टक्कर, हायर सेंटर रेफर

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के जोंका निवासी विष्णु राय की पुत्री चित्रलेखा कुमारी को गुरुवार दोपहर अज्ञात तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक ने जोरदार टक्कर मारकर मौके पर से फरार हो गया। जहां इस सड़क दुर्घटना में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई और उसके बाएं कान से खून बहने लगा जिसके बाद परिजन उसे आनन फानन में बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आए जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. तबरेज आलम ने प्राथमिक उपचार करते हुए उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। उधर सदर अस्पताल से बालिका को हायर सेंटर रेफर किए जाने के बाद परिजन 108 एंबुलेंस की सुविधा पाने के लिए दर बदर भटकते नजर आए जहां बालिका को गोद में लिए हुए परिजन सदर अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर धूप में बैठे नजर आए। हालांकि सदर अस्पताल में 108 एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिलने के बाद परिजन प्राइवेट वाहन से ही गंभीर रूप से घायल बालिका को बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर लेकर चले गए। उधर मामले को लेकर सदर अस्पताल के जयराम यादव ने बताया कि गंभीर रूप से घायल बालिका के परिजनों को सरकारी एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही थी जिसमें सरकार के द्वारा तय किए गए राशि को जमा करने के बाद ही यह सुविधा उन्हें उपलब्ध हो पाती मगर परिजनों ने बिना बात किए ही प्राइवेट वाहन से लेकर चले गए हैं।

कबाड़ी के पास मिली सरकारी स्कूलों की किताबों की खेप, हड़कंप

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर थाना के बड़ा सोनाकर स्थित पुराने मदरसा समीप कबाड़ी वाले के पास सरकारी स्कूलों की किताबें मिलने से सनसनी फैल गयी। बीते दिनों देर संध्या कबाड़ी वाला मोटरसाइकिल से कुछ बोरियों में किताबें और कॉपियां हाथीगढ़ से पश्चिम बंगाल की ओर ले जा रहे थे। इस दौरान पुराने मदरसा के समीप मोटरसाइकिल का टायर पंक्चर हो गया। जिसके बाद कबाड़ी वाले ने पंक्चर बनाने के लिये मोटरसाइकिल खड़ी की। इस बीच स्थानीय कुछ ग्रामीणों की नजर जब मोटरसाइकिल पर रखी बोरियों में भरी किताबें और कॉपियों पर गयी, तो वे चौंक गये। बोरियों में सरकारी स्कूलों में मिलने वाली कक्षा प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम एवं अष्टम की पुस्तकें थीं। ग्रामीणों ने जब कबाड़ी वाले से पूछताछ करनी चाही और शोर मचाया तो कबाड़ी वाला मोटरसाइकिल छोड़कर मौक पर से फरार हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना कोटालपोखर थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया को दिया। जिसके बाद एएसआई गुलनाज बेगम दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और सभी सामानों को जब्त कर थाना ले आयी। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूलों में बच्चों को मुफ्त में मिलने वाली किताबें बड़ी मात्रा ने कबाड़ी वालों के पास बेची जा रही हैं। थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

भैंस चराने को लेकर विवाद, तीन लोगों ने युवक को पीटा

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शोभनपुर समेट टोला निवासी युवक मो. हबीब उम्र 18 वर्ष पिता ऐनुल हक गुरुवार दोपहर को जब भैंस चराने के लिए खेत गया हुआ था तो वहां पहले से मौजूद आयश अली, दिलकश मौलवी और मो. एहसान ने खेत से भैंस चराने से मना किया। जहां युवक ने खेत में भैंस चराने से मना करने का कारण पूछा तो तीनों लोगों ने लाठी डंडे से उसके सिर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसके बाद घायल युवक किसी तरह से अपनी जान बचाते हुए घर पहुंचा और मारपीट मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके बाद परिजन घायल युवक को साथ लेकर मुफ्फसिल थाना पहुंचे और मारपीट मामले की शिकयत पुलिस से की जिसके बाद घायल युवक को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल भेज दिया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने फौरन इलाज किया। उधर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र की पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन में जुटी हुई है।

मजदूरी कर लौट रहे, दिल्ली से अमित कुमार उर्फ सुमन की ट्रेन से गिरने पर हुई मौत

साहिबगंज: सदर प्रखंड क्षेत्र के हाजीपुर पूरब पंचायत के बड़ी कोदरजन्ना पूरब टोला के रहने वाले अमित कुमार उर्फ सुमन, पिता कुलदीप मंडल जो कि दिल्ली से मजदूरी कर अपने घर दोस्तों के साथ आ रहे थे। इसी क्रम में कानपुर सेंट्रल स्टेशन से आगे मनौरी स्टेशन से चार किलोमीटर पीछे मंगलवार की देर शाम करीब आठ बजे गिर गया। जिसके बाद उसके मित्र हो हल्ला करने लगा तभी ट्रेन को किसी प्रकार से रोका गया और उसके बाद वहां की पुलिस प्रशासन द्वारा मृतक अमित कुमार उर्फ सुमन का पोस्ट मॉडम कराने के बाद घर से आए परिजन को सुपुर्द कर दिया। यह घटना मंगलवार की रात्रि में घटित हुई जिसे गुरुवार को एंबुलेंस से घर लाया गया। वही इस घटना की सुचना मिलने के बाद माता पिता व भाई बहन क्ा रो- रो कर बुरा हाल था व पूरे गांव में मानो मातम सा पसर गया है।

बाढ़ के कारण मवेशियों को नहीं मिल रहा खाने को चारा

साहिबगंज : जिला के उधवा प्रखंड में गंगा नदी के बाढ़ के कारण मनुष्य ही नहीं पालतू मवेशियों के लिए चारा की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। एक तो बाढ़ के कारण सारे खेत आदि अन्य जगहा डूबे हुए हैं और ग्रामीण दूसरे स्थान पर पलायन किए हुए हैं। उनके साथ उनका मवेशी भी है। करीब डेढ़ माह से मवेशी मालिक सभी मवेशी के साथ खानाबदोश बने हुए हैं। अब इन मवेशियों के सामने चार की गंभीर समस्या पशुपालकों के सामने उत्पन्न हो गई है।

उच्च यील्ड और नकदी की भरमार से कॉर्पोरेट्स का उधारी से किनारा

- बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के बावजूद कंपनियां पूंजीगत खर्च के लिए बैंक ऋण लेने से बच रही हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनियां इन दिनों पूंजी जुटाने के पारंपरिक साधनों जैसे बैंक ऋण और कॉर्पोरेट बॉन्ड का कम इस्तेमाल कर रही हैं, भले ही बॉन्ड यील्ड में तेजी देखी जा रही हो। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी होने के चलते वे नई परियोजनाओं के लिए उधारी लेने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहीं। जुलाई-अगस्त 2025 में कंपनियों ने केवल 1.19 लाख करोड़ रुपये की पूंजी घरेलू ऋण पूंजी बाजार से जुटाई, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में यह आंकड़ा 3.42 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में बॉन्ड के जरिए 69,125 करोड़ और अगस्त में 50,152 करोड़ रुपये जुटाए गए। बॉन्ड बाजार में यील्ड में 20-25 आधार अंक की वृद्धि हुई है, जिससे निवेशकों का रुख सरकारी प्रतिभूतियों और राज्य विकास ऋण की ओर बढ़ गया है। इस बदलाव के चलते कॉर्पोरेट बॉन्ड की मांग कमजोर हुई है। जुलाई की शुरुआत में 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.3 फीसदी थी, जो अगस्त के अंत तक 6.6 फीसदी पर पहुंच गई। बैंक ऋण की मांग भी सुस्त रही है।

आरबीआई के अनुसार, 25 जुलाई को समाप्त पखवाड़े में ऋण वृद्धि दर सालाना 6 फीसदी रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 10.2 फीसदी थी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यील्ड में अस्थिरता और उचित मूल्य का आकलन मुश्किल होने के कारण कॉर्पोरेट उधारी में अनिश्चितता बनी हुई है। जब तक यील्ड स्थिर नहीं होती या कंपनियों की कैपेक्स योजना आगे नहीं बढ़ती, ऋण बाजार में रफ्तार की उम्मीद कम है।

इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए डाक सेवाएं निलंबित कीं

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने 800 डॉलर तक के सामान पर लागू शुल्क-मुक्त डी-मिनिमिस छूट को खत्म कर दिया है। इससे अब अमेरिका में छोटे मूल्य के आयात पर भी शुल्क और कर लगना शुरू हो गया है। इस कदम के विरोध में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका के लिए अपनी सभी डाक सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

2023 में इंडिया पोस्ट ने अमेरिका को 1.3 करोड़ पत्र भेजे थे, जो 2018 की तुलना में 80 फीसदी कम हैं। हालांकि, पार्सल भेजने में वृद्धि हुई है, जो 5.3 लाख पर पहुंच गया है। कोविड-19 के दौरान अमेरिका में डी-मिनिमिस आयात बढ़कर 67 अरब डॉलर हो गया था। वित्त वर्ष 2025 के नौ महीनों में यह लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया। चीन की हिस्सेदारी घटकर 57.9 फीसदी रह गई है, जबकि कनाडा और ब्रिटेन की हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस फैसले से भारत से अमेरिका जाने वाली डाक सेवाओं और ई-कॉमर्स व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इंडिया पोस्ट को नई रणनीतियां बनानी होंगी या अन्य बाजारों की ओर रुख करना होगा।

मोटर वाहन उद्योग ने जीएसटी दरों में कटौती को बताया समयानुकूल फैसला

उद्योग संगठनों ने सरकार के कदम को साहसिक सुधार बताया

मुंबई ।

सरकार द्वारा मोटर वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती के फैसले का मोटर वाहन उद्योग ने जोरदार स्वागत किया है। उद्योग का मानना है कि यह निर्णय समय पर लिया गया है और इससे वाहनों की मांग में वृद्धि होगी, जिससे पूरे सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी। सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा वाहनों पर जीएसटी को 18 फीसदी से 40 फीसदी के बीच निर्धारित करना उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जल्द ही बिना बिके वाहनों पर क्षतिपूर्ति उपकर से संबंधित तंत्र को भी अधिसूचित करेगी, जिससे इस बदलाव को सुचारू रूप से लागू किया जा सके। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक अधिकारी ने इसे साहसिक और प्रगतिशील सुधार बताया और कहा कि यह कदम सामर्थ्य बढ़ाएगा व परिवहन क्षेत्र को समावेशी बनाएगा।

वहीं ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अधिकारी ने सभी ऑटो पार्ट्स पर 18 फीसदी की एक समान जीएसटी दर तय करने को ऐतिहासिक कदम बताया। टीवीएस मोटर कंपनी ने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए खपत बढ़ाने वाला निर्णय बताया। उद्योग को उम्मीद है कि इस सुधार से न केवल बिक्री में वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादन, निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क का असर कम करने सरकार सक्रिय

पीयूष गोयल की उद्योग प्रतिनिधियों संग बैठक, गुणवत्ता सुधार और वैकल्पिक बाजारों की तलाश पर जोर

नई दिल्ली।

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 फीसदी तक के शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार कारोबारी सुगमता, लक्षित व्यापार समर्थन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये मौजूदा चुनौतियों का समाधान निकालने में जुटी है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारें, वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलें और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर वैकल्पिक बाजारों की तलाश करें। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जरूरत पर व्यापक सहमति बनी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात वृद्धि को रफ्तार देने और विभिन्न क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम चल रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के चलते बढ़ती लागत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने मांग की कि सरकार शुल्क के अतिरिक्त बोझ को साझा करे और प्रस्तावित निर्यात संवर्धन मिशन को जल्द लागू किया जाए। सरकार ने आश्वस्त किया कि निर्यातकों को उपयुक्त माहौल देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आमजन को बड़ी राहतः जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी शून्य

– 33 जीवन रक्षक दवाएं टैक्स फी, 22 सितंबर से लागू होगा नया जीएसटी ढांचा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार शाम एक अहम घोषणा करते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ढांचे में बड़ा बदलाव किया। इसका सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य क्षेत्र और आम आदमी पर पड़ेगा। सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाला 12 फीसदी जीएसटी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। यानी अब ये दवाएं टैक्स फ्री होंगी। साथ ही कैंसर, रेयर बीमारियों और अन्य गंभीर क्रॉनिक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन प्रमुख दवाओं पर भी 5 फीसदी जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सामान्य दवाओं और मेडिसिन्स पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें ऑर्गेनो-थेरेप्यूटिक इस्तेमाल के लिए ग्लैंड्स और अन्य ऑर्गन्स, ग्लैंड्स या ऑर्गन्स के एक्सट्रैक्ट्स या उनके स्राव; हेपरिन और इसके साल्ट्स; मानव या पशु पदार्थ जो थेरेप्यूटिक या प्रोफिलैक्टिक उपयोग के लिए तैयार किए गए हों। इस फैसले से आम मरीजों को राहत मिलेगी और इलाज की लागत में कमी आएगी। सरकार ने टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए नए जीएसटी ढांचे में अब सिर्फ दो स्लैब रखे हैं- 5 फीसदी और 18 फीसदी। वहीं सुपर लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे शराब, तंबाकू आदि) पर 40 फीसदी का विशेष स्लैब लागू किया जाएगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। मेडिकल, सर्जिकल, डेंटल और वेटरनरी उपकरणों पर भी जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें डायग्नॉस्टिक किट्स, ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर, बैंडेज और गॉज जैसे जरूरी उपकरण शामिल हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपय करीब 11 पैसे की गिरावट के साथ 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बाजार धारणा में सुधार हुआ और वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर कमजोर रुख के साथ खुला। फिर इसमें तेजी आई और 87.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि फिर से फिसलकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.02 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.21 पर आ गया।

आईईएक्स का अगस्त बिजली कारोबार 18.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का अगस्त 2025 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 18.9 बढ़कर 1180.3 करोड़ यूनिट हो गया। बढ़ती मांग के बावजूद एक्सचेंज पर बिजली की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम रहीं, जिसका कारण आपूर्ति पक्ष की बेहतर नगदी रही। अगस्त में डे-अहेड मार्केट में बिजली का औसत मूल्य 4.00 रुपए प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वर्ष से 7 फीसदी कम है। इस खंड में कुल 479.7 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जो जुलाई 2024 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है और कुल कारोबार में इसका हिस्सा 34 फीसदी रहा। वहीं रियल टाइम मार्केट में कारोबार 44 फीसदी बढ़कर 502.9 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें कीमत 3.38 रुपए प्रति यूनिट रही, जो सालाना 6 फीसदी की गिरावट दर्शाता है।

दिवाली पर हवाई किराया 50 फीसदी तक बढ़ा, उड़ानें कम हुईं

मुंबई । इस साल दीवाली सप्ताह (19 से 25 अक्टूबर) में हवाई किराया पिछले साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मुंबई-पटना मार्ग का औसत इकॉनमी क्लास किराया 14,540 रुपए रहा, जबकि पिछले साल 9,584 रुपए था। बेंगलूरु-लखनऊ मार्ग पर किराया 9,899 से बढ़कर 6,720 रुपए हो गया है। रुपये की कमजोरी और विमानों की कमी इसके मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। त्योहारों के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अग्रिम बुकिंग भी तेज़ हो गई है। प्रमुख महानगरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई में टिकट बुकिंग में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। इस साल अक्टूबर में घरेलू उड़ानों की संख्या प्रति सप्ताह 22,709 है, जो पिछले साल के 23,437 से 3.1 प्रतिशत कम है। एयर इंडिया का विमान रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम उसकी उड़ान सेवा को प्रभावित कर रहा है। इंडिगो की उड़ान संख्या में मात्र 1.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है।

भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू, पर्यटन क्षेत्र में बढ़ेगी रौनक

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के पर्यटन क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने वाला है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स ने बताया कि अगर वीजा सुविधाओं और प्रचार अभियान को बेहतर तरीके से संभाला गया तो अगले 12 से 18 महीनों में चीन से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि संभव है। कोविड-19 महामारी के बाद बंद हुए हवाई रास्ते खुलने से यात्रा तेज, सुविधाजनक और किफायती होगी। एयर इंडिया, चाइना ईस्टर्न, चाइना सदर्न, एयर चाइना और चाइना एयरलाइंस जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने उड़ान बहाली की घोषणा के बाद तुरंत सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर ली है। आईएटीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टूर ऑपरेटर और यात्रा एग्रीगेटर आकर्षक यात्रा पैकेज तैयार कर रहे हैं और डिजिटल बुकिंग सिस्टम में सुधार कर रहे हैं। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के अनुसार चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने से भारत की पर्यटन उद्योग को कोविड-19 से पहले के स्तर को पार करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया है।

रिलायंस जियो की 9वीं वर्षगांठ पर फ्री असीमित डेटा और खास ऑफर

मुंबई । रिलायंस जियो ने अपनी 9वीं वर्षगांठ के मौके पर ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार दिया है। कंपनी ने घोषणा की है कि 349 रुपये या उससे अधिक मूल्य वाले प्लान के ग्राहकों को 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक महीने के लिए फ्री असीमित डेटा मिलेगा। यह ऑफर मौजूदा प्लान के आधार पर अलग-अलग अवधि के लिए उपलब्ध होगा। साथ ही, इस ऑफर में मनोरंजन और अन्य ऐप की सब्सक्रिप्शन भी शामिल हैं। वर्तमान में जियो 5जी स्मार्टफोन वाले ग्राहकों को 349 रुपये या उससे अधिक वाले प्लान में अनलिमिटेड 5जी डेटा देती है। जियो ने उन ग्राहकों के लिए भी खुशखबरी दी है जिन्होंने लगातार 12 महीने तक 349 रुपये के प्लान का रिचार्ज किया है। ऐसे ग्राहकों को 13वें महीने की सेवा बिल्कुल मुफ्त मिलेगी। इस पहल से जियो अपने ग्राहकों को लंबे समय तक जोड़ने की कोशिश कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो को 50 करोड़ से अधिक भारतीयों का भरोसा मिला है, जो इस कंपनी की ताकत का परिचायक है। उन्होंने सभी जियो उपयोगकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मील का पत्थर कंपनी के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही, जियो फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने प्रवर्तक समूह की कंपनियों से 3,956 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। सिक्का पोर्ट्स और जामनगर यूटिलिटीज को कुल 50 करोड़ वारंट आवंटित किए गए हैं। यह पूंजी जेएफएसएल के विस्तार में मदद करेगी।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के चौथे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जीएसटी पर आये फैसले के बाद बाजार ऊपर आया पर आईटी और पीएसयू बैंक शेयरों में बिकवाली से पड़े दबाव से फिर नीचे आने लगा। अंत में 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त लेकर 80,718.01 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 19.25 अंक या 0.08 फीसदी उछलकर 24,734.30 पर बंद हुआ।

आज महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित वाहन ऑटो स्टॉक्स में तेजी से बाजार को बढ़त मिली। जीएसटी काउंसिल ने दो स्लैब वाले नए स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में इस फैसले का अच्छा प्रभाव देखा गया। आज सुबह सेंसेक्स तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक उछल गया था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,980.75 अंक के इंट्रा-डे हाई तक गया। निफ्टी ने दिन की शुरुआत मजबूत बढ़त के साथ की। इसमें वाहन और कंज्यूमर स्टेपल्स सेक्टर की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली और दिग्गज शेयरों में कमजोरी के कारण इंडेक्स नीचे आ गया।

एसटी 2.0 सुधारों से खपत-आधारित रिकवरी की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इसमें ऑटो और कंज्यूमर स्टेपल्स को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। । हालांकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं, लगातार हो रही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के कारण बाजार पर विपरीत प्रभाव बना रहा है।आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। जबकि मारुति सुजुकी, बीईएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे।

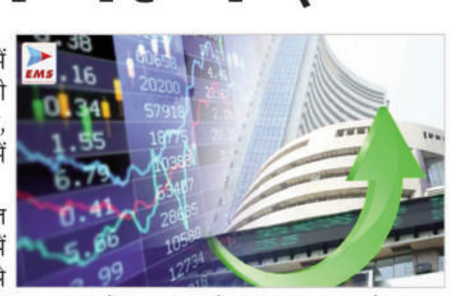

इसी तरह प्रकार पर भी महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर उछले। जबकि एचडीएफसी लाइफ, टाटा कंज्यूमर और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी ऑटो 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे मजबूत सेक्टर रहा, इसके बाद एफएमसीजी ने 0.24 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की। गिरावट वाले सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक , आईटी और मीडिया क्षेत्र रहा।

वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई। यह तेजी वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में आई रैली के बाद देखने को मिली। उससे नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में मजबूती आई। हालांकि आर्थिक चिंताओं के चलते निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.57 फीसदी ऊपर ट्रेड कर रहा था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.67 फीसदी बढ़ा चढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़ा, जबकि चीन का सीएसआई 300 लगभग स्थिर रहा।

भारत बनेगा वैश्विक स्टील मांग का नया केंद्र, चीन की पकड़ होगी ढीली

– 2050 तक चीन की हिस्सेदारी घटकर 31 फीसदी होने की उम्मीद

मुंबई ।

आगामी दशकों में भारत वैश्विक स्टील की मांग का प्रमुख केंद्र बनकर उभरने जा रहा है, जबकि चीन की पकड़ इस क्षेत्र में कमजोर होती दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में चीन की वैश्विक स्टील खपत में हिस्सेदारी 49 फीसदी थी, जो 2050 तक घटकर 31 फीसदी हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत भारत की हिस्सेदारी वर्तमान 8 फीसदी से बढ़कर सदी के मध्य तक 21 फीसदी तक पहुंच सकती है। एक शोध संस्था के अनुसार चीन में स्टील की मांग में गिरावट का मुख्य कारण वहां की अर्थव्यवस्था का पारंपरिक बुनियादी ढांचे-आधारित विकास मॉडल से हटना है। चीन में स्टील की प्रमुख मांग रियल एस्टेट क्षेत्र से आती थी, जो अब लगातार कमजोर हो रहा है। साथ ही, चीन में अधिशेष उत्पादन भी बढ़ने की आशंका है। 2050 तक यह अधिशेष 50 टन तक पहुंच सकता है, और दीर्घकाल में यह 350 टन से भी अधिक हो सकता है। शांदोंग और जियांग्सू जैसे प्रमुख प्रांतों ने उत्पादन में कटौती शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर, भारत का परिदृश्य मजबूत बना हुआ है। वर्ष 2024 में देश में स्टील की मांग में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और 2025 में इसमें 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। दीर्घावधि में यह वृद्धि 4-5 फीसदी सालाना रहने की उम्मीद है। इस वृद्धि के पीछे सरकार की यातायात गलियारे, नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास जैसी परियोजनाओं में निवेश और वाहन व मशीनरी क्षेत्रों में बढ़ती मांग जिम्मेदार है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक स्टील उद्योग में नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

मदर डेयरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी जीएसटी कटौती का लाभ

नई दिल्ली ।

मदर डेयरी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह केंद्र सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों पर की गई जीएसटी कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को देगी। यह निर्णय पनीर, चीज़, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय और आइसक्रीम जैसे उत्पादों पर लागू होगा। मदर डेयरी के एक प्रमुख अधिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की पहुंच उपभोक्ताओं तक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पैकेज्ड श्रेणी की मांग तेजी से बढ़ रही है और इस सुधार से उसमें और इज़ाफा होगा। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह इस कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अधिक अवसर मिलेंगे।

बिहार बंद के दौरान पीएम पर अशोभनीय टिप्पणी

बीजेपी कार्यकर्ता और शिक्षिका के बीच धक्का-मुक्की

पटना। महागठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी मां को विरुद्ध अभद्र भाषा विवाद को लेकर गुरुवार को एनडीए की मातृशक्ति ने बिहार बंद का आह्वान किया है। आपात कालीन सेवा को बंद से मुक्त रखा गया है।प्रदेशव्यापी बिहार बंद में भाजपा, जदयू, लोजपा(रा), हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) एवं रालोमो (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) की नेत्रियां सड़क उतरेंगी। बिहार बंद समर्थकों ने सुबह सात से 12 बजे तक बंद की घोषणा की है। बंद से रेल सेवा को भी मुक्त रखा गया है। एनडीए नेत्रियों का आरोप है कि घटना बिहार को कलंकित करने वाली है। मां भगवान की प्रतिमूर्ति होती है। मां अपनी कोख में नौ महीने बच्चे को रखती है। फिर कैसे किसी राजनीतिक मंच से मां को भद्दी भद्दी गालियां दी जा सकती हैं? जो हमें भगवान की तरह पाल-पोस कर बड़ा करती हैं, क्या कोई उसी मां को गाली देने के विषय में सोच सकता है?

दरंभगा की इस घटना ने विश्व में शर्मसार किया। एनडीए ने स्पष्ट किया है कि बंद का उद्देश्य इस घटना का प्रतिकार करना है। बिहार की राजनीति में संभवतः पहली बार एनडीए महिलाओं मोर्चा बंद कार्यक्रम में अपनी अहम भूमिका निभाएगी। महिलाओं का आरोप है कि पीएम मोदी एवं उनकी मां पर अमर्यादित टिप्पणी लोकतांत्रिक परंपरा का भी अपमान है। महागठबंधन की ओर से अब तक इस घटना को लेकर माफी नहीं मांगी गई है। यह उनके अहंकार का परिणाम है। बंद का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता, जदयू की महिला मोर्चा की अध्यक्ष भारती मेहता लोजपा(रा) महिला मोर्चा की शोभा सिन्हा, रालोमो की स्मृति कुशवाहा एवं हम की हम की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष स्मिता शर्मा करेंगी। एनडीए का बिहार बंद को लेकर बलिया स्टेशन चौक पर एनएच 31 जाम कर आवाज बुलंद करते कार्यकर्ता, मौके पर सीओ रवि कुमार अपनी ड्यूटी पर तैनात। राजग का बिहार बंद को लेकर मुख्यालय के कचहरी चौक पर सड़क जाम कर विरोध जताते कार्यकर्ता। मोदी जी की मां का अपमान नहीं सहेंगे के नारे लगाए जा रहे। बंद को सफल बनाने में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, जदयू विधायक राजकुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष व कार्यकर्ता हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए सड़क पर उतरकर यातायात परिचालन बंद कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने के विरोध में बिहार बंद के दौरान शहर प्रदर्शन करती एनडीए की महिला नेत्री और अन्य नेता। नावकोठी थाना चौक को जाम करते राजग कार्यकर्ता। चारा ले जाते किसान भी जाम में फंसे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां पर किए गए अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ भाजपा के बिहार बंद का बेतिया में साफ असर दिख रहा है। सड़के सूनी है, बहुत कम सवारियां चल रही है।

एनएच पर भी वाहनों की रफ्तार थम गई है। हाजीपुर में एनडीए कार्यकताओं ने कई जगह पर सड़क जामकर नारेबाजी की। हाजीपुर शहर, हाजीपुर मुजफ्फरपुर एनएच 22 हाजीपुर महनार रोड सहित वैशाली जिले के विभिन्न प्रखंडों में एनडीए कार्यकर्ता गुरुवार की सुबह सड़क पर उतरकर सड़क जाम कर दिया। जाम के दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। बिहार बंद के आह्वान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता गुरुवार को सड़क पर उतर आए। आरा शहर के मठिया मोड़ के पास भाजपा कार्यकताओं ने सड़क जाम कर जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकताओं ने राहुल गांधी माफी मांगो और राहुल-तेजस्वी मुदार्बाद के नारे लगाए। इसके अलावा सहार में सहार -अरवल पुल को जाम कर भाजपा नेताओं ने सड़क जाम किया। बीहट चांदनी चौक पर सड़क जाम करते बीहट महिला मोर्चा की नेत्री आभा सिंह, अनुराधा झा के नेतृत्व में सड़क जाम सारण में गुरुवार को एनडीए के बिहार बंद का असर दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने की घटना के विरोध में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर उतर आईं। नगर पालिका चौक पर नेताओं के नेतृत्व में सड़क जाम कर विरोध जताया गया, जबकि ग्रामीण इलाकों में भी कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया इस दौरान नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां का अपमान बिहार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। जहानाबाद में बंद के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं और एक महिला शिक्षिका के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हो गई। अरवल मोड़ के पास भाजपा महिला कार्यकर्ता सड़क पर प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला शिक्षिका दीप्ति रानी अपनी कार से जाम स्थल पार करने की कोशिश करने लगी। कार्यकताओं ने रोककर वापस जाने को कहा, लेकिन वह नहीं मानी। इसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। गुस्साई महिला कार्यकताओं ने शिक्षिका को कार से उतारने की कोशिश की, जिससे धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। बताया जाता है कि झड़प के दौरान शिक्षिका ने प्रधानमंत्री पर अशोभनीय टिप्पणी पर कर दी, जिससे मामला गरमा गया।

मधुबनी में कला उत्सव-2025 का शुभारंभ

मधुबनी। बुधवार (3 सितंबर) को ह्लकला उत्सव-2025ह्व का भव्य आगाज हुआ। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने वाटसन उच्च विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय कला उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के चयनित विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बताया गया कि कला उत्सव की शुरूआत वर्ष 2015 में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना और उन्हें मंच प्रदान करना है। समग्र शिक्षा योजना 2025-26 के तहत मधुबनी जिला प्रशासन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।इस बार उत्सव की थीम ह्लविकसित भारत-2047 में भारत की परिकल्पनाह्व रखी गई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने 12 विधाओं झ्र संगीत (गायन), संगीत (वादन), नृत्य, नाटक, दृश्य कला और चित्रकला आदि में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता में चयनित होना महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन जो विद्यार्थी चयनित नहीं हो पाए, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। सफलता के लिए निरंतर प्रयास और खेल भावना ही सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी इंग्लैंड की रही, 20वीं सदी अमेरिका की रही और 21वीं सदी निश्चय ही भारत की होगी।डीएम ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर पूरी निष्ठा और एकाग्रता से ध्यान केंद्रित करें।

राजगीर में भूटान मॉनेस्ट्री का भव्य उद्घाटन

भूटान के पीएम के साथ किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री बोले- दुनिया को हमने बौद्ध धर्म दिया

राजगीर। बिहार की ऐतिहासिक धरती राजगीर आज एक महत्वपूर्ण क्षण की साक्षी बनी है। भूटान के प्रधानमंत्री लायोनचेन तैसो तेहरी टोब्गे के विशेष उपस्थिति में आज बड़वाल भूटान मॉनेस्ट्री का भव्य उद्घाटन हुआ है। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि आज भारत के लिए और भूटान के लिए दोनों देशों के लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। राजगीर हमारे देश के लिए ही नहीं दुनिया का बहुत बड़ा बौद्ध केंद्र है। पवित्र धरती इस राजगीर में भूटान के प्रधानमंत्री और उनके धर्म गुरु सबसे बड़े धर्म गुरु भूटान के दोनों यहां आकर के पूरा भूटान टीम के साथ आज इस बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया। भूटान और भारत का पुराने संबंधों को चाहे वह आध्यात्मिक संबंध हो, धार्मिक हो, राजनीतिक हो और हमारे दोनों देशों के बीच में जनता के बीच में जो संबंध है, यह सबको मजबूत करने के लिए एक प्रतीक है। भारत सरकार की ओर से मैं यहां आया हूं। मेरे साथ में विदेश मंत्रालय से अधिकारी लोग आए हैं और बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी हमारे साथ यहां आज मौजूद हैं। मैं दोनों देश भारत और भूटान के लोगों को अभिनंदन करता हूं कि इतना बड़ा काम यहां हुआ है। और आप सब को तो मालूम है आप लोगों को तो बिहार के हैं। दुनिया के कोई भी किसी भी देश का हो जब राजगीर या बोधगया आते हैं, वह धन्य हो जाते हैं और यह बुद्ध का धरती है। इस धरती में आने से अपने आप को धन्य महसूस करते हैं, क्योंकि आप पवित्र हो जाते हैं। आप लोग तो खुशकिस्मत हैं। आप लोग यहां के रहने वाले हैं। बिहार के और जो राजगीर के यहां रहने वाले हैं, आप लोग तो बहुत नसीब वाले हैं कि आप लोग यहां रहते हैं। वरना तो दुनिया से लोग कुछ क्षण के लिए राजगीर के और बोधगया के इस पवित्र धरती में आने का हमेशा तमन्ना रहती है। इसलिए मैं आप सबको भी बधाई देता हूं और राजगीर के खूबसूरत वादियों में और इस आंगन में आज आकर के मैं भी बहुत खुश हूं। भूटान के आदरणीय प्रधानमंत्री को भी धन्यवाद देता हूं। हमारे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी को भी धन्यवाद देता हूं। दोनों के आशीर्वाद और सहयोग से आज भूटान के बड़े बौद्ध मंदिर आज उद्घाटन हुआ और सब कार्यक्रम अलग-अलग यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम धार्मिक कार्यक्रम और कितने लोग यहां आए हैं, मैं भी इनमें से हूं तो अपने आप को बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी विश्व में बुद्ध का संदेश को देते है, क्योंकि दुनिया को हमने बौद्ध धर्म दिया है। आप सब को याद होगा 2014 में नए-नए प्रधानमंत्री बनने के बाद संयुक्त राष्ट्र में, यूनाइटेड नेशन में वहां संदेश दिया था कि भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। तो यह बुद्ध का देश है। यह सनातनी देश है। मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सबसे पहले इस शुभ अवसर पर हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से संदेश लाए हैं। भूटान के सभी वासियों के उनके होलिनेस का और इस मंदिर का जब शिलान्यास हो रहा था, तो मुख्यमंत्री स्वयं आए थे, आज निजी कारणों से नहीं आ पाए। उन्होंने हमें डेप्यूट किया है। यह और बड़ी खुशी की बात है और बड़े गर्व की बात है कि बिहार के धरती पर, नालंदा की धरती पर राजगीर में यह बहुत ही भव्य और बहुत ही खूबसूरत टेंपल कंस्ट्रक्शन हुआ है। जो टेंपल कॉम्प्लेक्स बना है। आज उसका लोकार्पण हुआ है और भारत और भूटान की मैत्री सदियों से है और यह जो आज का उद्घाटन हुआ और लोकार्पण हुआ इससे निश्चित रूप से भूटान और भारत की मैत्री और गहरी होगी और हम केंद्र सरकार को भी अपनी आभार प्रकट करते हैं।

संक्षिप्त डायरी

भागलपुर में बाढ़ के पानी से पुल टूटा, सड़क बही, सुपौल के कई गांवों में घुसा पानी

भागलपुर। बिहार में मानसून फिर एक्टिव हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी गुरुवार को पटना समेत 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 40डट/ल्ल की रफ्तार से हवा चल सकती है। इधर, पिछले 24 घंटे में मुंगेर और राजगीर में तेज बारिश हुई। इससे इन दोनों जिलों के लोगों को गर्मी से राहत मिली। लेकिन, पटना में सुबह से चिलचिलाती धूप निकली थी, जिससे लोग दिनभर उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। भागलपुर के नवगछिया में गंगा के पानी से पुल टूट गया है। करीब 500 मीटर सड़क बह गई है। यहां गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नेपाल में लगातार हो रही बारिश की वजह से सुपौल में कोसी उफान पर है। कोसी बराज से सोमवार रात की रात 2.75 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। इसके साथ ही 56 में से 34 गेट खोल दिए गए हैं। इससे सुपौल जिले के बसंतपुर, निर्मली, मरौना, सरायगढ़-भपटियाही, किशनपुर और सदर अंचल इलाके में पूर्वी-पश्चिमी तटबंध के अंदर बसे गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया कि, 'सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। 10 सितंबर तक मानसून कमजोर रहेगा, लेकिन 11 से मानसून एक्टिव हो जाएगा। इसके बाद 18 सितंबर तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है।' राजधानी पटना में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। यहां बादल छाए रहेंगे और रुक-रुककर हल्की बारिश हो सकती है। इससे अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र (पुणे) की रिपोर्ट के अनुसार, 4 सितंबर 2025 से बिहार में सामान्य से अधिक सक्रिय मानसून गतिविधि बनी रहेगी। 1. मानसून प्रणाली का पश्चिमी विक्षोभों के साथ मेल होने से वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है। 2. बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से लगातार नमी से भरी दक्षिणी व दक्षिण-पूर्वी हवा बिहार की ओर बढ़ रही हैं। 3. मानसून ट्रफ लाइन बारिश की संभावना को और मजबूत करेगा।

प्रेम-प्रसंग में हुई थी संतोष की हत्या, प्रेमिका गिरफ्तार

भोजपुर। पुलिस ने संतोष चौधरी हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। प्रेम-प्रसंग में संतोष की हत्या हुई थी। इस मामले में प्रेमिका आरती देवी की गिरफ्तारी हुई है। साथी मंगरू चौधरी अभी फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जो बक्सर जिले का रहने वाला है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के सहसपुरा गांव की है। पुलिस के मुताबिक आरती देनी का आरती देवी का अफेयर गांव के संतोष चौधरी और बक्सर निवासी मंगरू चौधरी से था। 30 अगस्त की रात संतोष अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा। मंगरू वहां पहले से मौजूद था। दोनों को साथ देखकर संतोष भड़क उठा और आपत्ति जताई। विवाद पढ़ने पर दोनों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। मारपीट के बाद गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को मलारी नदी के पास फेंक दिया। मंगलवार की सुबह भगवान टोला के पास नदी से शव मिला। पूछताछ के दौरान आरती ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि हत्या में मंगरू चौधरी भी शामिल था। मृतक संतोष चौधरी (38 वर्ष) सहसपुरा गांव रहने वाला था। 30 अगस्त की रात करीब 10 बजे उसके मोबाइल पर किसी ने फोन किया था। जिसके बाद वह घर से निकला और वापस नहीं लौटा। अगले दिन छोटे भाई सूरज कुमार ने चरपोखरी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि हत्याकांड में शामिल महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

जमुई। झाझा थाना क्षेत्र के बाराजोर गांव में महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। 27 वर्षीय काजल कुमारी का शव उनके घर में फंदे से लटका मिला। मृतका के परिजन ने पति आलोक कुमार उर्फ बमबम यादव और ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के भाई विनोद कुमार ने बताया कि उनकी बहन की शादी 2020 में आलोक कुमार से हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज के लिए काजल को प्रताड़ित किया जा रहा था। हाल ही में स्कॉर्पियो खरीदने के लिए मायके से पैसे की मांग की जा रही थी। परिजनों का आरोप है कि पैसे नहीं मिलने पर काजल की गला दबाकर हत्या कर दी गई। शव को 6 फीट ऊंचे छज्जे में टांगकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ कि आरोपी आलोक की यह दूसरी शादी थी। उसकी पहली पत्नी की भी 2019 में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिसे भी आत्महत्या बताया गया था। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। घटना की जानकारी के बाद एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

नीरज कुमार सिंह का विपक्ष पर हमला

सुपौल। जिले के छातापुर में बुधवार को एनडीए के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री एवं छातापुर विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। छातापुर विधायक ने कहा कि जिनके शासनकाल में बूथ लूट और मतपेटी हेराफेरी की घटनाएं आम थीं, वही आज चुनाव आयोग पर झूठे आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2005 के पहले का ह्लगुंडागर्दी का दौरह्व वापस लाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब बिहार की जनता इनके झांसे में नहीं आएगी।उन्होंने अपने 20 वर्षों के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि बिना किसी भेदभाव के क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी योजनाओं पर काम हुआ है। अगर विपक्ष को विकास नहीं दिखता, तो उन्हें ह्लआंख का इलाज करवाना चाहिए।ह्व मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि वीरपुर से जल्द हवाई सेवा शुरू होगी। साथ ही महिला आरक्षण, स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता और पेंशन बढ़ोतरी की उपलब्धियां भी गिनाईं।सम्मेलन में मंत्री हरि सहनी ने विधायक नीरज बबलू को ह्लशेर जैसा नेताह्व बताते हुए जनता से अपार समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2005 से पहले सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति बदहाल थी, लेकिन नीतीश कुमार और एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की राह पर खड़ा किया। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को एनडीए के पक्ष में मजबूत जनसमर्थन का संकेत बताया। वहीं, पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने विपक्ष को ह्लबहुरूपियाह्व बताते हुए जनता को सावधान रहने की नसीहत दी।कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र ऋषिदेव की अध्यक्षता रही और कई नेताओं ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की विकासपरक नीतियों का उल्लेख किया। वक्ताओं ने विपक्ष पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दरभंगा में पीएम की मां को गाली देने जैसी घटनाओं ने जनता को आक्रोशित किया है और इसका जवाब विधानसभा चुनाव में मिलेगा। मौके पर कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

यहां कमल खिलाने में बीजेपी को लग गए 40 साल

श्रेयसी सिंह ने किया था बड़ा उलटफेर

जमुई। बिहार की जमुई विधानसभा जिले की हॉट सीट के रूप में जानी जाती है। समाजवादियों और कांग्रेसियों का गढ़ कहे जाने वाले क्षेत्र में 2020, यानी भाजपा के गठन के 40 साल के बाद पहली बार कमल खिलने में कामयाब हुआ। अब बात इस क्षेत्र के पिछले चुनावी इतिहास की करें तो 1995 में पहली बार इस सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में वीरेंद्र सिंह ने चुनाव लड़ा और उन्हें महज पांच हजार वोट से ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद गठबंधन का दौर शुरू होने पर यह सीट जदयू के खाते में चली गई। फिर यहां से नरेंद्र सिंह ने जदयू प्रत्याशी के तौर पर 6379 वोट से जीत दर्ज की। काफी मशक्कत के बाद 2015 में यह सीट भाजपा के खाते में आई और पार्टी ने निवर्तमान विधायक अजय प्रताप पर भरोसा जताया, लेकिन पार्टी द्वारा दूसरी बार किया गया यह प्रयोग असफल हुआ और अजय प्रताप को हार का सामना करना पड़ा। 2020 के चुनाव में बाजी आखिर भाजपा के हाथ आ ही गई और पहली बार इस विधानसभा क्षेत्र से श्रेयसी सिंह ने भाजपा विधायक के तौर पर जीत हासिल की। अब देखने वाली बात यह होगी कि इतने लंबे अरसे और इतने कठिन प्रयास के बाद खिला कमल यहां खिलकर बड़ा होता है या इसकी चमक कम होती चली जाती है, यह तो इस चुनाव में ही पता चल पाएगा। 1952 से ही इस विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने जाते रहे हैं। त्रिपुरारी सिंह और सुशील कुमार सिंह को छोड़कर हर बार के चुनाव में यहां सत्ता की धुरी अलग-अलग नेताओं के साथ

घूमती रही है। दुर्गा मंडल इस विधानसभा क्षेत्र से 1952 में हुए प्रथम चुनाव में कांग्रेस पार्टी से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए। इसके बाद हरी प्रसाद शर्मा और गुरु रामदास भी कांग्रेस पार्टी से विधायक बने। त्रिपुरारी प्रसाद सिंह ने चार बार इस विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद नरदेव प्रसाद भगत ने विधायक के रूप में जीत दर्ज की। सुशील कुमार सिंह उर्फ हीरा जी ने भी विधायक के तौर पर तीन बार प्रतिनिधित्व किया। इसी विधानसभा क्षेत्र से अर्जुन मंडल, नरेंद्र सिंह, उनके मंझले पुत्र अभय सिंह, बड़े पुत्र अजय प्रताप और विजय प्रकाश ने भी जीत हासिल की। इस विधानसभा क्षेत्र से त्रिपुरारी सिंह 1967 से लेकर 1977 तक चार बार प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए। उन्होंने अलग-अलग विभागों के मंत्री के अलावा विधानसभा अध्यक्ष के पद को सुशोभित करते करने का काम किया। नरदेव प्रसाद भगत ने 1980 में इस विधानसभा क्षेत्र से पहले निर्दलीय विधायक के तौर पर जीत हासिल की। सुशील कुमार सिंह उर्फ हीरा जी ने पहली बार 1985 में कांग्रेस की टिकट से विधायक के तौर पर जीत दर्ज की। 1990 में जनता दल की लहर में भी सुशील कुमार सिंह कांग्रेस के टिकट से दोबारा विधायक बनने में कामयाब हुए। 1995 में अर्जुन मंडल ने जनता दल की टिकट से जीत दर्ज कर बिहार सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री के पद को सुशोभित किया। वर्ष 2000 में नरेंद्र सिंह, 2000 के मई में हुए उप चुनाव में सुशील कुमार सिंह, 2005 में अभय सिंह, 2010 में अजय प्रताप और 2015 में विजय प्रकाश ने विधायक के तौर पर यहां से जीत दर्ज की। 2020 में इस सीट से पूर्व रेल राज्य मंत्री स्व. दिग्विजय सिंह की छोटी पुत्री श्रेयसी सिंह ने भाजपा की टिकट से 41,000 से अधिक मतों से जीत हासिल कर फिलहाल प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

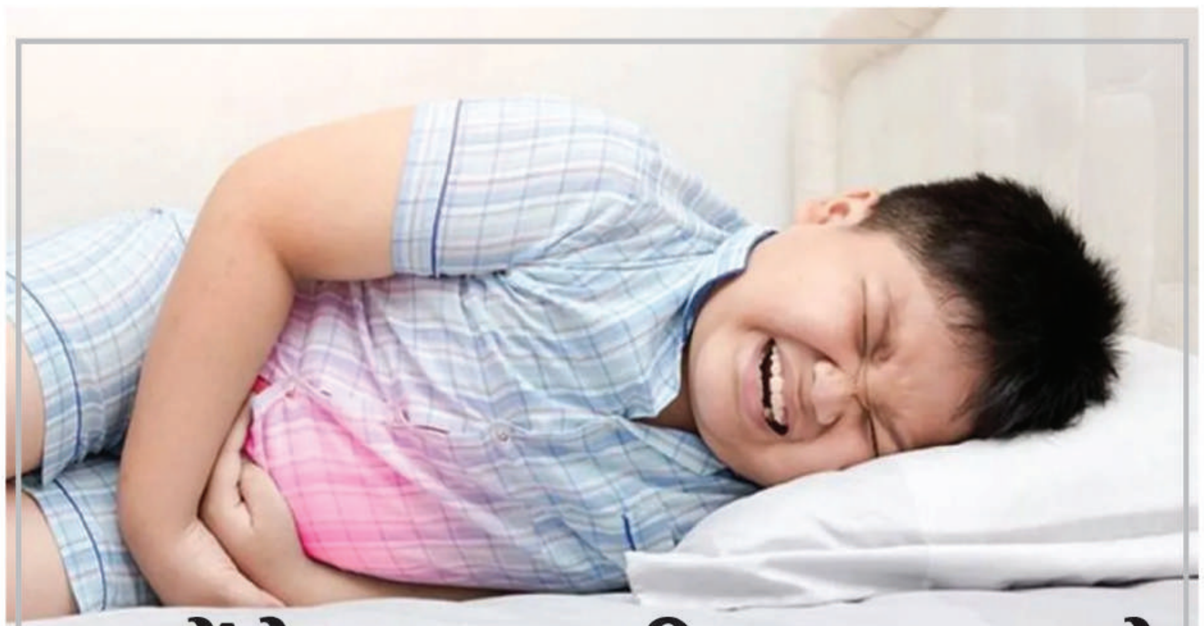

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।
बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।
भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।
सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।
अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।
दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।
मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।
सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

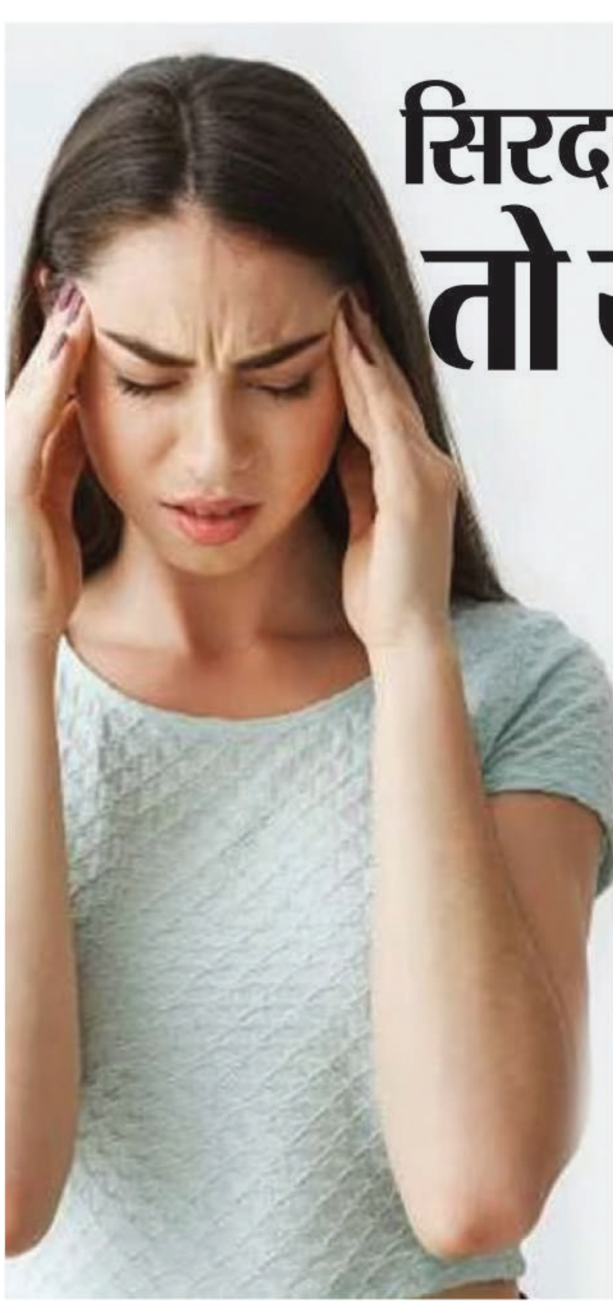

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट से लिया संन्यास, 8 साल पहले खेला था आखिरी मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप को अलविदा कर दिया जिससे उनके 15 साल से अधिक के करियर पर विराम लग गया। भारत के लिए आखिरी बार 2017 में खेलने वाले 42 वर्ष के मिश्रा 2024 तक आईपीएल खेले हैं। उन्होंने कहा, 'मैने क्रिकेट से संन्यास का फैसला ले लिया है।' उन्होंने भारत के लिए 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 मैच खेले हैं । उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2008 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

गुरुवार को एक बयान में मिश्रा ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का उनका फैसला बार-बार होने वाली चोटों और अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को बड़े मंच पर चमकने के पर्याप्त अवसर देने के विश्वास से प्रभावित था। उन्होंने कहा, 'मैं उन प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं और मैदान पर बिताया हर पल एक यादगार पल है जिसे मैं जिंदगी भर संजो कर रखूंगा।'

मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के लिए उन्हें 2008 तक इंतजार करना पड़ा, जहां वे अपने पहले ही मैच में 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए। 2013 में उन्होंने जिम्बाब्वे में 5 मैचों की श्रृंखला में 18 विकेट लेकर जवागल श्रीनाथ के द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने बांग्लादेश में 2014 टी20 विश्व कप में भी खेला, जहां उन्होंने 14.70 की औसत और 6.68 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए जिसमें भारत उप-विजेता रहा।

2017 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद मिश्रा ने घरेलू क्रिकेट और IPL खेलना जारी रखा। उनका आखिरी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मैच IPL 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ था, जहां उन्होंने 1-20 का औसत हासिल किया। मिश्रा हरियाणा के लिए एक शानदार घरेलू क्रिकेट करियर के अलावा IPL में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 162 मैचों में 23.82 की औसत और 7.37 की इकॉनमी रेट से 174 विकेट लिए हैं। उनके नाम IPL के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज होने का रिकॉर्ड भी है। संयोग से मिश्रा की IPL हैट्रिक तीन अलग-अलग टीमों के लिए आईं:

2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए। भविष्य को देखते हुए मिश्रा ने कहा कि वह युवा क्रिकेटरों को कोचिंग, कमेंट्री और मार्गदर्शन के माध्यम से खेल से जुड़े रहना चाहते हैं, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब के माध्यम से प्रशंसकों के साथ नियमित रूप से बातचीत करना चाहते हैं।

(ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में धवन से पूछताछ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की मुश्किले बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी ऐप मामले में गुरुवार को उनसे पूछताछ की। धवन भी कुछ गेमिंग कंपनियों के विज्ञापन से जुड़े है। वहीं सरकार ने हाल ही में सभी ऑनलाइन गैमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह कथित अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में धवन से पूछताछ शुरू की। ईडी ने गुरुवार सुबह 11 बजे धवन को मुख्यालय में बुलाया। जिससे प्रचार और विज्ञापनों के माध्यम से ऐप से उनके कथित संबंधों और विश्रापनों से हुई आय का पता लगाया जा सके।

धवन से मुख्यालय पहुंचने के तुरंत बाद पूछताछ शुरू हुई और उन्हें जांचकर्ताओं के सामने पेश किया गया। इससे पहले इस मामले में सुरेश रैना सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। वे मशहूर सितारे जो ऐप से किसी भी प्रकार जुड़े रहे हैं उनसे इस मामले में पूछताछ हुई है। इन ऐप पर कर चोरी और निवेशकों से धोखाधड़ी का संदह है। इसमें कई अभिनेता भी शामिल हैं। यह मामला भारत में संचालित एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ा है, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अपने एल्गोरिदम में हेराफेरी का संदेह है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में अब आगे इस तरह के ऐप का न कोई प्रमोशन होगा और न ही इसे भारत में संचालित किया जा सकेगा।

बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आईपीएल से संन्यास के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। अभी तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने इस लीग से नहीं खेला है। ऐसे में अगर अश्विन बीबीएल के लिए करार करते हैं तो अन्य भारतीय खिलाड़ियों का भी संन्यास के बाद एक नया विकल्प मिल जाएगा। कोई भी भारतीय क्रिकेटर संन्यास के बाद इस लीग में नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने स्वयं अश्विन से संपर्क किया है। उन्होंने अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के तुरंत बाद उनसे बात की। ग्रीनबर्ग ने कहा कि अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी के बीबीएल में लाने से लीग का आकर्षण बढ़ेगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं, जो लीग में और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बहुत कुछ कर सकते हैं। इससे साफ है कि सीए इस करार को लेकर उत्सुक है। हालांकि, बीबीएल में अश्विन को लाने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को एक खास व्यवस्था करनी पड़ सकती है। इसके पीछे का कारण ये है कि अधिकांश टीमों ने अपने खिलाड़ियों पर अपना पर्स खर्च कर दिया है। ऐसे में अश्विन को देने के लिए उनके पास ज्यादा पैसे नहीं होंगे। सूत्रों की मानें तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया डेविड वॉर्नर की तरह अश्विन को प्रति मैच के हिसाब से भुगतान कर सकती है। दो सत्र पहले वॉर्नर को हर मैच के लिए लगभग 80,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर यानी करीब 46 लाख रुपये मिलते थे। ऐसे में अश्विन के लिए भी इसी तरह का कोई खास करार तैयार किया जा सकता है। इसके साथ-साथ ब्रांड या एंडोर्समेंट डील भी इस समझौते का हिस्सा हो सकती हैं।अगर अश्विन और बीबीएल के बीच डील होती है तो यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ा कदम होगा, क्योंकि तमाम ऐसे क्रिकेटर हैं, जिनको भारत की टीम में या आईपीएल में मौका नहीं मिलता तो वे बीबीएल का रुख कर सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025: दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ-साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ हालांकि, क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने लंच के बाद अपनी सेंचुरी पूरी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी

जायसवाल भी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार मैदान पर दिखाई दिए और ये खिलाड़ी सिर्फ 3 ही गेंद खेलकर पवेलियन लौट गया। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। हार्विक देसाई भी दीपक चाहर का शिकार हो गए, वो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्या देसाई ने ऋतुराज के साथ मिलकर 82 रनों की साझेदारी की जिससे वेस्ट जोन की टीम शुरुआती झटकों से उबर पाई।

युकी भांबरी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से 2 जीत दूर

यूएस ओपन 2025 से भारतीय फैंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने मेन्स डबल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त भांबरी-वीनस ने बुधवार को न्यूयॉर्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल में 11वीं सीड राजीव राम और निकोला मेटकिक को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। ये मैच 2 घंटा और 37 मिनट तक चला। पहली बार युकी भांबरी किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह पिछले साल यूएस ओपन में प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। अब मौजूदा प्रदर्शन से युकी भांबरी डबल्स रैंकिंग में टॉप-25 में पहुंच जाएंगे।

बता दें कि, आखिरी बार किसी भारतीय ने यूएस ओपन का खिताब 2015 में जीता था। उस दौरान लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा क्रमश- मिक्स्ड डबल्स और महिला डबल्स में चैंपियन बने थे। रोहन बोपन्ना 2023 में यूएस ओपन के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। युकी भांबरी-माइकल वीनस ने बेहतरीन शुरूआत करते हुए पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट बेहद रोमांचक रहा और टाई-ब्रेक तक खिंच गया। इस दौरान युकी डबल फॉल्ट कर बैठे, जिसका फायदा उठाकर राम-मेटकिक ने टाईब्रेकर को 8-6 से जीत मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट में भांबरी-वीनस ने बेहतरीन वापसी की और जल्दी ही ब्रेक हासिल करके हासिल कर बढ़त बनाई, जो निर्णायक रहा।

धोनी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, टीवी विज्ञापनों के मामले में अमिताभ बच्चन सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी भले ही 5 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों लेकिन उनका जलवा अभी भी कायम है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 2025 में सबसे ज्यादा टीवी विज्ञापन करने वालों में पहला नाम थाला यानि धोनी का है और उन्होंने टीवी विज्ञापनों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए अमिताभ बच्चन, विराट कोहली सहित कई बड़ी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। ञरू स्रश्व× की टीवी विज्ञापन रिपोर्ट (जनवरी-जून) के अनुसार धोनी 2025 की पहली छमाही में भारतीय टेलीविजन पर दूसरे सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले सेलिब्रिटी बनकर उभरे हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में धोनी ने केवल 6 महीनों में 43 ब्रांडों के साथ काम कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो पिछले वर्ष के उनके 42 ब्रांडों के आंकड़े को पार कर गया। यह आंकड़ा अमिताभ बच्चन द्वारा 2024 के पूरे वर्ष के लिए किए गए कुल विज्ञापनों से भी ज्यादा है। शाहरुख खान ब्रांड संख्या में धोनी के बाद 35 विज्ञापनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन 28 विज्ञापनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। धोनी को प्रतिदिन औसतन 22 घंटे टीवी विज्ञापनों में देखा गया, जो सभी टेलीविजन चैनलों पर कुल विज्ञापनों की संख्या का लगभग 7त्न था। यह उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे भरोसेमंद चेहरों में से एक बनाता है। सबसे ज्यादा दिखाई देने वाले टीवी सेलेब्रिटीज़ की सूची में शामिल होने वाले अन्य क्रिकेटरों में विराट कोहली और राहुल द्रविड़ शामिल हैं। द्रविड़ की औसत दैनिक दृश्यता 6.4 घंटे और कोहली की 6.3 घंटे थी। दोनों ने कुल विज्ञापन मात्रा में लगभग 2त्न का योगदान दिया।

इगा स्वियाटेक को हराकर अमांडा अनिसिमोवा यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमांडा अनिसिमोवा ने बुधवार को यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी और अहम जीत मानी जा रही है। करीब आठ हफ्ते पहले ही उन्हें विंबलडन फाइनल में स्वियाटेक के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार उन्होंने पूरी मजबूती और आत्मविश्वास के साथ वापसी करते हुए जीत हासिल की।

शुरुआत में दबाव, फिर लय में लौटीं

मैच की शुरुआत में स्वियाटेक ने तेजी से दबाव बनाया और जल्दी ब्रेक हासिल किया। लेकिन अनिसिमोवा ने हार नहीं मानी। उन्होंने तीसरे ब्रेक प्वाइंट पर एक शानदार फोरहैंड मारकर वापसी की और पहला सेट जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पहला गेम जीतने से मुझे राहत मिली और मैं फिर सहज होकर खेल सकी।'

पहला सेट कड़ा लेकिन अहम

पहला सेट काफी टक्कर वाला रहा। अनिसिमोवा ने कई अहम मौकों पर शानदार शॉट लगाए और स्वियाटेक की दूसरी सर्विस पर ज़्यादातर अंक जीत लिए। उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट की शुरुआत में स्वियाटेक ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अनिसिमोवा ने वापसी करते हुए गेम को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने स्वियाटेक की सर्विस तोड़ी और मैच में नियंत्रण बनाए रखा। स्वियाटेक की लगातार गलतियों और कमजोर सर्विस का उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

मानसिक तौर पर तैयार थीं

अनिसिमोवा ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले विंबलडन की हार दोबारा देखी, ताकि समझ सकें कि गलती कहाँ हुई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। डर बिल्कुल भी नहीं था और मैं खुद को लगातार प्रोत्साहित कर रही थी।'

स्वियाटेक ने मानी हार की वजह

स्वियाटेक ने माना कि उनकी सर्विस में कमी रही और अनिसिमोवा ने उनकी दूसरी सर्विस पर बेहतरीन रिटर्न लगाए। उन्होंने कहा, 'मेरी सर्विस ने आज फर्क पैदा किया।'

अब अगली चुनौती सेमीफाइनल में

अब अनिसिमोवा का सामना सेमीफाइनल में या तो नाओमी ओसाका या करोलिना मुचोवा से होगा। अनिसिमोवा ने कहा, 'दोनों खिलाड़ी मजबूत हैं, मुझे पूरे ध्यान से खेलना होगा।'

जीत से बढ़ा आत्मविश्वास

अनिसिमोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे खास जीत है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि मैं दुनिया की टॉप खिलाड़ियों के साथ मुकाबला कर सकती हूँ।'

टेस्ट को रोमांचक बनाने जब चाहे नई गेंद लेने का नियम शुरु करें : कुक

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट को रोमांचक बनाने के लिए गेंद बदलने के नियम में बदलाव करना है। कुक ने कहा है कि अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है जबकि ऐसा करना चाहिये कि कभी भी गेंद बदली जा सके। का इस्तेमाल किसी भी ओवर से कर सकते हों। अभी के लिए ये निमय 80 ओवर के बाद शुरू होता है। एलिस्टर कुक ने ये बात पूर्व कप्तान माइकल वॉन, डेविड लॉयड और फिल टफनेल के साथ खेल के नियमों में बदलाव की बात करते हुए कही। उनका कहना था कि इससे खेल और बेहतर होगा। इसी दौरान कुक ने कहा कि कभी भी गेंद बदलने से एक मैच में 20 विकेट लेने में सहायता मिल सकती है, साथ ही फैसल लेने में एक और रणनीतिक पहलू भी जुड़ सकता है। एक कार्यक्रम में कुक ने कहा, मैं एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा कि 160 ओवरों में आप जब चाहें नई गेंद ले सकें? कुक ने कहा, आपके पास 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें होती हैं। ऐसे में नियम ये होना चाहिए कि आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवरों के बाद दूसरी नई गेंद ले सकते हैं। अभी जो नियम नई गेंद को लेकर है उसमें गेंदबाजी करने वाली टीम के पास हर 80 ओवर के बाद एक नई गेंद लेने का विकल्प होता है पर कुक के सुझाव के बाद उन्हें पहले भी नई गेंद लेने का अवसर मिल सकता है, जिससे वे विकेट निकाल सकें।

एकदिवसीय विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पाक टीम : सना

लाहौर । आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा है कि उनकी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अपना पहला मैच दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश से खेलेगी। महिला विश्व कप में पाकिस्तान की टीम पांच बार खेल चुकी है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। पिछली बार 2022 में उसे एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी। पाकिस्तान के लिये 34 एकदिवसीय में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली फातिमा को भरोसा है कि इस बार उनकी टीम जीतेग क्योंकि उसमें शामिल युवा खिलाड़ियों को पता है कि उनके प्रदर्शन से देश में महिला क्रिकेट का विकास होगा। उन्होंने कहा, ''युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिये यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है।'' उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी पर भी पिछले एक साल में काफी काम किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास अच्छे गेंदबाज हैं और स्पिनर हमारे ट्रंपकार्ड होंगे। हम बल्लेबाजी से ज्यादा गेंदबाजी पर निर्भर करेंगे लेकिन पिछले एक साल में बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसका परिणाम मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि टीम का ध्यान क्वालीफायर वाली लय को कायम रखने पर होगा और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट से पहले होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला से टीम संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''टीम अच्छी लय में है और क्वालीफायर में उम्दा प्रदर्शन के बाद सभी का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम में वही खिलाड़ी टीम में हैं जो क्वालीफायर खेली थीं। छह खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है और वे काफी उत्साहित हैं।'' फातिमा ने कहा, ''विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने को लेकर दबाव तो है पर वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल के भी मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है।''

भुवनेश्वर अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली । मध्यम तेज गति के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का करियर अब समापत होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले काफी समय में उन्हें भारतीय टीम में किसी भी प्रारुप में अवसर नहीं मिला है। भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 मैच में 17 विकेट हासिल किए फिर भी चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर विचार तक नहीं किए। टीम इंडिया में वापसी को लेकर भूवी ने कहा, मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। मैंने अभी संन्यास के बार में सोचा नहीं है। जब तक मैं फिट रहूंगा, खेलना जारी रखूंगा। बाकी का काम चयनकर्ताओं का है। भुवनेश्वर कुमार अभी उत्तर प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 में मेरठ मेवरिक्स के लिए लिए खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच में 9 विकेट ले चुके हैं और वो भी सिर्फ 6.76 की इकॉनमी रेट से। टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाने को लेकर कुमार ने कहा, चयनकर्ता इस सवाल का जवाब देंगे। मेरा काम मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देना है। यूपी लीग के बाद अगर मुझे मुश्ताक अली, रणजी या यूपी के लिए एकदिवसीय प्रारुप में अवसर मिला तो मैं वहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। एक अनुशासित गेंदबाज के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा फिटनेस बनाये रखने और लाइन-लेंथ के साथ ही अपना सर्वहश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर रहता है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा पर बोले पूर्व क्रिकेटर, हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के दौरान भारतीय वनडे टीम में अपनी बहुचर्चित वापसी के लिए तैयार हैं। लंबे समय से टीम से जुड़े ये दोनों खिलाड़ी पिछले एक साल में टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और 50 ओवरों के प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि मौजूदा टीम प्रबंधन नहीं चाहता कि ये दोनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद खेलना जारी रखें। हालांकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने जोर देकर कहा है कि किसी को भी यह तय करने का अधिकार नहीं है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहिए।

दासगुप्ता ने कहा, 'किसी ने भी यह सही नहीं किया। हमने उन्हें कभी शुरुआत करने के लिए नहीं कहा, इसलिए हम उन्हें यह बताने वाले कोई नहीं होते कि कब रुकना है। वे जब रुकते हैं, तब रुकते हैं। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है। हां, जहां तक चयन का सवाल है तो हम एक प्रदर्शन-आधारित उद्योग में हैं। आप प्रदर्शन करते रहें, आप बने रहें। इसमें कोई दो राय नहीं है। मैंने हाल ही में उनकी (रोहित) तस्वीरें देखीं, वह फिट दिख रहे हैं, वह पूरी तरह से तैयार हैं और आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उन दोनों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ साल बाकी हैं। मुझे सचमुच थोड़ा गुस्सा आता है जब लोग कहते हैं, 'ओह, इस आदमी को संन्यास ले लेना चाहिए'। मेरा मतलब है कि हम कौन होते हैं ऐसा सुझाव देने वाले?' अगले 12 महीनों में वनडे मैचों की कमी पर बात करते हुए दासगुप्ता का मानना है कि अगर रोहित और कोहली मैच के लिए फिट रहना चाहते हैं तो उन्हें IPL के अलावा विदेशों में खेलने के मौके भी तलाशने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए IPL दो महीने तक चलेगा। फिर वे 7-8 या शायद 8-9 वनडे मैच खेलेंगे। इस बीच विजय हजारे ट्रॉफी है। फिर अगर वे चाहें, तो इंग्लैंड जाकर 50 ओवर का मैच खेल सकते हैं। इसलिए आपके पास क्रिकेट खेलते रहने के विकल्प हैं, भले ही उच्चतम स्तर या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न हों, लेकिन आपके पास अभी भी विकल्प हैं।'

दासगुप्ता ने कहा अगर दोनों मानदंड पूरे कर लेते हैं, तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में लीग क्रिकेट खेलने के विकल्पों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इसकी कोई संभावना है या नहीं, शायद

दक्षिण अफ्रीका जाएं या ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां कुछ 50 ओवर के मैच खेलें। मुझे पता है, जहां तक इंग्लैंड का सवाल है कि यह निश्चित रूप से एक विकल्प है। हालांकि मुझे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़े नियमों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन असल बात है भूख। अगर उनमें पर्याप्त भूख है, तो वे कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेंगे।'

जीएसटी सुधारों पर कांग्रेस हमलावर, सरकार से मांगा हिसाब

एजेंसी

नई दिल्ली : वस्तु एवं सेवा कर परिषद की बैठक में आठ साल पुराने ढांचे में बड़े बदलावों की केन्द्र की घोषणा के बावजूद इस फैसले से नाखुश कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह कदम बहुत देर से उठाया गया है क्योंकि जीएसटी का मूल डिजाइन शुरू से ही त्रुटिपूर्ण था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ₹कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी के सरलीकरण की मांग करती रही है लेकिन मोदी सरकार ने वन नेशन, वन टैक्स को वन नेशन, नाइन टैक्स में बदल दिया। इसमें शून्य, पांच, बारह, अठारह और अट्ठाईस फीसदी के टैक्स स्लैब रखे गए, साथ ही 0.25, 1.5, तीन और छह फीसदी की विशेष दरें भी लागू की गईं जिससे व्यवस्था और जटिल हो गई।₹ खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने 2019 और 2024 के अपने घोषणापत्रों में जीएसटी 2.0 की मांग की थी जिसमें तर्कसंगत दरें और सरल कर व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जीएसटी के जटिल नियमों के कारण एमएसएमई और छोटे कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ है। 28 फरवरी 2005 को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने संसद में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी और 2011 में जब वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी विधेयक लेकर आए थे तब भारतीय जनता पार्टी ने इसका विरोध किया था। नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने भी जीएसटी का विरोध किया था

लेकिन आज उनकी ही केंद्र सरकार जीएसटी के रिकॉर्ड कलेक्शन का जश्न मना रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगाया। दूध-दही, आटा-अनाज, बच्चों की किताबें-पेंसिल, ऑक्सीजन, बीमा और अस्पताल खर्च जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी जीएसटी लगाया गया। इसी कारण कांग्रेस ने इसे गब्बर सिंह टैक्स का नाम दिया। जीएसटी का लगभग चौंसठ फीसदी गरीब और मध्यम वर्ग की जेब से आता है जबकि अरबपतियों से केवल तीन फीसदी वसूला जाता है। इसके साथ ही कॉर्पोरेट टैक्स की दर तीस फीसदी से घटाकर बाईस फीसदी कर दी गई। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आयकर वसूली में दो सौ चालीस फीसदी और जीएसटी वसूली में एक सौ सतहत्तर फीसदी की वृद्धि हुई है। खरगे ने मांग की कि राज्यों को 2024-25 को आधार वर्ष मानकर पांच वर्षों तक मुआवजा दिया जाए क्योंकि दरों में कटौती से उनके राजस्व पर असर पड़ना तय है। इस बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी एक्स पर इस बाबत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में ही परिषद के फैसलों की घोषणा कर दी थी जिससे जीएसटी परिषद केवल औपचारिक संस्था बनकर रह गई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी 1.0 अपनी सीमा पर पहुंच चुका है और यह गुड एंड सिंपल टैक्स नहीं बल्कि विकास दर कम करने वाला टैक्स साबित हुआ है। रमेश ने कहा कि असली जीएसटी 2.0 का इंतजार जारी है। हालांकि जब तक दरों की संख्या घटाकर उन्हें तर्कसंगत नहीं बनाया जाता और एमएसएमई पर बोझ कम नहीं होता तब तक इसका वास्तविक लाभ जनता और उद्योगों तक नहीं पहुंच पाएगा।

एथेनाल नीति और महंगे पेट्रोल-डीजल पर सरकार कब देगी जवाब : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर एथेनाल नीति और पेट्रोल डीजल की महंगी दरों को लेकर निशाना साधा और कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में कुछ भी ठोस काम नहीं किया जिससे जनता महंगे पेट्रोलियम पदार्थ खरीदने को मजबूर है। गुरुवार को पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रेस वार्ता में भारतीय जानता पार्टी के नेताओं के पुराने बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जनता को सस्ता पेट्रोल- डीजल देने का वादा जुमला निकल गया। खेड़ा ने कहा कि जून 2014 में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने वादा किया था कि शहरी कचरे से एथेनाल बनाकर पेट्रोल 55 रुपए और डीजल 50 रुपए प्रति लीटर मिलेगा, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सितंबर 2018 में भी ऐलान किया गया था कि पांच बड़े प्लांट लगेंगे, जहां लकड़ी के बूरे और शहरी कचरे से एथेनाल तैयार किया जाएगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अब तक एक भी लीटर एथेनाल इस तकनीक से नहीं बना। उन्होंने दावा किया कि अब तक 627 करोड़ लीटर एथेनाल तैयार हुआ है, जिसमें 56 फीसदी हिस्सा गन्ने से और बाकी अनाज से बनाया गया, जबकि वेस्ट और लकड़ी का कोई उपयोग नहीं हुआ। एक लीटर एथेनॉल बनाने में करीब तीन हजार लीटर पानी खर्च होता है, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान होता है।

मणिपुर में छह उग्रवादी गिरफ्तार, करीब 184 किलो गांजा बरामद

इंफाल : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में लगातार अभियान चलाकर कई प्रतिबंधित संगठनों के सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया और लगभग 184.13 किलो गांजा सहित अन्य सामान जब्त किए हैं। पकड़े गए संगठनों में केसीपी और केसीपी के दो-दो, पीएलए का एक कैडर समेत एक अन्य को गिरफ्तार किया है। सबसे पहले, केसीपी के दो कैडरों को पकड़ा गया। इनमें लैश्रम सुरनजॉय मैतेई उर्फ थॉई, निवासी लैरेनकाबी ममंग लाइकाई, थाना लामशांग, इंफाल वेस्ट शामिल है, जिसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरा कैडर फिजाम अथैलू मैतेई, निवासी सेक्ता मायाई लाइकाई, थाना लामलै, इंफाल ईस्ट को खबाम चुंब्रेईथोंग से पकड़ा गया। दोनों के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए।

कॉलर आईडी से आगे: ट्रूकॉलर अब बनेगा आपका एआई गाइड

एजेंसी

रांची : दुनिया भर में 450 मिलियन से ज्यादा एक्टिव यूजर्स की कम्युनिटी वाला ट्रूकॉलर, अब सिर्फ कॉलर आईडी की सेवा देने वाला माध्यम नहीं रह गया है; अब ये एक भरोसेमंद गाइड बन गया है, जो लोगों को बताता है कि कौन कॉल कर रहा है, और हर बार कॉल का मकसद क्या है। ट्रूकॉलर ने सिर्फ कॉलर का नाम दिखाने के बजाय, अब अककी मदद से अपने यूजर्स को आने वाली कॉल्स के बारे में और भी गहराई से जानकारी देना शुरू कर दिया है। इसमें यूजर कमेंट्स की अकसमरी भी दी जाती है। यूजर्स को तुरंत मिलने वाली इस तरह की जानकारी एडवांस्ड अक क्लासिफिकेशन मॉडल पर काम करती है और लाखों एक्टिव यूजर्स से रोजाना मिलने वाली रिपोर्ट से

लगातार बेहतर होती रहती है, जिसमें संभावित धोखाधड़ी को पहचानना, स्पैम की पहचान करना और अलग-अलग बिजनेस कैटिगरी बारे में जानकारी देना शामिल है। वास्तविक समय में उपलब्ध जानकारी यह न सिर्फ यूजर के भरोसे और सुरक्षा को बढ़ाती है, बल्कि नेक्स्ट जेनरेशन कॉलर आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी में ट्रूकॉलर की लीडरशिप को भी मजबूत करती है। हालांकि, कंपनी अलग-अलग बिजनेस की पहचान के लिए वेरिफाइड बिजनेस बैज भी देती है, लेकिन यूजर्स को दिखाई जाने वाली ज्यादातर जानकारी अक द्वारा अपने आप ही तैयार की जाती है – जिसके लिए मैन्युअल लेबलिंग और किसी बिजनेस रजिस्ट्रेशन की कोई जरूरत नहीं होती है। टेलीकॉम ऑपरेटरों की ओर से दी जाने वाली सामान्य कॉलर आईडी सेवा में सिर्फ नाम और कभी-कभी बस साधारण स्पैम टैग से ज्यादा कुछ नहीं होता है, वहीं दूसरी ओर ट्रूकॉलर इसके लिए अक और वास्तविक समय की जानकारी का उपयोग करता है। इससे सुरक्षा का स्तर कहीं बेहतर और ज्यादा समझदारी भरा बन जाता है। इस मौके पर ट्रूकॉलर के ग्लोबल सीईओ, रिशित झुनझुनवाला ने कहा, ₹लोग अनजान कॉल्स का जवाब देने में हिचकिचाते हैं क्योंकि उन्हें कॉल की सही वजह पता नहीं होती, जो आज के दौर में काफी मायने रखती है।

संक्षिप्त खबरें

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने जब्त किए 1.99 लाख के भारतीय जाली नोट

मालदा : पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल की 71वीं बटालियन के जवानों ने नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी की कोशिश को नाकाम कर एक लाख 99 हजार 500 रुपये के जाली नोट जब्त किए। बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 3 सितंबर को सीमा चौकी (बीओपी) सोंवापुर पर तैनात जवानों को नकली नोटों की तस्करी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर सभी जवानों को अलर्ट किया गया। दोपहर करीब एक बजे गश्त कर रहे जवानों ने बांग्लादेश की ओर से सीमा बाड़ के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और तलाशी के दौरान एक संदिग्ध पैकेट बरामद किया। पैकेट खोलने पर उसमें 500 के 399 भारतीय जाली नोट मिले, जिनकी कुल कीमत एक लाख 99 हजार 500 थी। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सभी नोटों को नकली पाया गया। आशंका जताई जा रही है कि बांग्लादेशी तस्करों ने यह पैकेट भारतीय सीमा में फेंका था, जिसे उनके भारतीय सहयोगियों द्वारा उठाया जाना था। हालांकि, बीएसएफ की सतर्कता से यह प्रयास विफल हो गया। जब्त किए गए जाली नोट मामले में आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिए गए हैं।

जीएसटी में बदलाव मध्यमवर्गीय परिवारों को दिवाली का उपहार : अश्विनी वैष्णव

सोहणा (हरियाणा) : केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स, रेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में हुए बदलावों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मध्यमवर्गीय परिवारों को त्योहार के पहले दिया गया तोहफा बताया और कहा कि इससे देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों में खुशी की लहर आयी है। वैष्णव ने राष्ट्रीय राजधानी से लगे हरियाणा के सोहणा में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम के इतर मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की और बुधवार को जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलावों का स्वागत करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जो हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक बहुत बड़ी खुशी की खबर है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि दिवाली से पहले पहले सभी मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा एक गिफ्ट मिलेगा बहुत बड़ा उपहार मिलेगा और कल वित्त मंत्री ने जीएसटी में जो एक महत्वपूर्ण बदलाव है वो घोषित किया है जो कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगा। उन्होंने कहा कि हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में काम में आने वाली प्रायः हर चीज चाहे खाने से संबंधित हो, चाहे पहनने से संबंधित हो, चाहे बच्चों की पढ़ाई से संबंधित हो, चाहे घर में टीवी स्कूटर से संबंधित हो, चाहे घर में वाशिंग मशीन से संबंधित हो हर चीज पर जीएसटी की दरें एक बड़ी मात्रा में कम की गई है जिससे कि हमारे जन जन के जीवन में हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन में हमारे गरीब परिवारों के जीवन में एक बड़ी खुशी की लहर है।

राजगीर में भूटान के प्रधानमंत्री ने रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का किया उद्घाटन

एजेंसी

पटना : भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने गुरुवार को राजगीर में 70 फीट ऊंचे रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मैत्री का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह में भूटान के राजा, प्रमुख बौद्ध भिक्षु जे खेपों, केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू और बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत और भूटान के बीच शांति, मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। आप लोग सौभाग्यशाली हैं कि भगवान बुद्ध की धरती पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ही इस भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो पाया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, भारत और भूटान न केवल भौगोलिक रूप से निकट हैं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक संबंध भी गहरे हैं। यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए इन संबंधों की प्रेरणा बनेगा। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इस परियोजना के लिए बधाई दी। यह मंदिर आने वाले समय में न केवल एक धार्मिक स्थल के रूप में बल्कि भारत-भूटान मैत्री के प्रतीक स्थल के रूप में भी जाना जाएगा। मंत्री सुनील कुमार ने मंदिर को नालंदा की बौद्ध विरासत का आधुनिक विस्तार बताते हुए राज्य सरकार की ओर से इस पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का शिलान्यास बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 11 नवम्बर 2018 को किया गया था। अब, इसके उद्घाटन के साथ यह भारत और भूटान के बीच मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है।

जयंती पर दादाभाई नौरोजी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : दादाभाई नौरोजी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह, राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दादाभाई नौरोजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। लोकसभा सचिवालय के मुताबिक द ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया के रूप में विख्यात दादाभाई नौरोजी को 1892 में हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुने गए पहले ब्रिटिश-भारतीय होने का गौरव प्राप्त है। ड्रेन ऑफ वेल्थ सिद्धांत के लिए प्रसिद्ध दादाभाई भारतीय स्वतंत्रता की मांग को दृढ़ता से रखने वाले राष्ट्रवादी नेताओं में से एक थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में दादाभाई नौरोजी की अग्रणी भूमिका का स्मरण करते हुए तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जीवी मावलंकर ने 13 मार्च 1954 को संसद के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र का अनावरण किया था।

देश में सड़क दुर्घटनाओं से जीडीपी में 3 फीसदी का नुकसान : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा को देश की प्राथमिकता बताते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल औसतन 4.80 से 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें लगभग 1.80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इन दुर्घटनाओं से जीडीपी को 3 फीसदी का नुकसान होता है, जो किसी बीमारी या युद्ध से भी अधिक है। गडकरी ने फिक्की के 7वें रोड सेफ्टी अवॉर्ड्स एंड सिम्पोजियम 2025- 'विजन जीरोः लाइफ फर्स्ट, ऑलवेज' कार्यक्रम में कहा कि सालाना होने वाली सभी दुर्घटनाओं में 66.4 फीसदी मौतें 18 से 45 साल के युवाओं की होती

हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 18 साल से कम उम्र के 10 हजार बच्चों की सालाना मौत होती है, जो चिंता का विषय है। हेलमेट न पहनने से करीब 30,000 और सीट बेल्ट न लगाने से 16,000 मौतें सालाना होती हैं। इन आंकड़ों को कम करने के लिए सरकार ने नई बाइक खरीदने वालों को दो हेलमेट देने की अनिवार्यता लागू की है। साथ ही, जागरूकता फैलाने के लिए अमिताभ बच्चन के साथ सालाना कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शंकर महादेवन का एक गीत 22 भाषाओं में अनुवादित कर स्कूली बच्चों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल अभियान भी शुरू किया गया है। उन्होंने वाहन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इस बदलाव से परफेक्शन आया है, जिससे वाहन दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद है। ट्रक ड्राइवरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो 16-18 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, उनके केबिन में एसी अनिवार्य किया गया है। गर्मी और थकान से होने वाली अस्वस्थता को कम करने के लिए फटीग और स्लीप डिटेक्शन सिस्टम पर भी काम चल रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**